अमित शाह एफसीआरए और... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

दिया मिर्जा ने बताया क्यों... 11

वर्ष - 02, अंक - 127 | गाजियाबाद / रविवार 09 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

जेपीएससी विवाद पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

कथित गड़बड़ियों की सीबीआई जांच और परीक्षा रद्द करने की मांग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2025 में कथित अनियमितताओं और गड़बड़ियों की जांच की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। सामाजिक कार्यकर्ता हरिशरण देवगन की ओर से दाखिल याचिका में परीक्षा की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग की गई है।

याचिका में 19 अप्रैल को आयोजित जेपीएससी संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा को रद्द करने का निर्देश देने का भी अनुरोध किया गया है। वैकल्पिक रूप से सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश या झारखंड से बाहर के किसी हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में स्वतंत्र जांच समिति गठित करने की मांग की गई है।

याचिकाकर्ता ने कहा है कि परीक्षा प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की स्वतंत्र, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच जरूरी है। जांच समिति में फॉरेंसिक साइंस, सूचना प्रौद्योगिकी, परीक्षा सुरक्षा, ओएमआर मूल्यांकन, साइबर सुरक्षा और लोक प्रशासन के विशेषज्ञों को शामिल करने का सुझाव दिया गया है।

टीडीपीएल एजेंसी द्वारा आयोजित की गई सभी परीक्षाएं हों रद्द: महतो

झारखंड की राजधानी रांची में जेपीएससी-जेएसएससी पेपर लीक के खिलाफ छात्रों के विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के सदस्य और प्रमुख छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि हमारी मुख्य मांग है कि टीडीपीएल (टीएसआर डाटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड) एजेंसी द्वारा आयोजित की गई सभी परीक्षाएं रद्द की जाएं और मामले की निष्पक्ष जांच हो। देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि झारखंड के गठन के बाद से ही छात्र पीड़ित हैं। यह कोई एक परीक्षा में गड़बड़ी का मामला नहीं है। जेपीएससी और जेएसएससी जैसी परीक्षाओं में पेपर लीक और गड़बड़ी करके नौकरी ली जा रही है। इससे सभी परेशान हैं।

याचिका में परीक्षा से जुड़े सभी महत्वपूर्ण दस्तावेज और रिकॉर्ड सुरक्षित रखने का आदेश देने की भी मांग की गई है। इनमें मूल ओएमआर शीट, अभ्यर्थियों की कार्बन कॉपी, प्रश्नपत्र, आंसर-की, उपस्थिति पत्रक, बायोमेट्रिक रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज, डिस्पैच रजिस्टर, परीक्षा केंद्रों की रिपोर्ट, स्कैनिंग रिकॉर्ड, मूल्यांकन डेटा और रिजल्ट जनरेशन डेटा समेत अन्य दस्तावेज शामिल हैं। याचिकाकर्ता का कहना है कि रिकॉर्ड सुरक्षित रहने से जांच के दौरान साक्ष्यों से छेड़छाड़ की आशंका को रोका जा सकेगा।

उधर, झारखंड में बड़ी संख्या में छात्र परीक्षा में कथित गड़बड़ियों के विरोध में आंदोलन और भूख हड़ताल कर रहे हैं। शुक्रवार को छात्र प्रतिनिधियों और सरकार के प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई, लेकिन आंदोलन खत्म करने की घोषणा नहीं हुई है। सरकार और प्रदर्शनकारियों के बीच सहमति नहीं बन सकी है। इसी बीच मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचने से परीक्षा विवाद और गहरा गया है।

निजी बस गहरी खाई में गिरी, 7 लोगों की मौत

- हिमाचल के चंबा जिले में हुआ हादसा

चंबा, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के चंबा जनपद में शनिवार सुबह एक निजी बस के गहरी खाई में गिरने से ड्राइवर और कंडक्टर समेत 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य 11 लोग घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हादसे पर गहरा दुःख जताया और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

जानकारी के अनुसार, एक प्राइवेट बस सुबह करीब 6:30 बजे बैरागढ़ से चंबा के लिए रवाना हुई थी। करीब तीन किलोमीटर का सफर तय करने के बाद तीसा-बैरागढ़ मुख्य मार्ग पर देवीकोठी के पास चालुज मोड़ पर बस अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गहरी खाई में जा गिरी। बस में कुल 18 लोग सवार थे। हादसे के बाद कुछ लोग बस के नीचे दब गए। इसी बीच, स्थानीय लोगों और राहगीरों की भीड़ इकट्ठा हो गई। उन्होंने यात्रियों को बस से बाहर निकालने में मदद की। साथ ही, पुलिस को घटना की सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत से लोगों को बाहर निकाला और सभी घायलों को अस्पताल के लिए भेजा। चंबा जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने 7 लोगों की मौत और 11 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। गौरतलब है कि चंबा में पिछले दो महीनों में जिले में हुए अलग-अलग बड़े हादसों में 25 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

ई20 पेट्रोल निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप : सरकार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केन्द्र सरकार ने ई20 पेट्रोल की गुणवत्ता को लेकर सामने आई चिंताओं को खारिज करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को इस ईंधन का इस्तेमाल पूरी तरह भरोसे के साथ जारी रखना चाहिए। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को स्पष्ट किया कि तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा ई20 पेट्रोल निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप है और इसकी निगरानी के लिए मजबूत गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था लागू है।

मंत्रालय ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि हाल के दिनों में कुछ मीडिया रिपोर्टों में ई20 पेट्रोल में नमी और क्लोराइड की मौजूदगी को लेकर सवाल उठाए गए थे,

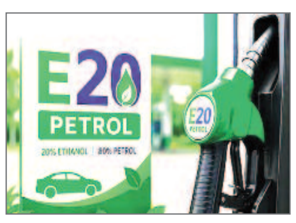

जिसके बाद तेल कंपनियों ने पूरे देश में ई20 पेट्रोल की सप्लाई चेन में अतिरिक्त और व्यापक परीक्षण अभियान चलाया।

सरकार के अनुसार, इन परीक्षणों के नतीजों से यह साफ हुआ है कि ईंधन की गुणवत्ता निर्धारित सीमा से काफी बेहतर स्तर पर बनी हुई है। मंत्रालय ने कहा कि वैज्ञानिक तरीकों से किए गए व्यापक और यादृच्छिक परीक्षणों में ईंधन के दूषित होने का कोई प्रमाण नहीं मिला है।

दिल्ली-एनसीआर से यूपी और उत्तराखंड तक मानसून सक्रिय

पहाड़ों में 14 अगस्त तक भारी बारिश की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून की सक्रियता के बीच उत्तर भारत में अगले कुछ दिनों तक मौसम का मिजाज बदला हुआ रहने वाला है। 9 अगस्त से दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले दिनों में कुछ क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बारिश भी हो सकती है। ऐसे में पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन और निचले क्षेत्रों में जलभराव को लेकर सावधानी जरूरी होगी

दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में 9 अगस्त को बारिश के साथ गरज-चमक और तेज हवाओं का दौर देखने को मिल सकता है। आईएमडी के अनुसार हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 8-9 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। इससे तापमान में गिरावट और उमस से राहत मिलने की उम्मीद है।

दिल्ली के साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी 9 अगस्त से बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। राजधानी और एनसीआर के लोगों को जलभराव वाले रास्तों तथा खुले क्षेत्रों में आंधी-तूफान के दौरान विशेष सावधानी बरतने की सलाह है।

यूपी में 11 अगस्त तक बारिश का दौर

उत्तर प्रदेश में मानसून की सक्रियता बनी रहेगी। आईएमडी के मुताबिक पूर्वी उत्तर प्रदेश में 9-10 अगस्त तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 9-11 अगस्त के दौरान बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश में 9 अगस्त को भारी बारिश की संभावना भी जताई गई है।

मेरठ, नोएडा, हापुड़, बुलंदशहर, अलीगढ़, आगरा समेत पश्चिमी यूपी के कई इलाकों में बारिश से गर्मी और उमस से राहत मिलने की उम्मीद है। किसानों के लिए यह बारिश खरीफ फसलों के लिहाज से उपयोगी साबित हो सकती है, हालांकि खेतों में अत्यधिक पानी भरने की स्थिति में फसलों को नुकसान भी हो सकता है।

भारत-चीन सहित पांच देशों पर 100% टैरिफ लगाएगा अमेरिका !

वॉशिंगटन (एजेंसी)। यूएस सीनेट (अमेरिका की राज्यसभा) ने रूस और उसके पेट्रोलियम उत्पादों के मुख्य खरीदारों (जैसे चीन और भारत) पर जुर्माना लगाने वाले बिल को भारी बहुमत से मंजूरी दे दी। तर्क दिया गया कि इस तरह का व्यापार यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा देता है। अब इस बिल का नाम बदलकर 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' कर दिया गया है और इसे सीनेट ने 86-11 वोटों से मंजूरी दी। यह बिल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उन देशों के सामान पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की अनुमति देता है जो रूसी तेल और गैस के शीर्ष पांच आयातक हैं। वर्तमान में चीन, भारत, अजरबैजान, हंगरी और स्लोवाकिया रूस से तेल और गैस के टॉप पांच खरीदार हैं। रूस पर प्रतिबंधों के अलावा, यह बिल 'ईरान सैंक्शन एक्ट ऑफ 1996' की समय सीमा को 2031 तक बढ़ा देगा। यह कानून ईरान के ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने वाली कंपनियों पर फाइन लगाएगा। अब यह बिल मंजूरी के लिए हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (प्रतिनिधि सभा) में जाएगा, जब वह 31 अगस्त को फिर से बैठक करेगा।

इसरो-एचएसएफसी में भर्ती, साइंटिस्ट-इंजीनियर के छह पदों पर आवेदन 10 अगस्त से

बेंगलुरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की प्रमुख इकाई मानव अंतरिक्ष उड़ान केंद्र (एचएसएफसी) ने साइंटिस्ट/इंजीनियर एसडी के छह पदों पर सीधी भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 10 अगस्त सुबह 10 बजे से शुरू होगी। इच्छुक उम्मीदवार 30 अगस्त शाम पांच बजे तक आवेदन कर सकेंगे।

रिक्त पदों में बायो-इंस्ट्रूमेंटेशन/ बायोफिजिक्स/ मेडिकल फिजिक्स, डेवलपमेंटल बायोलॉजी/ बायोटेक्नोलॉजी, सेलुलर एंड मॉलिक्यूलर बायोलॉजी/ सेल बायोलॉजी, कंप्यूटेशनल बायोलॉजी/ सिस्टम्स बायोलॉजी/ बायोइंफॉर्मेटिक्स और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग/ बायोमेडिकल साइंसेज सहित विभिन्न विषय शामिल हैं।

जंतर-मंतर प्रदर्शन में महिला से बदसलूकी का आरोप

- खाना बांटने वाले मोहम्मद जुनैद के खिलाफ दिल्ली पुलिस में शिकायत, सार्वजनिक माफी की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट पेपर लीक के विरोध में जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन के दौरान खाना बांटने वाले मोहम्मद जुनैद के खिलाफ एक महिला ने दिल्ली पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने जुनैद पर अनुचित व्यवहार और महिलाओं को परेशान करने का आरोप लगाते हुए सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने की मांग की है।

मीडिया से बातचीत में शिकायतकर्ता ने बताया कि उनकी शिकायत दर्ज हो चुकी है और बयान दर्ज कराने के लिए उन्हें बुलाया गया है। महिला का आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान जुनैद ने कुछ लड़कियों को गलत तरीके से छुआ और देर रात उन्हें संदेश भेजे।

शिकायतकर्ता ने दावा किया कि प्रदर्शन के दौरान उन्होंने जुनैद के खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश की थी, लेकिन अभिजीत दीपके और उनकी टीम ने यह कहते हुए उन्हें रोक दिया कि इससे प्रदर्शन प्रभावित होगा। महिला के अनुसार, कुछ अन्य लोगों ने भी उस समय उन्हें शिकायत आगे नहीं बढ़ाने की सलाह दी थी।

न्यूजीलैंड ने रूस समर्थक 33 लोगों और कंपनियों पर लगाए प्रतिबंध

वेलिंगटन, (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने शनिवार को यूक्रेन के साथ रूस के संघर्ष का समर्थन करने वालों के खिलाफ नए दौर के प्रतिबंधों की घोषणा की। विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स द्वारा बताए गए सैंक्शन पैकेज में 33 लोगों और कंपनियों को टारगेट किया गया था। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, न्यूजीलैंड ने मार्च 2022 में रूस पर प्रतिबंध लगाने वाला अधिनियम (रशिया सैंक्शन एक्ट) लागू किया था और तब से अब तक 36 राउंड के प्रतिबंध में 2,000 से ज्यादा लोगों, कंपनियों और जहाजों के खिलाफ कार्रवाई की है।

एक अलग डेवलपमेंट में अमेरिकी सीनेट ने एक बड़ा रूस सैंक्शन बिल पास किया है, जिसमें भारत का नाम नहीं है, लेकिन यह उसे और रूसी ऊर्जा के दूसरे बड़े खरीदारों को 100 फीसदी तक के टैरिफ के दायरे में ला सकता है।

> अमेरिकी सीनेट ने एक बड़ा रूस सैंक्शन बिल पास किया है, जिसमें भारत का नाम नहीं है, लेकिन यह उसे और रूसी ऊर्जा के दूसरे बड़े खरीदारों को 100 फीसदी तक के टैरिफ के दायरे में ला सकता है।

सीनेट से 86-11 वोट से पास हुआ लिंडसे ग्राहम सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 अब हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव्स में जाएगा, जहां वरिष्ठ डेमोक्रेट्स ने इसके टैरिफ प्रोविजन पर ऐतराज जताया है।

इस कानून के तहत सरकार को व्यापारिक डेटा का इस्तेमाल करके देशों की पहचान करनी होगी, न कि कानून में उनका नाम बताना होगा। इसमें रूसी क्रूड ऑयल के पांच सबसे बड़े इंपोर्टर, रूसी प्रकृतिक गैस के पांच सबसे बड़े इंपोर्टर और रूसी तेल प्रतिबंध से बचने में मदद करने वाले पांच बड़े देश शामिल हैं। ये फैसले सबसे हाल के 12 महीने के समय के आधार पर होंगे और हर 180 दिन में उनकी समीक्षा की जाएगी।

बंद घर से मिला महिला का कंकाल, एक साल पहले मौत की आशंका

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के बगलगुंटे इलाके में एक डुप्लेक्स मकान से 52 वर्षीय महिला का कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस को आशंका है कि महिला की मौत करीब एक साल पहले हुई थी। मामला हवनूर लेआउट का है, जहां दक्षायिनी नाम की महिला अकेली रहती थीं। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, करीब एक साल से दक्षायिनी के घर कोई नहीं आया था। लंबे समय तक घर बंद रहने और महिला के किसी से संपर्क में नहीं होने के बावजूद मामले की जानकारी समय रहते सामने नहीं आ सकी। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई। जांच में सामने आया है कि दक्षायिनी के पति उमेश की करीब 10 साल पहले मौत हो गई थी। इसके बाद उनके बेटे की भी कैंसर से मौत हो गई थी। पति और बेटे की मौत के बाद वह कथित तौर पर डिप्रेशन से जूझ रही थीं और घर में अकेली रह रही थीं। पुलिस ने बताया कि पिछले करीब एक साल के दौरान दक्षायिनी की बेटी और दामाद भी उनके घर नहीं आए थे। इसी वजह से लंबे समय तक उनके अकेले रहने की स्थिति बनी रही। पुलिस ने शव के अवशेषों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मौत की सही वजह जानने के लिए फोरेंसिक जांच और अन्य साक्ष्यों की मदद ली जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि महिला की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी।

सांसद पप्पू यादव पर हमला करने वाले बीजेपी नेताओं का जोरदार स्वागत

-सपा प्रमुख अखिलेश बोले- बीजेपी में जारी है दोषियों के स्वागत की परंपरा

बुलंदशहर (एजेंसी)। बिहार के बाहुबली सांसद पप्पू यादव पर हमला करने वाले आरोपियों का यूपी के बुलंदशहर में जोरदार स्वागत किया गया। शुक्रवार को जमानत पर रिहा होकर बाहर आए बीजेपी नेताओं ने दोनों पर फूल बरसाए। दोनों ने खुली जीप में रोड शो किया। वहीं सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने दोनों आरोपियों के स्वागत पर सवाल उठाए और बीजेपी सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि बीजेपी में अपराधियों की बलिहारी होती है, दोषियों के स्वागत की परंपरा जारी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुमित गिरी, हैप्पी शर्मा का ढोल-नगाड़ों के बीच बीजेपी जिलाध्यक्ष और पार्टी कार्यकर्ताओं ने मालाएं पहनाकर स्वागत किया। बारिश में भीगते हुए डांस भी किया। परिवार वालों ने दोनों को गले लगा लिया। सुमित बीजेपी का नगर मंत्री है। वहीं, हैप्पी मंडल महामंत्री है। बता दें सांसद पप्पू यादव ने 31 जुलाई को संसद में साधु के वेश में चंदा चोरी का नाटक किया था। इसके बाद लखनऊ समेत कई शहरों में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए थे। एक हिंदूवादी ने उनका सिर कलम करने वाले को 51 लाख रुपए का इनाम देने का ऐलान किया था। इस बीच, 2 अगस्त को बुलंदशहर के रहने वाले सुमित ने अपने साथी हैप्पी के साथ मिलकर पप्पू यादव पर हमला कर दिया था। उस दौरान पप्पू यादव ने सुमित को दबोच लिया था, जबकि उनके समर्थकों ने हैप्पी की जमकर पिटाई की थी। फिर दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया था।

दिल्ली के बीचों-बीच होने वाले प्रदर्शनों से पूरे शहर को बंधक क्यों बनाया जाना चाहिए : कोर्ट

सीजेपी बोली- हमसे जंतर-मंतर नहीं छीने, पुलिस वैकल्पिक स्थान की अनुमित दे सकती है

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन और आंदोलन करने पर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि दिल्ली के बीचों-बीच होने वाले प्रदर्शनों के कारण पूरे शहर को बंधक क्यों बनाया जाना चाहिए। दरअसल कोर्ट 'ऑल इंडिया दलित क्रिश्चियन राइट्स प्रोटेक्शन कमेटी' की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ता ने प्रदर्शन की अनुमति मांगी थी। हाईकोर्ट की इस टिप्पणी के कुछ घंटों बाद कॉकरोच जनता पार्टी ने भी रिएक्शन दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीजेपी ने कहा कि हमसे जंतर-मंतर नहीं छीना जाना चाहिए। याचिका में दिल्ली पुलिस को 10 अगस्त को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति देने का निर्देश देने की मांग की गई थी। संगठन ने यह भी कहा कि यदि जंतर-मंतर नहीं तो दिल्ली पुलिस किसी वैकल्पिक स्थान की अनुमति भी दे सकती है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को शनिवार तक अनुमति पर फैसला लेने को कहा। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस नजदीक है और संबंधित इलाके में निषेधाज्ञा लागू है, इसलिए अनुमति नहीं दी जा रही। इसी बीच हाईकोर्ट की टिप्पणियों पर सीजेपी ने रिएक्शन दिया। पार्टी प्रवक्ता सौरव दास ने एक्स पर लिखा कि इंडिया गेट पहले ही धरना-प्रदर्शनों के लिए बंद किया जा चुका है और अब जंतर-मंतर नहीं छीना जाना चाहिए।

15 अगस्त पर खालिस्तानी ग्रुप पंजाब के कई हिस्सों में हमले की बना रहे योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 अगस्त से पहले पंजाब को हाई अलर्ट पर रखा है। एजेंसियों का कहना है कि खालिस्तान समर्थक तत्व उस दिन हमला करने की फिराक में होंगे। खुफिया ब्यूरो के एक अधिकारी ने बताया कि खालिस्तानी ग्रुप पंजाब के कई हिस्सों में हमले की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से इसकी तैयारी कर रहे थे। खालिस्तान समर्थक आतंकी ग्रुप सांकेतिक हमला करना चाहता है इसलिए उन्होंने 15 अगस्त का दिन चुना है क्योंकि वह भारत के राष्ट्रीय पर्व पर दुनिया का ध्यान आकर्षित कराना चाहेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह चेतावनी पंजाब में खालिस्तान मूवमेंट को फिर से शुरू करने के लिए आईएसआई की बड़ी कोशिशों के बीच आई है। भारत और कनाडा द्वारा गैंगस्टर-आतंकवादी नेटवर्क पर ताबड़तोड़ कार्रवाई के कारण, ये ग्रुप बैकफुट पर आ गए हैं। बेचैनी बढ़ रही है, यही कारण है कि वे पंजाब में कुछ गलत करने की सोच रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि बैन किए गए संगठन, सिख्स फॉर जस्टिस (एसएफजे) की गतिविधियों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। बैन किए गए संगठन का चीफ, गुरपतवंत सिंह, आजकल सोशल मीडिया पर सक्रिय है।

अमित शाह एफसीआरए और विपक्ष हंगामें की तैयारी में जुटा

लोकसभा में 3 दिन बेहद अहम!

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मॉनसून सत्र के आखिरी हफ्ते में एफसीआरए संशोधन विधेयक को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ने के आसार हैं। कांग्रेस ने शुक्रवार को तीन लाइन का व्हिप जारी कर अपने सभी लोकसभा सांसदों को 10, 11 और 12 अगस्त को सदन में अनिवार्य रूप से मौजूद रहने का निर्देश दिया है। विपक्षी गठबंधन के अन्य दल भी अपने सांसदों की उपस्थिति सुनिश्चित करने की तैयारी में हैं। माना जा रहा है कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह एफसीआरए बिल पेश करने की तैयारी कर रहे है तो विपक्ष हंगामे के लिए कमर कस रहा है।

एफसीआरए संशोधन विधेयक 10 या 12 अगस्त को लोकसभा में पेश किए जाने की संभावना है। गृह मंत्रालय से जुड़े इस विधेयक पर विपक्ष की नजर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी पर भी है। विपक्ष मॉनसून सत्र की शुरुआत से ही 20 जुलाई को संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर हुई पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर गृह मंत्री से सदन में बयान देने की मांग कर रहा है। इस मुद्दे पर सदन में कई बार गतिरोध हो चुका है। कांग्रेस ने अपने सहयोगी दलों से भी अगले सप्ताह सदन में पूरी ताकत के साथ मौजूद रहने को कहा है। पार्टी का आरोप है कि सरकार एफसीआरए विधेयक के जरिए छात्रों के विरोध जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर सकती है। समाजवादी पार्टी ने विपक्ष के सामूहिक एजेंडे का समर्थन करने की बात कही है। पार्टी ने संकेत दिया है कि जरूरत पड़ने पर वह भी व्हिप जारी कर सकती है। तृणमूल कांग्रेस ने भी अपने सांसदों को सोमवार से सदन में मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। एफसीआरए विधेयक को लेकर सबसे बड़ी चिंता इसके उस प्रस्तावित प्रावधान को लेकर है, जिसके तहत विदेशी अंशदान का पंजीकरण समाप्त होने वाले संगठनों की संपत्तियों पर सरकार द्वारा नामित प्राधिकरण को अधिकार मिल सकता है। खासकर ईसाई संगठनों ने इस प्रावधान पर आपत्ति जताई है। हालांकि, सरकार की ओर से संकेत दिया गया है कि विधेयक में कोई दंडात्मक पूर्वव्यापी प्रावधान नहीं होगा। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने भी गृह मंत्री से मुलाकात कर विधेयक को लेकर चिंता जताई थी। उनके मुताबिक, उन्हें आश्वासन दिया गया है कि विधेयक में पूर्वव्यापी प्रावधान शामिल नहीं होगा। इस बीच, संसद का मॉनसून सत्र 13 अगस्त को समाप्त होना है। फिलहाल इसकी अवधि बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है। राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने भी संसदीय कार्य मंत्री से विपक्ष की भावनाओं से गृह मंत्री को अवगत कराने और सदन में उनकी मौजूदगी के अनुरोध पर विचार करने को कहा है।

आप ने ई-20 फ्यूल के खिलाफ देशभर में शुरु कीं टाउन हॉल बैठकें

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने ई-20 फ्यूल के खिलाफ देशव्यापी अभियान शुरू करने का ऐलान किया है। पार्टी शनिवार 8 अगस्त से अलग-अलग राज्यों में टाउन हॉल बैठकों का आयोजन कर रही है। पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस अभियान की जानकारी दी है। संजय सिंह ने बताया है, कि पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने उन्हें और दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज को विभिन्न राज्यों में टाउन हॉल आयोजित करने की जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि अभियान की शुरुआत पश्चिम बंगाल से हो रही है। इसके बाद 9 अगस्त को गुजरात और हरियाणा में टाउन हॉल बैठकें आयोजित की जाएंगी। 11 अगस्त को तेलंगाना, 14 अगस्त को महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश तथा 15 अगस्त को केरल में कार्यक्रम प्रस्तावित है। 16 अगस्त को तमिलनाडु, बिहार और ओडिशा में बैठकें होंगी। अभियान का अगला चरण 17 अगस्त को हिमाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ में आयोजित किया जाएगा। आप ई-20 ईंधन को लेकर लोगों के बीच चर्चा और जागरूकता बढ़ाने के साथ सरकार की ईंधन नीति पर सवाल उठा रही है। पार्टी का कहना है कि ई-20 को लेकर वाहन मालिकों की चिंताओं और इसके संभावित प्रभावों पर देशभर में चर्चा की जरूरत है। ई-20 पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथेनॉल मिलाया जाता है। सरकार इसे घरेलू जैव ईंधन को बढ़ावा देने और पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम करने की नीति का हिस्सा बताती है। वहीं विपक्षी दल इसके प्रभावों को लेकर सवाल उठा रहे हैं।

बिहार में शराबबंदी के बाद भी नहीं थमे महिलाओं के खिलाफ अपराध

-एनसीएईआर की रिपोर्ट में कहा- शराब बिक्री पर लगी पाबंदी खत्म कर देनी चाहिए

पटना (एजेंसी)। बिहार में शराबबंदी के बावजूद महिलाओं के खिलाफ अपराधों में कमी नहीं आई है। राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) एक शोध पत्र में दावा किया गया है। इस पत्र के मुताबिक 2016 में राज्य में लागू हुई शराबबंदी से महिलाओं के खिलाफ हिंसा नहीं थमी है बल्कि राज्य को आबकारी राजस्व का भारी नुकसान हुआ है इसलिए शराब की बिक्री और इसके सेवन पर लगी पाबंदी खत्म कर देनी चाहिए। शराबबंदी खत्म करने की यह सिफारिश 'बिहार के विकास का व्यापक परिप्रेक्ष्य: उपलब्धियां, अधूरे कार्य और आगे की राह' शीर्षक वाली रिपोर्ट का हिस्सा है। यह रिपोर्ट 2005 के बाद बिहार की विकास यात्रा का आकलन करती है और सुधार के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को रेखांकित करती है।

एनसीएईआर की रिपोर्ट में कहा गया है कि शराबबंदी से पहले शराब पर लगने वाला आबकारी शुल्क राज्य के राजस्व का एक अहम स्रोत था। शराबबंदी से ठीक पहले के तीन सालों में यह कुल राजस्व का 14 फीसदी था। रिपोर्ट में लेखकों ने कहा कि शराबबंदी लागू करने के लिए जरूरी निगरानी और तस्करी-रोधी अभियानों पर होने वाले खर्च में भारी इजाफा हुआ है जिससे राज्य का राजकोषीय घाटा और बढ़ गया। एनसीएईआर के कार्यक्रम में कहा गया कि बिहार में शराबबंदी पूरी तरह खत्म कर देनी चाहिए। इससे समाज को कोई खास फायदा नहीं हुआ है। शराब की बिक्री से प्राप्त होने वाला राजस्व कुल राजस्व का 14 से 15 फीसदी था। यह एक बहुत बड़ा नुकसान है।

एनसीआरबी के वर्ष 2012 से 2024 तक के आंकड़ों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि बिहार में महिलाओं के खिलाफ दर्ज अपराधों में वृद्धि हुई है। हालांकि, लेखकों का यह भी कहना है कि इस बढ़ोतरी का कुछ हिस्सा अपराधों की संख्या बढ़ने के बजाय ऐसे मामलों की अधिक जानकारियां सामने आने का भी संकेत हो सकता है। हालांकि, लेखकों का तर्क है कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों की बिहार की आधिकारिक दर वर्ष 2022 में प्रति लाख आबादी पर लगभग 15, जबकि राष्ट्रीय औसत लगभग 31 है। असल सुरक्षा के बजाय कम रिपोर्टिंग को दिखाती है। उनके मुताबिक एनएफएचएस-5 डेटा के अनुसार हिंसा का शिकार होने वाली 82 फीसदी महिलाओं ने कभी भी किसी अधिकारी को इसकी सूचना नहीं दी और केवल 2 फीसदी ने पुलिस से संपर्क किया।

अध्ययन के मुताबिक बिहार में बहुआयामी गरीबी वर्ष 2015-16 में 51.9 फीसदी से घट कर 2019-21 में 33.8 फीसदी रह गई जिससे अनुमानित 2.25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकल आए। इसके बावजूद बिहार में प्रत्येक तीन में एक व्यक्ति कई तरह से सुविधाओं से वंचित है जो भारतीय राज्यों में सबसे ज्यादा अनुपात है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में भारत के पूर्व कार्यकारी निदेशक सुरजीत भल्ला ने कहा कि हालांकि यह राजनीतिक रूप से सही है मगर ज्यादातर अर्थशास्त्री बहु-आयामी गरीबी सूचकांक को एक उपयोगी विश्लेषणात्मक जरिया नहीं मानते हैं।

'शेख हसीना की प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारत की कोई भूमिका नहीं'

-बांग्लादेश की आपत्ति पर नई दिल्ली का दो टूक जवाब

-विदेश मंत्रालय ने कहा- भारत किसी भी मंच पर दिए गए बयानों का समर्थन नहीं करता

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत में आयोजित वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर बांग्लादेश की आपत्ति के बाद भारत ने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। विदेश मंत्रालय ने साफ कहा है कि इस प्रेस कॉन्फ्रेंस के आयोजन में भारत सरकार की कोई भूमिका नहीं थी। साथ ही, प्रेस कॉन्फ्रेंस में शेख हसीना की ओर से बांग्लादेश की मौजूदा सरकार को लेकर की गई टिप्पणियों से भारत ने खुद को अलग कर लिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को मीडिया ब्रीफिंग के दौरान कहा कि भारत किसी भी ऐसे मंच पर व्यक्त किए गए विचारों का समर्थन नहीं करता। उन्होंने विशेष रूप से उन टिप्पणियों से दूरी बनाई, जो बांग्लादेश की मौजूदा सरकार के संबंध में की गई थीं। जायसवाल ने कहा कि भारत बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने और द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। दरअसल, शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस भारत में आयोजित होने के बाद बांग्लादेश ने इस पर आपत्ति जताई थी। ढाका की ओर से इस घटनाक्रम को लेकर चिंता व्यक्त किए जाने के बाद नई दिल्ली ने यह स्पष्ट किया कि कार्यक्रम से भारत सरकार का कोई संबंध नहीं था। भारत के इस रुख को दोनों देशों के बीच संवेदनशील संबंधों के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय के बयान से यह संदेश देने की कोशिश की गई है कि भारत बांग्लादेश के आंतरिक राजनीतिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करता और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने को प्राथमिकता देता है।

जेन-जी आंदोलन और उपचुनाव में हार से बीजेपी को लगा बड़ा झटका

-जेन-जी की बात और आरएसएस प्रमुख की टिप्पणी पर थरूर ने दी प्रतिक्रिया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में जेन-जी और जेन-अलफा के साथ बातचीत और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणियों पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि मुझे लगता है कि सत्ताधारी पार्टी को निश्चित रूप से बड़ा झटका लगा है। हमने न केवल कॉकरोच जनता पार्टी का विरोध प्रदर्शन, एक मंत्री का इस्तीफा और इन सबके कारण जल्दबाजी में पास किया गया बिल देखा है, बल्कि अब हम दो उपचुनाव भी देख रहे हैं।

शशि थरूर ने कहा कि प्रशांत किशोर ने बीजेपी की सबसे सुरक्षित सीट पर कब्जा कर लिया है, एक ऐसी सीट जिसे बीजेपी तीन दशकों से ज्यादा समय से जीत रही थी, नौ बार उन्होंने वह सीट जीती थी, लेकिन अब वे उस सीट पर हार गए हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में दतिया सीट पर अपनी जीत बरकरार रखी है। ये दोनों ही हिंदी भाषी राज्य हैं। मेरा मानना है कि अच्छी संभावना है। सौभाग्य से हमारे सिस्टम में अलग-अलग समय पर ये चुनाव होते रहते हैं। अगले मार्च में कुछ राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, जहां कांग्रेस उन राज्यों को जीतने में पूरी तरह सक्षम हो सकती है।

बता दें मुंबई में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जेन-जी से संवाद किया था, संवाद में संघ प्रमुख का कहना था कि जेन-जी और जेन-अल्फा, पुरानी पीढ़ी से भी ज्यादा देशभक्त और ईमानदार है। हमें उनकी बात सुननी चाहिए। उनसे बातचीत में कमी थी, इसीलिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन हुआ। भागवत ने दिल्ली में 20 जुलाई को छात्रों के प्रदर्शन के कुछ दिन बाद कहा था कि आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। थरूर ने स्वीकार किया कि कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की तरफ से हाल ही में हुए छात्र प्रदर्शनों में उठाए गए मुद्दे कांग्रेस के छात्र आउटरीच कार्यक्रम छात्रों की गूंज का ही हिस्सा थे।

उन्होंने बेबाकी से माना कि कांग्रेस का अभियान युवाओं और जेन-जी के बीच वैसी गूंज या प्रतिक्रिया हासिल करने में नाकाम रहा, जैसी सीजेपी के प्रदर्शन को मिली। मुंबई में एक संवाद कार्यक्रम में थरूर ने पार्टी के लिए आत्ममंथन की जरूरत पर जोर दिया। क्या हम जेन-जी की नब्ज पकड़ने में चूक गए? जंतर-मंतर पर हुए सीजेपी के प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए थरूर ने कहा कि सीजेपी ने जंतर-मंतर पर जिन मुद्दों को उठाया, उन्हें हम बहुत पहले ही उठा चुके थे। हमारा छात्रों की गूंज कार्यक्रम चल रहा था, जिसके तहत राहुल गांधी खुद पेपर लीक के मुद्दों पर छात्रों को संबोधित कर रहे थे, लेकिन हमें खुद से यह सवाल पूछना होगा कि हमसे कहां चूक हुई? क्या हम छात्रों को ठीक से सुन नहीं पाए? क्या जेन-जी की नब्ज पर हमारी पकड़ ढीली रह गई थी?

कांवड़ियों की सेवा में आगे आया न्यू हरिद्वार चंद्राचार्य चौक व्यापार मंडल, शीतल जल और फल वितरित

हरिद्वार (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों की सेवा के लिए न्यू हरिद्वार चंद्राचार्य चौक व्यापार मंडल की ओर से कांवड़ सेवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में व्यापार मंडल से जुड़े व्यापारियों ने बड़ी संख्या में पहुंचने वाले कांवड़ियों को शीतल जल और फल वितरित किए। व्यापारियों ने स्वयं श्रद्धालुओं को फल एवं जल उपलब्ध कराकर उनकी सेवा की। इस दौरान पूरा क्षेत्र बोल बम और हर हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा।

सेवा शिविर में दिनभर बड़ी संख्या में कांवड़ियों ने पहुंचकर शीतल जल और फल का प्रसाद ग्रहण किया। लंबी दूरी की पैदल यात्रा कर रहे शिवभक्तों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से लगाए गए इस शिविर में व्यापार मंडल के सदस्यों ने पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ सेवा कार्य किया। व्यापारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा में आने वाले शिवभक्तों की सेवा करना सामाजिक जिम्मेदारी के साथ-साथ धार्मिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

न्यू हरिद्वार चंद्राचार्य चौक व्यापार मंडल के अध्यक्ष मृदुल कौशिक ने कहा कि भगवान शिव के प्रति श्रद्धा और समर्पण के भाव से कठिन पैदल यात्रा करने वाले शिवभक्तों की सेवा करना पुण्यदायी कार्य है। कांवड़िये भगवान शिव के दूत के समान हैं और उनकी सेवा करने से मन को शांति एवं संतोष की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा कि व्यापार मंडल की ओर से आगे भी कांवड़ियों की सुविधा और सेवा के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

इस अवसर पर उपाध्यक्ष अनूप सिद्धू, राजेश कश्यप, महामंत्री दीपक अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुनील गुलाटी, सचिन अग्रवाल, तरुण अग्रवाल, प्रेम थापा, हिमांशु सैनी, निखिल अग्रवाल, बबलू कुमार, नंदकिशोर काला, उमेदर सिंह, सतनाम भाटिया, संरक्षक अजय कुमार, जगदीश लाल पहवा, योगेश कुमार सहित व्यापार मंडल के सदस्य मौजूद रहे।

जैसे ही विमान रनवे की तरफ बढ़ा आई जोरदार आवाज, पायलट ने वापस लौटाया

-सभी यात्रियों को सुरक्षित उतारा, 4 घंटे इंतेजार के बाद विमान दिल्ली हुआ रवाना

लुधियाना (एजेंसी)। लुधियाना के हलवारा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दिल्ली जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट उड़ान नहीं भर सकी। विमान रनवे की तरफ बढ़ रहा था, तभी अचानक उसमें से तेज आवाज सुनाई दी। आवाज सुनते ही पायलट ने विमान को आगे ले जाने के बजाय वापस एप्रन पर ले जाकर खड़ा कर दिया। तकनीकी खराबी सामने आने के बाद सभी यात्रियों को विमान से उतारकर सुरक्षित टर्मिनल बिल्डिंग तक पहुंचाया। इसके बाद विमान की जांच की गई और जरूरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद फ्लाइट को करीब 4 घंटे की देरी से दिल्ली रवाना किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना के कारण यात्रियों को एयरपोर्ट पर काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। हालांकि, एयर इंडिया और एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों ने तकनीकी खराबी और विमान में आई तेज आवाज के बारे में कोई जानकारी देने से इनकार कर दिया। यह पहली बार नहीं है, जब हलवारा से जुड़ी एयर इंडिया की उड़ान प्रभावित हुई हो। कुछ दिन पहले भी दिल्ली से हलवारा आ रही फ्लाइट को 10 हजार फीट की ऊंचाई से वापस दिल्ली लौटना पड़ा था। उस दिन भी खराब मौसम के कारण विमान को लैंडिंग से पहले दो चक्कर लगाने पड़े थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि 7 अगस्त को दोपहर 2:40 बजे दिल्ली के लिए फ्लाइट यात्रियों को लेकर एप्रन से रनवे की ओर बढ़ रहा था। तभी विमान में आगे की ओर से तेज आवाज आई। आवाज आते ही उड़ान रोक दी गई और विमान को वापस एप्रन पर लाया गया। यात्रियों को कर्मचारियों ने बताया कि फ्लाइट में तकनीकी गड़बड़ी आई है। इसके साथ ही दिल्ली में हो रही तेज बारिश और खराब मौसम के कारण भी उड़ान संचालन रोकने की सलाह दी गई थी। इन दोनों कारणों से टेकऑफ टाल दिया गया। विमान में 50 यात्री सवार थे। 4 घंटे की देरी की बात सुनकर 30 यात्रियों ने यात्रा रद्द कर दी और घर लौट गए। वहीं 20 यात्री इंतजार करते रहे और शाम 7 बजे विमान दिल्ली रवाना हुआ।

शांति और लंबित मुद्दों के समाधान की दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं भारत-चीन

-दोनों देशों के बीच हुई सीमा मामलों पर परामर्श एवं समन्वय तंत्र की 36वीं बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद के बावजूद रिश्तों में धीरे-धीरे सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगे हैं। नई दिल्ली में आयोजित भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श एवं समन्वय तंत्र की 36वीं बैठक ने साफ संकेत दिया है कि दोनों देश बातचीत के जरिए सीमा पर शांति बनाए रखने और लंबित मुद्दों के समाधान की दिशा में आगे बढ़ना चाहते हैं।

हालांकि भारत ने एक बार फिर साफ कर दिया कि द्विपक्षीय संबंधों में वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब एलएसी पर पूरी तरह शांति और स्थिरता बनी रहे। यही वजह है कि सीमा प्रबंधन, सैन्य समन्वय, सीमा निर्धारण, ट्रांस-बॉर्डर नदियों और पारंपरिक व्यापार जैसे सभी अहम मुद्दों पर भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ मजबूती से रखा। बता दें नई दिल्ली में आयोजित बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव सुजीत घोष ने किया, जबकि चीनी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व चीन के विदेश मंत्रालय के सीमा एवं समुद्री मामलों की महानिदेशक होउ यानची ने किया।

रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देशों ने एलएसी की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करते हुए इस बात पर सहमति जताई कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता ही द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास की सबसे अहम आधारशिला है। दोनों पक्षों ने यह भी तय किया कि किसी भी गलतफहमी या सैन्य गलत आकलन से बचने के लिए राजनयिक और सैन्य स्तर पर स्थापित सभी संवाद तंत्रों का निरंतर इस्तेमाल किया जाएगा। स्थानीय कमांडर स्तर की बैठकों और डब्ल्यूएमसीसी जैसे मंचों को आगे भी सक्रिय बनाए रखने पर सहमति बनी।

यह बैठक ऐसे समय हुई है जब दोनों देशों के बीच सीमा पर व्यावहारिक सहयोग भी धीरे-धीरे बहाल हो रहा है। छह सालों के अंतराल के बाद उत्तराखंड के लिपुलेख और हिमाचल प्रदेश के शिपकी ला दर्रे से पारंपरिक सीमा व्यापार दोबारा शुरू होना इसी दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। चीन ने शुरुआती चरण में सीमित संख्या में व्यापारियों को अनुमति दी है, लेकिन यह पहल दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली की प्रक्रिया का प्रतीक मानी जा रही है। इससे पहले दोनों देश नाथू ला समेत तीन अधिकृत व्यापारिक मार्गों को चरणबद्ध तरीके से खोलने पर भी सहमत हो चुके हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक विदेश सचिव विक्रम मिसरी की हालिया चीन यात्रा ने भी इस कूटनीतिक प्रक्रिया को नई गति दी। बीजिंग में उन्होंने चीन के वरिष्ठ नेताओं के साथ व्यापक वार्ता कर पीएम मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग की उस साझा सोच को आगे बढ़ाने पर चर्चा की, जिसके मुताबिक भारत और चीन प्रतिस्पर्धी होने के साथ-साथ विकास के अवसरों में साझेदार भी बन सकते हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले साल पीएम मोदी भी एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन गए थे, जहां दोनों देशों के बीच उच्चस्तरीय संवाद को आगे बढ़ाने की दिशा में अहम चर्चा हुई थी।

सामरिक दृष्टि से देखें तो भारत की नीति अब पहले से कहीं ज्यादा संतुलित और परिपक्व दिखाई देती है। एक ओर भारत सीमा पर सैन्य तैयारियों, आधारभूत ढांचे और निगरानी क्षमता को लगातार मजबूत कर रहा है, वहीं दूसरी ओर वह संवाद के सभी वैध माध्यम खुले रखकर यह संदेश भी दे रहा है कि शांति उसकी प्राथमिकता है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा। यही संतुलित रणनीति भारत को वैश्विक मंच पर एक जिम्मेदार और आत्मविश्वासी शक्ति के रूप में स्थापित करती है।

मेरठ में मुख्यमंत्री योगी ने कांवड़ियों पर बरसाए फूल, हवाई सर्वेक्षण कर परखी यात्रा मार्ग की व्यवस्था

मेरठ (शिखर समाचार)। सावन के पावन महीने में चल रही कांवड़ यात्रा के दौरान शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ पहुंचकर शिवभक्त कांवड़ियों का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने हेलीकॉप्टर से कांवड़ यात्रा मार्ग का हवाई सर्वेक्षण भी किया और मार्ग पर उमड़े शिवभक्तों का उत्साह बढ़ाया। मुख्यमंत्री के कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा करने से श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखाई दिया और पूरा कांवड़ मार्ग हर-हर महादेव तथा बम-बम भोले के जयघोष से गूंज उठा। मुख्यमंत्री ने हवाई सर्वेक्षण के दौरान कांवड़ यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की

भारी भीड़, यातायात व्यवस्था और सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा के दौरान कांवड़ियों ने हाथ उठाकर मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। यात्रा मार्ग पर मौजूद श्रद्धालुओं में मुख्यमंत्री के स्वागत को लेकर उत्साह नजर आया। मुख्यमंत्री के मेरठ आगमन को लेकर पुलिस-प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। कार्यक्रम से पहले

पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने जनपदीय पुलिस अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था परखी थी। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश देने के साथ ही मोदीपुरम मेट्रो स्टेशन के आसपास कांवड़ मार्ग पर पैदल गश्त भी की थी। मुख्यमंत्री के अचानक कार्यक्रम के चलते पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने अल्प समय में सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप दिया। डीआईजी ने पुलिसकर्मियों द्वारा की गई तैयारियों और परिश्रम की सराहना करते हुए उन्हें पूरी कर्तव्यपरायणता और सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री का कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा करना पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा के प्रति सरकार की प्राथमिकता और श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को लेकर प्रशासन की सक्रियता का संदेश भी माना जा रहा है। मुख्यमंत्री के हवाई सर्वेक्षण और पुष्प वर्षा के दौरान कांवड़ मार्ग पर शिवभक्ति का उत्साह देखते ही बना।

रजत जयंती सेवा वर्ष में लायंस क्लब ने शुरू किया क्राउन शिव कांवड़ सेवा शिविर

शामली (शिखर समाचार)। समाज सेवा के 24 गौरवशाली वर्ष पूर्ण कर 25वें सेवा वर्ष में प्रवेश कर रहे लायंस क्लब शामली क्राउन ने भगवान शिव के आशीर्वाद और मानव सेवा के संकल्प के साथ रजत जयंती सेवा वर्ष का शुभारंभ किया। इस अवसर पर क्राउन शिव कांवड़ सेवा शिविर का विधिवत उद्घाटन सदर विधायक प्रसन्न चौधरी एवं नगर पालिका परिषद शामली के चेयरमैन अरविंद संगल ने संयुक्त रूप से रिबन काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। शिविर में कांवड़ यात्रियों के लिए शीतल जल, रात आठ बजे से गर्म दूध, जलेबी व घेवर, जलपान-अल्पाहार तथा निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा सहित आवश्यक सेवाओं की व्यवस्था की गई है। शिविर 6 अगस्त से 9 अगस्त 2026 तक चलेगा। क्लब अध्यक्ष लायन अंकुर गोयल ने कहा कि 25वां सेवा वर्ष क्लब के लिए नई ऊर्जा और समाज के प्रति और अधिक समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने

सभी सदस्यों से सेवा कार्यों में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया और सहयोग देने वाले दानदाताओं एवं सदस्यों का आभार जताया। शिविर संयोजक लायन अंकित जैन ने कहा कि भगवान शिव की कृपा से यह सेवा शिविर मानवता की सच्ची सेवा का उदाहरण बनेगा। कार्यक्रम के अंत में सदस्यों ने हर-हर महादेव के जयघोष के साथ 25वें सेवा वर्ष को जनकल्याण एवं मानव सेवा के लिए समर्पित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर क्लब सचिव विजय संगल, कोषाध्यक्ष रुपेश गर्ग, प्रवक्ता विकास गोयल सहित क्लब के अधिकांश सदस्य मौजूद रहे।

भोली-भाली महिलाओं को जाल में फंसाकर जेवर ठगने वाले पति पत्नी गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना साहिबाबाद पुलिस ने बाजारों में भोली-भाली महिलाओं को निशाना बनाकर टप्पेबाजी और ठगी करने वाले दंपती को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से ठगी के 4025 रुपये नकद के अलावा वारदात में इस्तेमाल होने वाला सामान बरामद किया है। यह दोनों बाजारों में महिलाओं को चिन्हित कर पहले अपने जाल में फंसाते थे और फिर नकली नोटों की गड्डी दिखाकर उनके जेवर उतरवा लेते थे। दोनों के खिलाफ दिल्ली और साहिबाबाद में टप्पेबाजी व ठगी के दो मुकदमे दर्ज हैं। राजेंद्र नगर निवासी पंकज कुमार ने बीती 29 जुलाई को साहिबाबाद थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी माताजी 29 जुलाई को शाम करीब चार से छह बजे के बीच गरुड़ देवी बाजार में खरीदारी करने गई थीं। खरीदारी के बाद रास्ते में एक महिला और युवक ने उन्हें बहला-फुसलाकर अपने पास बुलाया। दोनों ने एक थैली दिखाकर उसमें काफी रुपये होने का झांसा दिया और 500 रुपये का नोट दिखाकर विश्वास में लिया। इसके बाद उन्होंने पहने हुए आभूषण रूमाल में रखवा लिए और मौका मिलते ही उनके सोने के कुंडल तथा गले का मंगलसूत्र लेकर फरार हो गए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की और कई पुलिस टीमों को लगाया गया। पुलिस को सूचना मिली कि वारदात में शामिल आरोपी प्रवीण उर्फ भाऊ और उसकी पत्नी तुलसी नागद्वार से राजीव कॉलोनी की ओर जाने वाले रास्ते पर मौजूद हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए साहिबाबाद पुलिस टीम ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से ठगी से प्राप्त 4025 रुपये नकद और वारदात में इस्तेमाल सामान बरामद हुआ। पुलिस पूछताछ में उन्होंने बताया कि वह बाजारों में ऐसी महिलाओं को तलाशते थे, जो आसानी से उनके झांसे में आ सकें। प्रवीण पहले

महिला के पास जाकर बातचीत शुरू करता था। इसी दौरान उसकी पत्नी तुलसी वहां पहुंचकर एटीएम आदि के संबंध में बातचीत शुरू कर देती थी। इसके बाद दोनों नकली नोटों से बनी गड्डी दिखाकर महिला को रुपये होने का लालच देते और विश्वास में लेकर उसके आभूषण अपने पास रखवा लेते थे। मौका मिलते ही जेवर लेकर फरार हो जाते थे। उन्होंने 29 जुलाई को श्याम पार्क के पास भी इसी तरीके से एक महिला से ठगी करने की बात कबूल की। उस घटना में मिले सोने के कुंडल और मंगलसूत्र को बेगमपुर दिल्ली स्थित एक सुनार की दुकान पर बेचकर दोनों ने 11 हजार रुपये हासिल किए थे। इनमें से अधिकांश रकम शौक और नशे में खर्च कर दी, जबकि 4025 रुपये उनके पास बचे थे। पुलिस ने इनके पास से 4025 रुपये नकद, सात सफेद रील, सात काले रंग के कपड़े के टुकड़े, एक सुई और कपड़े से सिली हुई पैसेनुमा गत्ते की गड्डी बरामद की है, जिसके ऊपर 500 रुपये का नोट लगा हुआ था। सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि प्रवीण उर्फ भाऊ और उसकी पत्नी तुलसी के खिलाफ दिल्ली में टप्पेबाजी व ठगी का एक और साहिबाबाद थाने में एक मुकदमा दर्ज है। पुलिस इनके अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटा रही है।

शिवभक्तों के जयकारों से गूंजा नगीना, रामलीला बाग में उत्सव जैसा माहौल

नगीना / बिजनौर (शिखर समाचार)। सावन की कांवड़ यात्रा के आगामी दूसरे सोमवार को लेकर शिवभक्त कांवड़ियों का उत्साह चरम पर है। नगीना मार्ग से भारी संख्या में कांवड़ियों के जत्थों का रैला निकलना शुरू हो गया है। कांवड़ियों के बम-बम भोले और हर-हर महादेव के गगनभेदी उद्घोषों से पूरा वातावरण शिवमय हो गया है।

विशेषकर रामलीला बाग में दिन-रात उत्सव जैसा माहौल दिखाई दे रहे है। विभिन्न जनपदों को जा रहे शिवभक्त नगीना मार्ग से होकर जाने वाले कांवड़िये अपने गंतव्य मुरादाबाद, रामपुर, जसपुर, काशीपुर, रुद्रपुर, हल्द्वानी, बरेली, सीतापुर, शाहजहांपुर और गोला गोकर्णनाथ सहित कई अन्य स्थानों के लिए इसी रास्ते से आगे बढ़ते हैं। इनमें से अधिकांश शिवभक्तों का ठहराव नगीना-धामपुर रोड स्थित रामलीला बाग के प्राचीन सिद्धपीठ मां दुर्गा व काली मंदिर के विशाल परिसर में हो रहा है। यहाँ कांवड़िये दिन और रात में विश्राम कर अपनी आगे की यात्रा तय करते हैं। पुलिस प्रशासन और समाजसेवियों द्वारा जगह-जगह लगाए गए सेवा शिविरों से प्रेरित होकर नगर के अन्य समाजसेवियों में भी शिवभक्तों की सेवा का जज्बा जागा है। पूर्व से सेवा में जुटे समाजसेवी सतीश मल्होत्रा उर्फ शेरू और अभिषेक अग्रवाल के प्रयासों से प्रेरणा लेकर इस वर्ष नए समाजसेवियों ने भी मोर्चा संभाला है। इससे पूरे माह भंडारा चलाने वाली कमेटियों को भी बड़ी राहत मिली है।कांवड़ियों की सुविधा के लिए समाजसेवी संजीव मल्होत्रा, राजू सैनी, राजकुमार उर्फ जौनी (सभासद वार्ड 06), गंभीर सिंह और प्रमोद राजपूत ने संयुक्त रूप से दोपहर के भोजन और रात्रि जलपान के भंडारे की कमान संभाली है। वहीं दूसरी ओर, सम्मीपाल, महेंद्र सैनी, संग्राम सिंह सैनी और आशा राम सैनी ने मिलकर शाम के भंडारे को चार दिनों तक चलाने का संकल्प लिया है। इन सभी नए शिविरों की शुरूआत शुक्रवार से हो चुकी है। कांवड़ियों के बढ़ते सैलाब को देखते हुए आने वाले दिनों में नगर के कई अन्य समाजसेवियों द्वारा भी सेवा शिविर लगाने की संभावना जताई जा रही है।

शिव चौक मंदिर में पहली बार बाबा केदारनाथ मंदिर का भव्य स्वरूप तैयार

शामली (शिखर समाचार)। धर्मनगरी शामली स्थित प्रसिद्ध बाबा भोलेनाथ मंदिर शिव चौक पर इस बार सावन माह में श्रद्धालुओं को बाबा केदारनाथ धाम के दर्शन का अद्भुत अनुभव हो रहा है। शिव चौक मंदिर परिसर में पहली बार बाबा केदारनाथ मंदिर का भव्य स्वरूप तैयार किया गया है, जो श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। बाबा केदारनाथ मंदिर के

इस भव्य स्वरूप को लक्ष्मी इवेंट एंड डेकोर के संस्थापक मोहित बंसल के नेतृत्व में तैयार किया गया है। मोहित बंसल ने बताया कि प्रत्येक वर्ष सावन माह में शिव चौक स्थित बाबा भोलेनाथ मंदिर को फूलों, फलों और आकर्षक सजावट से सजाया जाता था। इस बार संस्था के अध्यक्ष सुनील निर्वाल एवं सचिव दिनेश जैन ने मंदिर की सजावट को कुछ अलग और विशेष स्वरूप देने का विचार रखा। इसके बाद बाबा केदारनाथ मंदिर का स्वरूप तैयार करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि बाबा केदारनाथ मंदिर की आकृति तैयार करने के लिए लक्ष्मी इवेंट एंड डेकोर की टीम ने दिन-रात मेहनत की। मंदिर के स्वरूप को तैयार करने में कई चुनौतियां सामने आईं, लेकिन बाबा केदारनाथ के प्रति आस्था और श्रद्धा के चलते सभी बाधाएं दूर होती चली गईं और शिव चौक पर बाबा केदारनाथ धाम का भव्य स्वरूप साकार हो गया। मंदिर की सजावट के साथ-साथ प्रकाश व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। रेलवे फाटक से लेकर अग्रसेन चौक तक सड़क के दोनों ओर तिरंगा लाइट और सड़क के बीच में आकर्षक झालरों से भव्य सजावट की गई है। यह आकर्षक प्रकाश व्यवस्था श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। शिव चौक के केदारनाथ मंदिर के भव्य रूप को देखने के लिए रातभर श्रद्धालुओं की भीड लगी रहती है। शिव चौक से कांवडियों पर लगातार पुष्प वर्षा की जा रही है।

कांवड़ मार्ग पर गूंजा हर-हर महादेव, एसीपी सिद्धार्थ गौतम के नेतृत्व में पुष्पवर्षा कर कांवड़ियों का हुआ भव्य स्वागत

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सावन की कांवड़ यात्रा के दौरान शनिवार को कांवड़ मार्ग पर श्रद्धा, सेवा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। सहायक पुलिस आयुक्त कविनगर सिद्धार्थ गौतम के नेतृत्व में थाना मधुबन बापूधाम पुलिस टीम तथा क्षेत्र के सम्मानित लोगों ने कांवड़ मार्ग से गुजर रहे कांवड़ियों और श्रद्धालुओं का पुष्पों के साथ स्वागत किया। पुलिस अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने कांवड़ियों पर फूल बरसाकर उनका उत्साह बढ़ाया और यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। कांवड़ यात्रा को लेकर गाजियाबाद पुलिस की ओर से सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के साथ-साथ श्रद्धालुओं के प्रति सहयोग एवं सेवा भाव को भी प्राथमिकता दी जा रही है। शनिवार को मधुबन बापूधाम थाना क्षेत्र में कांवड़ मार्ग पर पुलिस बल और स्थानीय लोगों ने कांवड़ियों का स्वागत किया। जैसे ही कांवड़ियों के जत्थे मार्ग से गुजरे, वहां मौजूद लोगों ने पुष्पवर्षा कर

उनका अभिनंदन किया। इस दौरान हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। सहायक पुलिस आयुक्त कविनगर सिद्धार्थ गौतम ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ कांवड़ मार्ग का जायजा लेते हुए श्रद्धालुओं से भी संवाद किया। पुलिस की ओर से कांवड़ियों को यात्रा के दौरान आवश्यक सावधानियां बरतने और निर्धारित मार्ग का ही इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस बल लगातार कांवड़ मार्ग पर मौजूद रहकर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम आवागमन सुनिश्चित करने में जुटा रहा। इस अवसर पर क्षेत्र के सम्मानित नागरिकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पुलिस और स्थानीय लोगों के संयुक्त प्रयास से कांवड़ियों के बीच सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विश्वास का माहौल देखने को मिला। कांवड़ियों ने भी पुलिस और स्थानीय लोगों द्वारा किए गए स्वागत की सराहना की। श्रद्धालुओं का कहना था कि मार्ग में इस तरह के स्वागत से यात्रा के दौरान उनका उत्साह और बढ़ जाता है। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर पुलिस प्रशासन द्वारा प्रमुख मार्गों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। पुलिसकर्मियों को यातायात व्यवस्था बनाए रखने, कांवड़ियों की भीड़ को व्यवस्थित करने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई के लिए तैनात किया गया है। संवेदनशील स्थानों पर भी पुलिस की मौजूदगी बढ़ाई गई है। कांवड़ यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में शिवभक्त हरिद्वार सहित विभिन्न तीर्थस्थलों से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर लौटते हैं। गाजियाबाद से होकर गुजरने वाले कांवड़ियों की संख्या को देखते हुए प्रशासन और पुलिस द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। पुष्पवर्षा के साथ हुए स्वागत ने इन व्यवस्थाओं में सेवा और सद्भाव का रंग भी जोड़ दिया। पुलिस और स्थानीय लोगों के इस संयुक्त प्रयास से कांवड़ मार्ग पर श्रद्धा के साथ सुरक्षा, सहयोग और सौहार्द का संदेश भी देखने को मिला।

कांवड़ियों पर फूल बरसाते हुए मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने किया उनका भव्य स्वागत

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। सावन की कांवड़ यात्रा अपने चरम पर पहुंच गई है। हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर लौट रहे हजारों शिवभक्त कांवड़िए इन दिनों गाजियाबाद से होकर गुजर रहे हैं। कांवड़ मार्ग पर आस्था और श्रद्धा का अद्भुत नजारा देखने को मिला। प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा धर्मवीर प्रजापति ने मेरठ रोड तिराहे और मोहन नगर चौराहे पर पहुंचकर कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। इस दौरान शिवभक्तों को शीतल पेय वितरित कर उनकी सेवा भी की गई। कार्यक्रम का आयोजन सिविल डिफेंस गाजियाबाद के तत्वावधान में किया गया। मंत्री के पहुंचने पर कांवड़ मार्ग पर मौजूद शिवभक्तों में उत्साह दिखाई दिया। हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। मंत्री धर्मवीर प्रजापति

ने कांवड़ियों का स्वागत करते हुए उन्हें यात्रा की शुभकामनाएं दीं और उनके सुगम एवं सुरक्षित सफर की कामना की।

मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार कांवड़ियों की सुरक्षा, सुविधा और सम्मान को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कांवड़ यात्रा श्रद्धा और आस्था से जुड़ी यात्रा है और सरकार का प्रयास है कि शिवभक्तों को रास्ते में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि कांवड़ मार्ग पर पुलिस-प्रशासन के साथ विभिन्न विभागों के कर्मचारी और स्वयंसेवी संगठन लगातार व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में जुटे हैं। उन्होंने सिविल डिफेंस के स्वयंसेवकों की भूमिका की विशेष रूप से सराहना की। मंत्री ने कहा कि स्वयंसेवक बिना किसी स्वार्थ के पुलिस और प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं में सहयोग कर रहे हैं। यातायात प्रबंधन से लेकर श्रद्धालुओं की सहायता तक स्वयंसेवक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मौलाना साजिद रशीदी के कांवड़ियों को लेकर कथित बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि कांवड़िए पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा को समझने के लिए केवल बयान देना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने मौलाना साजिद रशीदी को सलाह दी कि वह कांवड़ियों के साथ एक किलोमीटर पैदल चलकर उनकी भावनाओं और आस्था को समझें। कांवड़ यात्रा के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले शिवभक्त गाजियाबाद सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मार्गों से गुजरते हैं। ऐसे में प्रशासन और समाज के सभी वर्गों का दायित्व है कि श्रद्धालुओं को सहयोग और सम्मान दिया जाए।

धीरखेड़ा में 29वें कांवड़ सेवा शिविर का भव्य उद्घाटन, उद्योगपतियों ने की शिवभक्तों की सेवा

हापुड़ (शिखर समाचार)। पवित्र श्रावण मास के अवसर पर इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन और धीरखेड़ा इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को धीरखेड़ा में 29वें कांवड़ सेवा शिविर का भव्य आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन जिला पंचायत अध्यक्ष मेरठ रेखा नागर और हापुड़ विधायक विजयपाल आढ़ती ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। दोनों अतिथियों ने कांवड़ियों के लिए की जा रही सेवा व्यवस्था की सराहना करते हुए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं। शिविर में कांवड़ियों के लिए शुद्ध भोजन, दवाइयां, एंबुलेंस, चिकित्सकों की सुविधा और विश्राम की समुचित व्यवस्था की गई है। आयोजकों के अनुसार शिविर की व्यवस्थाओं में धीरखेड़ा और हापुड़ के उद्योगपतियों का विशेष सहयोग रहा है। इस अवसर पर स्वामी कनक नंद सरस्वती, पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह, पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल, खरखौदा ब्लॉक प्रमुख पुनीत त्यागी, सहायक विकास अधिकारी नितिन जैन सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम का संचालन विजय शंकर शर्मा ने किया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। शिविर में मनोज गुप्ता, धीरज चुग, अतुल गोयल, पवन शर्मा, सौरभ अग्रवाल, प्रमोद गोयल, राजीव गर्ग, संदीप चौधरी, गौरव अग्रवाल, हरीश ग्रोवर और कपिल अरोड़ा सहित धीरखेड़ा एवं हापुड़ के बड़ी संख्या में उद्यमी मौजूद रहे और श्रद्धा के साथ शिवभक्तों की सेवा की।

छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप में प्रधानाचार्य सस्पेंड, जबरन सेवानिवृत्ति का फैसला, दो वर्षों में छात्राओं से छेड़छाड़ के पांच मामले सामने आने का दावा

हापुड़ (शिखर समाचार)। नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ के आरोपों में घिरे बाबूगढ़ क्षेत्र के एक इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य के खिलाफ प्रबंध समिति ने कड़ी कार्रवाई की है। समिति की बैठक में सर्वसम्मति से प्रधानाचार्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के साथ ही जबरन सेवानिवृत्त करने का निर्णय लिया गया है। हालांकि इसके लिए आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी। प्रबंध समिति का दावा है कि पिछले दो वर्षों में छात्राओं से छेड़छाड़ से संबंधित पांच मामले सामने आ चुके हैं। समिति के

अनुसार विद्यालय की गरिमा और छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। गौरतलब है कि पांच अगस्त को एक छात्रा के पिता ने बाबूगढ़ थाने में शिकायत देकर आरोप लगाया था कि प्रधानाचार्य ने छात्रा को कार्यालय में बुलाकर जबरन चॉकलेट खिलाई और उसके साथ अशोभनीय हरकत की। विरोध करने पर छात्रा को बदनाम करने और उसका जीवन बर्बाद करने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया। शिकायत में नए कपड़े और अन्य सामान दिलाने का लालच देने तथा फोन कर मिलने का दबाव बनाने की बात भी कही गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। उधर, प्रधानाचार्य ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को निराधार बताते हुए इसे प्रबंधक की साजिश बताया है। उनका कहना है कि वह पिछले छह वर्षों से प्रधानाचार्य के पद पर हैं और प्रबंधक से उनका लंबे समय से विवाद चल रहा है। प्रधानाचार्य ने आरोप लगाया कि प्रबंधक ने छात्रा के पिता को डेढ़ लाख रुपये देकर शिकायत कराई है। उन्होंने दावा किया कि उनके पास इस संबंध में साक्ष्य मौजूद हैं और निष्पक्ष जांच में सच्चाई सामने आ जाएगी। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि मामले की जांच जारी है। दोनों पक्षों के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है। कॉलेज प्रबंधक सुनील कुमार गौड़ ने कहा कि विद्यालय की प्रतिष्ठा और छात्रों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानाचार्य द्वारा छात्राओं के साथ अशोभनीय व्यवहार के मामले सामने आए हैं। प्रबंध समिति ने इसी को ध्यान में रखते हुए प्रधानाचार्य को निलंबित करने और जबरन सेवानिवृत्ति देने का निर्णय लिया है।

हाईवे पर दबंगों की गुंडागर्दी, पुलिस चौकी के पास दो युवकों को पीटा, वीडियो वायरल

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना पिलखुवा क्षेत्र में नेशनल हाईवे-9 पर शुक्रवार देर रात दबंगों ने जमकर उत्पात मचाया। पुलिस चौकी से कुछ ही दूरी पर आधा दर्जन से अधिक युवकों ने दो युवकों को दौड़ा-दौड़ाकर लाठी-डंडों से पीटा। मारपीट के दौरान हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और वाहनों की लंबी कतार लगने से

यातायात भी कुछ समय के लिए बाधित रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमलावरों ने बीच सड़क पर दोनों युवकों को घेरकर लाठी-डंडों से हमला किया। जान बचाने के लिए दोनों युवक इधर-उधर भागते रहे, लेकिन हमलावर उनका पीछा करते रहे। सड़क पर हो रहे हंगामे के कारण राहगीरों और वाहन चालकों में भी दहशत का माहौल बना रहा। मौके पर मौजूद किसी राहगीर ने पूरी घटना का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में कुछ युवक लाठी-डंडों से युवकों पर हमला करते और उन्हें दौड़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं। घटना पुलिस चौकी के पास होने के कारण स्थानीय लोगों ने पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठाए हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक अतुल चौहान ने बताया कि वीडियो के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

मेन बाजार में दो सांडों की जंग से मची अफरा-तफरी, दुकानों और वाहनों को नुकसान

हापुड़ (शिखर समाचार)। पिलखुवा के मेन बाजार में मंगलवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बीच सड़क दो आवारा सांड आपस में भिड़ गए। करीब 15 मिनट तक दोनों सांडों के बीच जमकर संघर्ष होता रहा। सांडों की लड़ाई देखकर दुकानदार और राहगीर जान बचाने के लिए दुकानों के अंदर घुस गए। लड़ते-लड़ते दोनों सांड बाजार में इधर-उधर दौड़ते रहे, जिससे वहां मौजूद लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। इस दौरान सड़क किनारे खड़े वाहनों और कुछ दुकानों को भी

नुकसान पहुंचने की बात सामने आई है। एक सांड दौड़ता हुआ एक दुकान के अंदर तक घुस गया, जिसके बाद वहां मौजूद लोगों में और अधिक दहशत फैल गई। सांडों के बाजार में घूमने के कारण काफी देर तक आवागमन प्रभावित रहा। व्यापारी और राहगीर अपने सामान और वाहनों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर भागते दिखाई दिए। पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि भीड़भाड़ वाले बाजार में आवारा पशु आए दिन परेशानी का कारण बन रहे हैं। लोगों ने नगरपालिका और प्रशासन से बाजार क्षेत्र में अभियान चलाकर आवारा सांडों को पकड़ने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

संक्षिप्त समाचार

कांवडियों की बढती संख्या : प्रशासन ने कांवड मार्ग को किया वनवे

शामली (शिखर समाचार)। कांवड यात्रा में कांवडियों की बढती संख्या को देखते हुए जिला पुलिस प्रशासन ने कांवड मार्ग को पूरी तरह से वनवे कर दिया है। एक मार्ग पूरी तरह से कांवडियों के लिए आरक्षित किया गया है तो दूसरी मार्ग पर वाहन अन्य लोगों को चलने की अनुमति दी गई है। इसमें भी कांवड मार्ग पर निकलने वाले गलियों व मोहल्लों के रास्तों को भी बैरिकेटिंग करते हुए बंद किया गया है, जिससे जाम की स्थिति तो पैदा हो ही रही है साथ ही शहर के लोगों को भारी दुश्वारियों का सामना करना पड रहा है। आगामी 11 अगस्त को सावन मास की शिवरात्रि का पर्व मनाया जायेगा। शिवरात्रि पर्व नजदीक आने के साथ ही कांवडियों के आने का सिलसिला तेज हो गया है। अभी तक जिले से करीब 3 लाख कांवडिये होकर गुजर चुके है। कांवडियों की संख्या बढने से जिला पुलिस प्रशासन ने कांवड मार्ग को पूरी तरह से वनवे कर दिया। शहर के तहसील चौराहे से लेकर एमएसके रोड, गुरूद्वारा तिराहा, धीमानपुरा, शिव चौक, हनुमान रोड, वीवी इंटर कालेज रोड, फव्वारा चौक, कैराना रोड आदि को कैराना पूर्वी यमुना नहर तक वनवे कर दिया गया। इस मार्ग पर किसी भी वाहन, बाइक पर पैदल चलने वाले लोगों को जाने की अनुमति नही दी गई है। तैनात पुलिस सिर्फ कांवडियों को ही उक्त मार्ग पर जाने दे रही है। बाकी दूसरे वनवे रास्ते पर शहर के लोगों को आने जाने की अनुमति प्रदान की गई है। शहर के भिक्की मोड, सीबी गुप्ता कालोनी, मिल रोड, नया बाजार, दिल्ली रोड, सलेक विहार सहित जो रास्ते कांवड मार्ग पर निकलते है उनको भी बेरिकेटिंग कर बंद किया गया है। यहां से किसी को भी नही जाने दिया जा रहा है। ऐसे में शहर के लोगों को कई कई किलोमीटर दूर से होकर अपने आवास या प्रतिष्ठान पर जाना पड रहा है। देर रात्रि में शहर वनवे होने से कांवड यात्रा देने आने वाले शहर के लोगों से जाम की स्थिति पैदा हो गई। शहर के शिव चौक पर घंटों जाम लगा रहा। जाम में फंसे वाहन चालकों को दुश्वारिया हुई है।

गौशाला रोड के दिन बहुरेंगे, जलभराव से मिलेगी निजात

खतौली/मुजफ्फर नगर (शिखर समाचार)। नगर क्षेत्र में होली चौक से गंग नहर कांवड़ पटरी मार्ग को जोड़ने वाली सड़क (गौशाला रोड़)पर जलभराव की समस्या से स्थानीय निवासी ही नहीं अन्य नगरवासियों को भी जूझना पड़ रहा है। इस समस्या के समाधान का प्रयास नगरपालिका द्वारा किया गया है। नपा चेयरमैन हाजी शाहनवाज लालू ने बताया कि इस मार्ग के पुनर्निर्माण एवं जल भराव की समस्या से निजात पाने के लिए पानी की निकासी हेतु स्वीकृति मिल चुकी है और जल्द ही यहां कार्य शुरू हो जाएगा। निर्णयानुसार इस मार्ग की बदहाल स्थिति से स्थानीय लोगों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। सड़क पर जलभराव और खराब रास्ते के कारण पक्का बाग, बालाजीपुरम, पिकेट कॉलेज एवं आवासीय कॉलोनी एवं आसपास के स्थानीय परिवारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से स्कूली बच्चों को आवागमन में दिक्कतें उठानी पड़ती है। यह समस्या वर्षों पुरानी है और यहां बिना बारिश के भी पानी भरा रहता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बारिश के दिनों में सड़क की स्थिति और भी खराब हो जाती है। जगह-जगह पानी भरने तथा सड़क पर गड्ढों के कारण पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। लंबे समय से लोग सड़क की मरम्मत और जलनिकासी की उचित व्यवस्था कराने की मांग कर रहे हैं। समस्या के समाधान के लिए नगरपालिका अध्यक्ष हाजी शाहनवाज लालू ने पत्र लिखकर मुजफ्फर नगर विकास प्राधिकरण एवं जिला अधिकारी को अवगत कराते हुए यहां नाला बनवाने एवं सड़क के पुनर्निर्माण की मांग की थी। उधर स्थानीय निवासी पहले भी इस समस्या से निजात दिलाने की मांग कर चुके हैं।

सफाई व्यवस्था में लापरवाही पर दो एजेंसियों पर 35 लाख का जुर्माना

अलीगढ़ , एजेंसी। शहर की सफाई व्यवस्था में लापरवाही बरतना अर्बन एनवायरोटेक सर्विसेज प्रा. लि. और सुखमा संस प्रा. लि. को भारी पड़ा है। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने निरीक्षण और प्राप्त शिकायतों के आधार पर दोनों ही एजेंसियों पर कुल 35 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

नगर आयुक्त के अनुसार अर्बन एनवायरोटेक सर्विसेज पर अलग-अलग मामलों में 30 लाख रुपये का आर्थिक दंड लगाया गया है। इसमें ओजोन सिटी ट्रांसफर स्टेशन कई दिनों तक बंद रहने, वैकल्पिक व्यवस्था नहीं करने और इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग बाधित होने पर 15 लाख रुपये का जुर्माना शामिल है।

इसी एजेंसी पर वार्ड-65 में नाले पर सीसीटीवी कैमरे नहीं लगाने और अनुबंध की शर्तों की अनदेखी करने पर 10 लाख रुपये तथा डस्टबिन से नियमित कूड़ा नहीं उठाने और डस्टबिन में ब्लैक पॉलीथिन

नहीं लगाने पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। वहीं, सुखमा संस प्रा. लि. पर पांच लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। नगर आयुक्त को कठपुला से रेलवे स्टेशन मार्ग के निरीक्षण के दौरान व्यापक गंदगी और सफाई व्यवस्था में गंभीर लापरवाही मिली थी। नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि शहर की सफाई व्यवस्था में किसी भी तरह की लापरवाही या अनुबंध की शर्तों के उल्लंघन को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी है कि भविष्य में ऐसी लापरवाही दोहराए जाने पर संबंधित एजेंसियों के खिलाफ अनुबंध निरस्तीकरण समेत और कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बच्चों की सुरक्षा को लेकर बसपा ने एसएसपी को सौंपा ज्ञापन

गोरखपुर , एजेंसी। जिले में बच्चों के अपहरण, दुष्कर्म और हत्या की घटनाओं को लेकर बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष ऋषि कपूर के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने इस तरह की घटनाओं पर रोष व्यक्त किया।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि जिले में लगातार हो रही घटनाओं से आम लोगों में भय का माहौल है। एक पुलिसकर्मी द्वारा 10 वर्षीय बच्ची की हत्या की घटना ने व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने मांग की कि बच्चों से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए विशेष न्यायालय गठित किया जाए और दोषियों को शीघ्र सजा दिलाई जाए। अपराधियों पर पॉक्सो और गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई कर उनकी अवैध संपत्ति कुर्क करने, 30 दिन में जांच पूरी कर आरोप पत्र दाखिल करने और लापरवाही बरतने वाले पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की गई।

प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवारों को 50 लाख रुपये सहायता, एक सदस्य को सरकारी नौकरी और सुरक्षा देने की भी मांग की। जिलाध्यक्ष ऋषि कपूर ने कहा कि मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो बसपा आंदोलन करेगी। प्रतिनिधिमंडल में घनश्याम राही, परमेश्वर उर्फ छोटू सहारा, जावेद सिमनानी समेत कई लोग मौजूद रहे।

कंक्रीट मिक्सर मशीन का मीटर खोलते युवक को लोगों ने दबोचा

पिटाई के बाद पुलिस को सौंपा

पादरी बाजार (गोरखपुर)। शाहपुर क्षेत्र के श्रीराम चौराहा स्थित डब्बा फैक्टरी के सामने खड़ी ऑटोमेटिक कंक्रीट मिक्सर मशीन का मीटर खोलने पहुंचे एक युवक को स्थानीय लोगों ने पकड़ लिया। आरोप है कि लोगों ने उसकी पिटाई करने के बाद पुलिस के हवाले कर दिया। पूछताछ के दौरान युवक ने दावा किया कि वह मिक्सर मशीन बनाने वाली कंपनी के एक इंजीनियर के कहने पर मीटर निकालने आया था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार, धनुष साहनी के घर के सामने उनके रिश्तेदार तुरा बाजार निवासी इंद्रजीत साहनी की दो ऑटोमेटिक कंक्रीट मिक्सर मशीनें खड़ी रहती हैं। आरोप है कि बृहस्पतिवार रात करीब 12 बजे बिहार के सिवान जिले का रहने वाला श्रीकांत वहां पहुंचा और मशीन से मीटर खोलने लगा। इसी दौरान खटपट की आवाज सुनकर पास के एक व्यक्ति को संदेह हुआ। पूछताछ करने पर युवक ने खुद को मशीन का चालक बताते हुए कहा कि वाहन नेपाल जाने वाला है। उसकी बातों पर शक होने पर स्थानीय व्यक्ति ने तत्काल मशीन मालिक को सूचना दे दी।

सूचना मिलते ही इंद्रजीत साहनी अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंच गए। खुद को घिरता देख आरोपी ने ही डायल-112 पर फोन कर बताया कि कुछ लोगों ने उसे घेर लिया है। कुछ ही देर में पुलिस भी पहुंच गई।

इस बीच मौजूद लोगों ने युवक को पकड़ लिया और पूछताछ शुरू की। आरोप है कि पूछताछ के दौरान आरोपी के मोबाइल से मिली एक ऑडियो रिकॉर्डिंग में सामने आया कि ऑटोमेटिक कंक्रीट मिक्सर मशीन बनाने वाली कंपनी के एक इंजीनियर ने उसे मीटर लाने के लिए कहा था। इसके बदले 15 हजार रुपये देने का आश्वासन दिया गया था। पीड़ित पक्ष के मुताबिक, चोरी किए जाने वाला मीटर दो लाख रुपये से अधिक कीमत का है।

आटे में धीमा जहर !

मैनपुरी में बड़ा खुलासा, 43 बोरी टेलकम पाउडर बराम

आगरा, एजेंसी। गेहूं के आटे में टेलकम पाउडर मिलाकर लोगों को बेचा जा रहा है, उनके स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग ने एक आटा मिल पर कार्रवाई की। जहां से 50 किलो आटा और 43 बोरी टेलकम पाउडर की जब्त की गई। टेलकम पाउडर का नमूना लेकर जांच के लिए भेजा है। टीम ने आटा मिल को बंद कर दिया है।

जिले में एक मिल में टेलकम पाउडर का प्रयोग कर आटा का निर्माण करने की जिलाधिकारी को शिकायत मिली। उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग को कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद शुक्रवार को सहायक खाद्य आयुक्त द्वितीय डॉ. श्वेता सैनी के निर्देशन में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी एके पाठक व टीम के अन्य सदस्य ज्योति खुड़िया स्थित अवैध आटा मिल पर पहुंचे।

टीम ने इस दौरान इकाई का संचालन कर रहे अजीत कुमार से जानकारी की तो पता चला कि आटे में मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक टेलकम पाउडर मिलने की आशंका है। ऐसे में टीम ने आटे का और टेलकम पाउडर का एक नमूना लिया, जिसे जांच के लिए भेजा गया है। वहीं टीम ने आटा निर्माण इकाई से 43 बोरी टेलकम पाउडर बरामद किया। इसके साथ लगभग 2150 किलोग्राम अपमिश्रित टेलकम पाउडर, जिसकी कीमत करीब 32250 रुपये और करीब 50 किलो आटा जब्त किया है। वहीं अवैध रूप से संचालन होने पर मिल को बंद कर दिया गया है। इस संबंध में थाने में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है।

ऐसे करें पहचान– खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित कुमार

सिंह ने बताया कि एक कटोरी में आटा लें और उसमें नींबू की कुछ बूंदें डाल दें। बुलबुले उठने लगें तो मिलावट है। ऐसे ही गिलास में पानी भरें और आटा डालकर चम्मच से मिलाएं। आटा तली में बैठ जाए तो मिलावटी है। तीसरा तरीका यह है कि हथेली पर आटा रखकर रगड़ें। शुद्ध आटा खुरदरा लगेगा, असामान्य चिकनाहट हो तो मिलावट हो सकती है।

राजस्थान से आती है सेलखड़ी, आटा बनाते चमकदार– राजस्थान से 20-25 रुपये किलो के हिसाब से सेलखड़ी मंगाई जा रही है। मुनाफाखोर इसे घटिया आटे में मिलाकर उसे चिकना और चमकदार बनाते हैं। फिरोजाबाद में मामला पकड़े जाने के बाद आगरा में भी जांच तेज हो गई है। राजस्थान की सीमा पर खाद्य अधिकारियों को भी सक्रिय कर दिया गया है। सहायक आयुक्त, खाद्य महेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि आटे में सेलखड़ी मिलाकर बिक्री की शिकायत पर मिल की जांच की जा रही है। फिरोजाबाद के सहायक आयुक्त, खाद्य चंदन पांडेय ने बताया कि फिरोजाबाद में एटा रोड स्थित शिवाय ट्रेडिंग कंपनी पर छापा मारकर 30 किलो सेलखड़ी और 420 किलो गेहूं का आटा सीज किया गया है। जानकारी मिली है कि ये राजस्थान से सेलखड़ी मंगाते हैं।

पथरी और आंतों में रुकावट का खतरा

सीएमओ आगरा डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि लंबे समय तक सेलखड़ी शरीर में पहुंचने से पेट के विकार तेजी से बढ़ते हैं। पेट में दर्द, अपच और आंतों में रुकावट का खतरा बढ़ जाता है। शरीर में कैल्शियम या सिलिकेट के बारीक कण जमा होकर गुर्दे में पथरी की वजह बन सकते हैं। दांतों की ऊपरी परत घिसने के साथ मसूढ़ों में जख्म भी बन सकते हैं। सीने में सेलखड़ी जमने से टीबी के संक्रमण का खतरा भी रहता है।

ककोड़े लेकर डीएम का आभार जताने पहुंचा किसान

तीन साल से अटका था जमीन का मामला

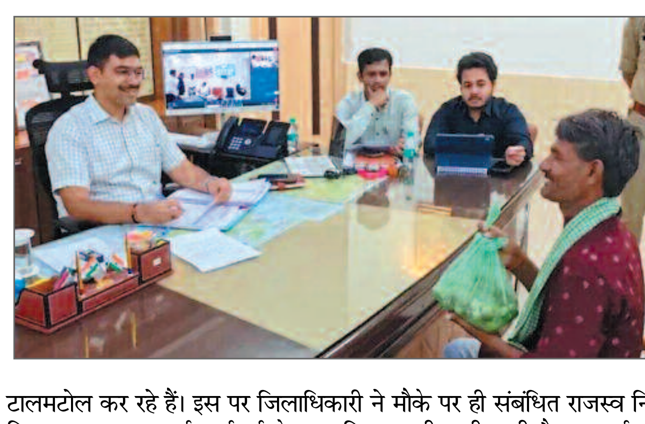

आगरा, एजेंसी। आगरा कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता दर्शन के दौरान शुक्रवार को एक अनोखा नजारा देखने को मिला, जब तहसील बाह के बसई अरेला निवासी किसान रामप्रकाश थैले में जंगली ककोड़े लेकर जिलाधिकारी मनीष बंसल का आभार जताने पहुंचे।

किसान की भूमि पैमाइश का मामला पिछले 3 वर्षों से अटका हुआ था। 6 जुलाई को तहसील बाह के संपूर्ण समाधान दिवस में उसने शिकायत की थी कि राजस्व निरीक्षक और लेखपाल टालमटोल कर रहे हैं। इस पर जिलाधिकारी ने मौके पर ही संबंधित राजस्व निरीक्षक को फटकार लगाते हुए जवाब-तलब किया था। तत्काल हुई कार्रवाई के बाद किसान की जमीन की पैमाइश हुई तो शुक्रवार को वह कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई के दौरान डीएम से मिलने पहुंच गया।

किसान ने अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए साथ लाए ककोड़े भेंट करने की इच्छा जताई, जिसे देखकर डीएम भी मुस्कुरा दिए। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने इस मामले के निस्तारण के साथ ही जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि तहसील दिवस और जनता दर्शन में आने वाली चकरोड अतिक्रमण, भूमि पैमाइश जैसी शिकायतों का पारदर्शी और समयबद्ध निस्तारण करें। लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी हुई बेसुध, पति पड़ा था लहूलुहान

वारदात के बाद बार्डर-बार्डर खेलती रही पुलिस

कानपुर। कानपुर जिले के साढ़ और बिधनू थाना क्षेत्र की सीमा पर बीती आधी रात बेखौफ बदमाशों ने दुस्साहसिक लूटकांड को अंजाम देकर खाकी के गश्ती दावों की धज्जियां उड़ा दीं। खेत में बने सुनसान घर में घुसे बदमाशों ने सो रहे दंपति पर धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया।

वारदात के दौरान पति खून से लथपथ होकर बेसुध हो गया, वहीं बुरी तरह जख्मी पत्नी अपनी मासूम बच्ची को गोद में लेकर आधी रात तड़पती रही। दिल दहला देने वाली इस घटना के बाद एक तरफ पीड़ित जिंदगी की जंग लड़ते रहे, तो दूसरी तरफ पुलिस महकमा घंटों तक बॉर्डर-बॉर्डर खेलने में मस्त रहा। कैमरे का रुख मोड़ा, फिर धारदार हथियारों से हमला

जानकारी के मुताबिक, साढ़ थाना क्षेत्र के देवसड़ गांव निवासी मोहम्मद कल्लू (40), अपनी पत्नी शाहजहां (35) और दो वर्षीय मासूम बेटी के साथ गांव से करीब 700 मीटर दूर खेतों में स्थित मकान में रहते हैं। मुख्य मार्ग से 600 मीटर अंदर कच्चे चकरोड के रास्ते पर बने इस सुनसान मकान को बीती आधी रात बदमाशों ने अपना शिकार बनाया। पहचान छिपाने के इरादे से शातिर बदमाशों ने सबसे पहले घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे का रुख आसमान की तरफ मोड़ दिया। इसके बाद अंदर दाखिल होकर सो रहे कल्लू और शाहजहां पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला बोल दिया। हमले में सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आने से कल्लू मौके पर ही लहूलुहान होकर बेसुध हो गए। वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश पीड़ित की बाइक, घर में रखे सीसीटीवी कैमरे के उपकरण और अन्य कीमती सामान लूटकर आसानी से फरार हो गए।

मासूम को गोद में लेकर 500 मीटर तक तड़पती रही पीड़िता– बदमाशों के भागने के बाद गंभीर रूप से घायल शाहजहां ने हिम्मत नहीं हारी। वह अपनी दो साल की बिलखती मासूम बच्ची को गोद में उठाए, खून से लथपथ हालत में घुप अंधेरे में बचाव-बचाव चिल्लाते हुए करीब 500 मीटर दूर स्थित दूसरे खेत में बने मकान तक पहुंचीं और मदद की गुहार लगाई।

तीन दिन की बारिश के बाद पारा 5 डिग्री चढ़ा

उमस ने किया परेशान

48 घंटे फिर बारिश के आसार

वाराणसी, एजेंसी। वाराणसी में लगातार तीन दिनों तक हुई बारिश के बाद शुक्रवार को तेज धूप निकलने से मौसम का मिजाज एकदम बदल गया। धूप के साथ बढ़ी उमस ने लोगों को बेहाल कर दिया। बारिश के दौरान जहां अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ था, वहीं शुक्रवार को यह बढ़कर 35 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। एक ही दिन में अधिकतम तापमान में 5.2 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1.5 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। वहीं, बृहस्पतिवार की तुलना में तापमान में 5.2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई। हवा में नमी 80 से 90 प्रतिशत के बीच रहने के कारण लोगों को तेज उमस का सामना करना पड़ा। दिनभर धूप और नमी के कारण बाहर निकलने वाले लोगों को गर्मी अधिक महसूस हुई।

हालांकि मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून अभी भी सक्रिय बना हुआ है। फिलहाल किसी प्रकार की मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की गई है, लेकिन अगले दो दिनों के दौरान अच्छी बारिश की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बीते तीन दिनों में वाराणसी में 150 मिलीमीटर से अधिक वर्षा दर्ज की गई है। इसके साथ ही जिले में इस मानसून सीजन की सामान्य बारिश का लगभग 70 प्रतिशत कोटा पूरा हो चुका है। अच्छी बारिश से किसानों को राहत मिली है, वहीं कई इलाकों में जलभराव की समस्या भी देखने को मिली।

रक्षाबंधन पर राखी भेजना होगा आसान, डाक विभाग ने जारी किया विशेष लिफाफा

अलीगढ़ । रक्षाबंधन पर बहनों की राखी भाइयों तक सुरक्षित और समय से पहुंचाने के लिए डाक विभाग ने विशेष पहल की है। विभाग ने राखी बाय स्पीड पोस्ट लिफाफा जारी किया है। यह लिफाफा मंडल के सभी डाकघरों और शाखा डाकघरों में उपलब्ध कराया गया है।

प्रवर डाक अधीक्षक विनय कुमार वार्ष्णेय ने बताया कि विशेष राखी लिफाफा रंगीन और वाटरप्रूफ है। इसे राखियों को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। डाक विभाग की ओर से इसकी हैंडलिंग के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है, ताकि राखियां सुरक्षित स्थिति में गंतव्य तक पहुंच सकें।

उन्होंने बताया कि इस विशेष लिफाफे की कीमत 10 रुपये प्रति लिफाफा निर्धारित की गई है। इसमें केवल लिफाफे का शुल्क शामिल है, जबकि डाक शुल्क अलग से देना होगा। उपभोक्ता इस लिफाफे में राखी रखकर स्पीड पोस्ट या साधारण डाक के माध्यम से देश के किसी भी हिस्से में भेज सकते हैं।

कच्चा मकान ढहने पर डॉ. सोनू कश्यप ने प्रशासन से की पीड़ित परिवारों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की मांग

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव हबीबपुर में बारिश के कारण कच्चा मकान ढहने से डेढ़ वर्षीय बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर गांव के अन्य जर्जर व कच्चे मकानों में रह रहे लोगों को नोटिस जारी कर मकान खाली करने के निर्देश दिए हैं। कश्यप समाज के खाप चौधरी डॉ. सोनू कश्यप शनिवार को हबीबपुर गांव पहुंचे और पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रशासन की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि केवल नोटिस जारी करना समस्या का समाधान नहीं है।

उन्होंने प्रशासन से मांग की कि इन जर्जर मकानों में रहने वाले गरीब परिवारों के लिए वैकल्पिक आवास की व्यवस्था की जाए और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पीड़ितों के पक्के मकान जल्द से जल्द बनवाए जाएं। जब तक प्रशासन इन बेसहारा परिवारों के रहने के लिए सुरक्षित वैकल्पिक जगह या किराए की व्यवस्था नहीं करता, तब तक इन्हें जबरन मकानों से न हटाया जाए। इस दौरान बीडीसी सदस्य पूजा सैनी, मुकेश कश्यप उर्फ नानू, नंदन कश्यप, प्रदीप सैनी आदि मौजूद रहे।

मोदीनगर में उमड़ा कांवड़ियों का सैलाब, 'बम-बम भोले' से गूंजा शहर

मोदीनगर। (शिखर समाचार) हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे कांवड़ियों का शनिवार को मोदीनगर में सैलाब उमड़ पड़ा। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर सुबह से ही कांवड़ियों की भारी भीड़ रही। शाम होते-होते मेरठ से गाजियाबाद की ओर जाने वाली लेन पूरी तरह कांवड़ियों से भर गई। रंग-बिरंगी रोशनी से सजी कांवड़ और भक्ति भाव में आगे बढ़ते शिवभक्तों को देखने के लिए दिल्ली-मेरठ मार्ग के दोनों ओर बड़ी संख्या में नगरवासी और श्रद्धालु मौजूद रहे। जगह-जगह पुष्पवर्षा कर कांवड़ियों का स्वागत किया गया। कहीं पेयजल तो कहीं फल वितरित किए गए। 'बम-बम भोले' के जयकारों से पूरा शहर गूंजता रहा। नगर के शुरूआती छोर कादराबाद से लेकर सीकरी कला तक करीब नौ किलोमीटर के क्षेत्र में दिल्ली-मेरठ मार्ग के दोनों ओर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। नगर के मुख्य चौराहे राज चौराहे पर शाम के समय स्थिति उस समय बेहद चुनौतीपूर्ण हो गई, जब कांवड़ियों के साथ उन्हें देखने पहुंचे लोगों की भीड़ बढ़ गई। व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस ने मार्ग के दोनों ओर प्लास्टिक की रस्सियां बांधकर भीड़ को नियंत्रित किया, जिससे कांवड़ियों के आवागमन में बाधा न आए।

बीती रात दो मुस्लिम महिलाएं भी मोदीनगर से कांवड़ लेकर गुजरीं। लोगों ने दोनों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। दिल्ली निवासी अनीशा की शादी राजस्थान में हुई है। बताया गया कि पारिवारिक विवाद के चलते वह भगवान शिव से परिवार के पुनर्मिलन की मन्नत लेकर हरिद्वार से कांवड़ ला रही हैं। उनके दो बच्चे राजस्थान में पति के पास हैं। वहीं संभल निवासी तमन्ना अपनी मन्नत पूरी होने की कामना को लेकर सहेली के सहयोग से कांवड़ लेकर आ रही हैं। दोनों महिलाओं को पुलिस सुरक्षा के बीच नगर से आगे रवाना किया गया। दिल्ली के अशोक नगर निवासी सोनू प्रजापति पर्यावरण संरक्षण का संदेश लेकर हरिद्वार से कांवड़ लेकर आए। वह अपने साथ 1100 पौधे भी लेकर चले थे, जिनमें से अब तक 912 पौधे लोगों को वितरित किए जा चुके हैं। कांवड़ यात्रा के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने की उनकी पहल लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रही। बस स्टैंड के पास डीसीपी ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी और एसीपी भास्कर वर्मा ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा की और माला पहनाकर उनका स्वागत किया। उप जिलाधिकारी कोमल पावर भी राज चौराहे पर बनाए गए प्रशासनिक शिविर में पूरे समय मौजूद रहीं और कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं का जायजा लेती रहीं। मेरठ से चला कसाना डीजे बीती रात मोदीनगर पहुंचा और यहां रात्रि विश्राम किया। शनिवार देर शाम जब कसाना डीजे धुन बजाता हुआ मुरादनगर की ओर रवाना हुआ तो उसे देखने और डीजे की धुन पर थिरकने के लिए हजारों की संख्या में युवा सड़क पर जुट गए। डीजे के आगे युवाओं ने जमकर डांस किया। शनिवार को मोदीनगर से गुजरने वाले कांवड़ियों में हरियाणा, दिल्ली, गाजियाबाद सहित आसपास के क्षेत्रों के शिवभक्त शामिल रहे। गोविंदपुरी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास लगे सेवा कांवड़ शिविर में बीती रात एक वृद्ध कांवड़िये की अचानक तबीयत बिगड़ गई। बताया गया कि उसे हार्ट अटैक आया, जिसके बाद लोग उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार मृतक की उम्र करीब 60 वर्ष है और समाचार लिखे जाने तक उसकी पहचान नहीं हो सकी थी।

घुमेश्वर महादेव मंदिर में तीन दिवसीय कांवड़ महोत्सव, 11 अगस्त को ब्रह्ममुहूर्त में होगा जलाभिषेक

मुरादनगर (शिखर समाचार)। ग्राम सुराना स्थित प्राचीन श्री सिद्धपीठ घुमेश्वर महादेव मंदिर में 9 से 11 अगस्त तक तीन दिवसीय कांवड़ महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव को लेकर मंदिर परिसर में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। हिंडन नदी के पावन तट पर स्थित श्री सिद्धपीठ घुमेश्वर महादेव मंदिर क्षेत्र की प्राचीन आस्था का प्रमुख केंद्र है। स्थानीय जनश्रुति के अनुसार मंदिर में स्थापित शिवलिंग हिंडन नदी में बहकर यहां आया था, जिसे दिव्य संकेत मानते हुए श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से स्थापित किया। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से भगवान शिव का पूजन एवं जलाभिषेक करने से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। लगभग 214 वर्ष पूर्व मुजफ्फरनगर के प्रसिद्ध सेठ सौदागर मल ने मंदिर का भव्य जीर्णोद्धार कराया, जिसे पूरा होने में करीब 40 वर्ष लगे। लगभग 110 फीट ऊंचा यह विशाल मंदिर अपनी उत्कृष्ट नक्काशी, भव्य स्थापत्य कला तथा भगवान शिव के साथ स्थापित विशाल नंदी की प्रतिमा के कारण दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। पिछले लगभग 35 वर्षों से श्रावण मास में यहां विशाल कांवड़ मेला आयोजित होता है, जिसमें हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर हजारों शिवभक्त भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने पहुंचते हैं। मंदिर समिति के संरक्षक अरविंद भारतीय ने बताया कि 11 अगस्त को प्रातः 4:55 बजे से भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक प्रारंभ होगा। श्रावण मास में हरिद्वार से जल लेकर आने वाले हजारों शिवभक्त यहां जलाभिषेक करते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा

प्राचीन सिद्धपीठ घुमेश्वर महादेव मंदिर

के लिए भोजन भंडारा, प्रसाद एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। महोत्सव के दौरान मेले का आयोजन होगा, जिसमें विभिन्न प्रकार की दुकानें सजेंगी तथा कुश्ती दंगल और रात्रि में भव्य शिव जागरण भी आयोजित किया जाएगा। समिति के सुशील गोयल, रघुनंदन रस्तोगी, मुकेश यादव, सुनील यादव एवं संजय कश्यप ने बताया कि आकर्षक एवं सुंदर कांवड़ लेकर आने वाले शिवभक्तों को प्रतीक चिन्ह एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

कांवड़ियों की सेवा में जुटा मित्र मंडल, जनप्रतिनिधियों ने की व्यवस्थाओं की सराहना

मुरादनगर (शिखर समाचार)। मित्र मंडल कांवड़ सेवा समिति द्वारा आयोजित 29वें विशाल कांवड़ सेवा शिविर में कांवड़ियों की सेवा के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं की गई हैं। शिवभक्तों के आगमन से पूरा राजमार्ग शिवमय नजर आ रहा है। बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारों से नगर का वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। शिविर में गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र के सांसद अतुल गर्ग, क्षेत्रीय विधायक अजीतपाल त्यागी तथा गाजियाबाद के पूर्व महापौर आशु वर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग पहुंचे। समिति के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने अतिथियों का पटका पहनाकर स्वागत किया। अतिथियों ने गौमुख एवं हरिद्वार से जल लेकर लौट रहे कांवड़ियों को भोजन एवं प्रसाद वितरित किया।

सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि कांवड़ यात्रा सनातन संस्कृति, आस्था और अटूट श्रद्धा का प्रतीक है। मित्र मंडल कांवड़ सेवा समिति द्वारा लगातार 29 वर्षों से निष्काम भाव से शिवभक्तों की सेवा करना सराहनीय है। विधायक अजीतपाल त्यागी एवं पूर्व महापौर आशु वर्मा ने शिवभक्तों के विश्राम, भोजन एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए समिति के सेवादारों को बधाई दी। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशुतोष राय एवं उनकी टीम ने भी शिविर में भोजन एवं शुद्ध पेयजल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और व्यवस्था को संतोषजनक बताया। समिति की ओर से शिवभक्तों के लिए निःशुल्क भोजन-प्रसाद, विश्राम स्थल, शुद्ध पेयजल तथा प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

इस अवसर पर समिति के विष्णु कुमार कैलासी, पंकज गर्ग, गोपाल गुप्ता, कुलदीप गर्ग, हरिओम गुप्ता, राजेंद्र मित्तल, दिनेश प्रधान, संजीव अडवानी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में शिवभक्त मौजूद रहे।

हरे पेड़ों पर चली आरी तो डीएम कविता मीना ने दिखाई सख्ती, वनरक्षक सस्पेंड; दो अधिकारियों को नोटिस

हापुड़ (शिखर समाचार)। कांवड़ियों की सुरक्षा के नाम पर हरे पेड़ों की कटाई के मामले में जिलाधिकारी कविता मीना ने सख्त रुख अपनाते हुए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। डीएम के निर्देश पर बीट प्रभारी वनरक्षक राहुल सिंह को निलंबित कर दिया गया है, जबकि सेक्शन अधिकारी और क्षेत्रीय वनाधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। मामले में वन अपराध भी दर्ज किया गया है। कांवड़ यात्रा के मद्देनजर जिलाधिकारी कविता मीना ने यात्रा मार्ग पर केवल अवरोधक शाखाओं की छंटाई के निर्देश दिए थे, लेकिन आरोप है कि इन निदेशों के विपरीत नेशनल हाईवे-9 और गढ़-दिल्ली रोड पर कई हरे पेड़ों को जड़ से काट दिया गया। वहीं, सड़क किनारे अब भी करीब एक दर्जन सूखे और खतरनाक पेड़ हादसे का खतरा बने हुए हैं। मामले की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी ने तत्काल जांच के निर्देश दिए। डीएफओ गौतम सिंह ने बताया कि विभाग की ओर से केवल दो सूखे पेड़ों को काटने की अनुमति दी गई थी। निर्धारित अनुमति से अधिक कटान पाए जाने पर बीट प्रभारी वनरक्षक राहुल सिंह को निलंबित किया गया है। साथ ही सेक्शन अधिकारी और क्षेत्रीय वनाधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। जिलाधिकारी कविता मीना ने स्पष्ट किया कि पूरे प्रकरण की गंभीरता से जांच कराई जा रही है और जांच में जो भी अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

कांवड़ सेवा शिविरों में उमड़ी शिवभक्तों की भीड़, देशी घी के पकवान से लेकर चिकित्सा सुविधा तक इंतजाम

शामली। (शिखर समाचार)। जिलेभर में कांवड़ सेवा शिविरों में शिवभक्तों की सेवा के लिए सैकड़ों लोग रात-दिन जुटे हुए हैं। विभिन्न शिविरों में कांवड़ियों के लिए दूध, दही, घेवर, रसगुल्ला, चाट-पकौड़ी, देशी घी से निर्मित भोजन, फलाहार, विश्राम और स्नान सहित विभिन्न सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। कई शिविरों में श्रद्धालुओं की सेवा के लिए शादी-विवाह जैसा माहौल दिखाई दे रहा है और लगातार पकवान तैयार किए जा रहे हैं। शहर के ग्लोबल शांति केयर हॉस्पिटल के कांवड़ सेवा शिविर में कांवड़ियों को देशी घी से निर्मित भोजन परोसा जा रहा है। मिष्ठान में घेवर, दूध और लड्डू की भी व्यवस्था की गई है। देर रात भारी बारिश के बीच भी सैकड़ों कांवड़ियों ने शिविर में भोजन प्रसाद ग्रहण किया और विश्राम किया। इस दौरान कुशांक चौहान, डा. जनेश्वर चौहान, विपिन चौहान, श्वेता चौहान, अलका चौहान, इफरा, तनु, निशा, बीबी और सीमा सहित टीम के सदस्यों ने कांवड़ियों की सेवा की।

श्री सर्वमंगला शिवशक्ति सेवा समिति द्वारा रजवाड़े फार्म हाउस पर लगाए गए कांवड़ सेवा शिविर में चौथे दिन भी भारी बारिश के बावजूद शिवभक्त कांवड़ियों की भीड़ उमड़ी। शिविर में बाबा अमरनाथ की बफानी गुफा की तर्ज पर बर्फ से आकर्षक शिवलिंग और गुफा का निर्माण किया गया है। त्रिशूल पर कबूतर के जोड़े का सुंदर दृश्य भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। शिविर में कांवड़ियों के लिए भोजन प्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर डा. राजेंद्र संगल, डॉ. सुशील मित्तल, रामअवतार संगल, संजय गोयल बोबी, अमित संगल, प्रथम संगल, आकाश गोयल, सुंदरम कुच्छल, चिराग संगल, आयुष गोयल, दीपक गोयल, राधेश्याम मित्तल, संजय जैन और आदेश शर्मा आदि मौजूद रहे। लायनेस क्लब शामली दोआब की ओर से भी कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों का स्वागत एवं सेवा की गई। क्लब की महिलाओं ने कांवड़ियों को फल, कोल्ड ड्रिंक और बिस्किट वितरित किए। इस दौरान रश्मि वर्मा, सुनीता आर्य, शिखा गोयल, कविता संगल, रश्मि गर्ग, उर्मिला गोयल और निधि का सहयोग रहा।

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन की ओर से दसवां चिकित्सा कांवड़ सेवा शिविर भी लगाया गया है। शिविर में कांवड़ियों के घावों की मरहम-पट्टी के साथ विभिन्न बीमारियों की दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। शिविर में चिकित्सा एवं अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर अमित गर्ग, अमित मित्तल, प्रद्युम्न गर्ग, राहुल बंसल, नीरज गोयल, सतीश भारद्वाज, सतीश तायल, सतीश संगल, विशाल गर्ग और अमन गोयल आदि मौजूद रहे।

कच्ची गढ़ी में कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ, सुरेश राणा ने शिवभक्तों की सेवा को बताया पुण्य कार्य

शामली। (शिखर समाचार)। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा ने क्षेत्र के गांव कच्ची गढ़ी में आयोजित कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने शिविर आयोजकों एवं सेवा समिति के सदस्यों से मुलाकात कर कांवड़ यात्रियों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया और शिवभक्तों की सेवा में जुटे लोगों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुरेश राणा ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था, श्रद्धा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। भगवान भोलेनाथ के भक्तों की सेवा करना स्वयं में बड़ा पुण्य कार्य है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कांवड़ यात्रा को लेकर बेहतर कानून व्यवस्था के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। प्रशासन के साथ आम जनमानस का सहयोग भी कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने कहा कि कांवड़ मार्गों पर लगाए जाने वाले सेवा शिविर श्रद्धालुओं को विश्राम, भोजन, पेयजल और चिकित्सा जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ सामाजिक सौहार्द की भावना को भी मजबूत करते हैं। उन्होंने शिविर संचालकों से कांवड़ यात्रियों की सेवा पूरी श्रद्धा और समर्पण के साथ करने तथा स्वच्छता एवं सुरक्षा

का विशेष ध्यान रखने की अपील की।

इस अवसर पर काशीराम सैनी, सूर्यप्रताप सैनी, विजयपाल सैनी, महिपाल कश्यप, भूरा कश्यप, सतपाल कोरी, ओमपाल कोरी, रोहित कोरी, नितिन सैनी, जोगिंदर कश्यप, अतर सिंह कोरी, लाला मनोज, रमेश कश्यप, मास्टर विनोद सैनी सहित बड़ी संख्या में शिवभक्त एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

सावन के दसवें दिन शामली में कांवड़ यात्रा ने पकड़ी रफ्तार, 11 लीटर जल लेकर निकला नौ वर्षीय प्रिंस बना आकर्षण

शामली। (शिखर समाचार)। सावन मास के दसवें दिन धर्मनगरी शामली में कांवड़ यात्रा ने रफ्तार पकड़ ली है। शहर से लेकर हाईवे तक हर ओर शिवभक्तों की भीड़ नजर आ रही है। हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से वातावरण शिवमय हो गया है। पिछले कई दिनों से लगातार बढ़ रही कांवड़ियों की संख्या के बीच अब यात्रा चरम की ओर बढ़ती दिखाई दे रही है। बड़ी संख्या में कांवड़िये हरिद्वार से गंगाजल लेकर शामली के रास्ते अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। शहर में जगह-जगह कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया जा रहा है। कांवड़ यात्रा में इस बार छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। हरियाणा के हिसार निवासी नौ वर्षीय प्रिंस अपने बड़े भाई मोनू के साथ 11 लीटर जल की कांवड़

लेकर शामली से होकर गुजरा। इतनी कम उम्र में भारी कांवड़ लेकर पैदल चल रहे बालक को देखकर सड़क से गुजर रहे लोग भी हैरान रह गए। कई लोगों ने रुककर बालक का उत्साह बढ़ाया और उसकी तस्वीरें भी खींचीं। वहीं, सोनीपत निवासी दंपती राकेश और कुसुम भी कांवड़ लेकर शामली पहुंचे। दंपती ने बताया कि उन्होंने भगवान शिव की कांवड़ परिवार की सुख-शांति और देश की एकता के लिए उठाई है। उन्होंने भगवान शिव से देश में आपसी भाईचारा और सद्भाव कायम रहने की प्रार्थना की।

दंपती ने कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़िये के भेष में कुछ लोगों द्वारा उत्पात किए जाने पर चिंता जताते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था और भक्ति का पर्व है। इसलिए सभी को इसकी मयार्दा बनाए रखनी चाहिए।

जमीन बंटवारे को लेकर विवाद, गाली देने का विरोध करने पर महिला को पीटा, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। जारचा कोतवाली क्षेत्र के छौलस गांव में जमीन के बंटवारे को लेकर परिवार के लोगों के बीच चल रही बातचीत के दौरान विवाद हो गया। आरोप है कि बातचीत के दौरान एक महिला के साथ गाली-गलौच शुरू कर दी गई। गाली देने का विरोध करने पर आरोपियों ने महिला के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। महिला के पति ने बीच-बचाव का प्रयास किया तो उसके साथ भी मारपीट की गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। घायल महिला को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया। उपचार के करीब तीन सप्ताह बाद महिला ने मामले की प्राथमिकी जारचा कोतवाली में दर्ज कराई है। प्रभारी निरीक्षक कैलाश नाथ ने बताया कि छौलस गांव निवासी सहाना अपने परिवार के साथ रहती हैं। उनके अनुसार 12 जुलाई को दिलशाद के घर पर परिवार के लोग जमीन के बंटवारे को लेकर वार्ता कर रहे थे। इसी दौरान दिलशाद, शमशाद, अनस और कैफ ने सहाना के साथ गाली-गलौच शुरू कर दी। विरोध करने पर चारों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की। महिला का पति बचाव करने पहुंचा तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से फरार हो गए। पुलिस ने महिला की शिकायत पर चारों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है और उनकी तलाश में जुटी है।

जानलेवा हमले के मामले में पुलिस की कार्रवाई, अवैध पिस्टल और कारतूस बरामद

दादरी (शिखर समाचार)। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के धर्मपुरा खेड़ा गांव के समीप वायु एंक्लेव कॉलोनी में पुरानी रंजिश को लेकर घर पर फायरिंग कर जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से अवैध पिस्टल और कारतूस बरामद किए हैं। दोनों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। कोतवाली प्रभारी विजय गुप्ता ने बताया कि धर्मपुरा खेड़ा गांव के समीप वायु एंक्लेव कॉलोनी निवासी भारतीय किसान यूनियन नेता संदीप कुमार पांच अगस्त को अपने घर पर थे। इसी दौरान उनके घर पर पिस्टल से फायरिंग कर जानलेवा हमला किया गया। संदीप कुमार इस हमले में बाल-बाल बच गए थे। घटना के संबंध में कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने मामले की जांच करते हुए गांव निवासी अनुराग उर्फ छोटू और शिवम उर्फ भूरा को रेलवे लाइन के पास से गिरफ्तार कर लिया। अनुराग के कब्जे से अवैध पिस्टल बरामद हुई है। पूछताछ में सामने आया कि अनुराग दूध की डेयरी का व्यवसाय करता है, जबकि शिवम उर्फ भूरा छपरौला स्थित एक कंपनी में कार्यरत है। पुलिस के अनुसार संदीप कुमार से दोनों की पुरानी रंजिश चल रही थी, जिसके चलते घटना को अंजाम दिया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

221 लीटर जल लेकर पहुंची कलश कांवड़ पर पुलिस ने की पुष्पवर्षा, बादलपुर में पुलिस ने कांवड़ियों का किया स्वागत

दादरी (शिखर समाचार)। हरिद्वार से 221 लीटर गंगाजल की कलश कांवड़ लेकर पैदल यात्रा कर ग्रेटर नोएडा पहुंचे श्रद्धालुओं का बादलपुर पुलिस ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। कांवड़ मार्ग पर जगह-जगह बम-बम भोले के जयकारों की गूंज सुनाई दी। कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधा को लेकर पुलिस की ओर से भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। ग्रेटर नोएडा निवासी मन्नू गुर्जर ने 25 मई को हरिद्वार से 221 लीटर जल की कलश कांवड़ यात्रा शुरू की थी। करीब 70 दिन की पैदल यात्रा के बाद कांवड़िया गाजियाबाद के लालकुआं से होते हुए बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के जी रोड पर पहुंचे। यहां पुलिस ने मन्नू गुर्जर सहित अन्य श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। पुलिस की ओर से श्रद्धालुओं को फल और पानी भी वितरित किया गया। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र में प्रवेश के दौरान पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के बीच कांवड़ियों को बॉर्डर पार कराया। इस दौरान कांवड़ मार्ग पर बम-बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने पुलिस की ओर से की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए प्रदेश सरकार और पुलिस प्रशासन का आभार जताया।

बढ़ापुर इलाके में आवारा कुत्तों का आतंक, नदी किनारे चर रही चार बकरियो को उतारा मौत के घाट

बिजनौर (शिखर समाचार)। बढ़ापुर इलाके में खुंखार हो चुके आवारा कुत्तों के झुण्ड ने नदी किनारे चर रही भेड़ बकरियों पर हमला कर दिया जिसमें एक भेड़ व तीन बकरियां मौके पर ही मौत हो गई। जबकि चार बकरियां गायब है ,जिन्हें कुत्ते खीच कर ले गये थे। इस घटना से पशुपालकों व किसानों में डर बना हुआ है बढ़ापुर कोटद्वार मार्ग पर स्थित ग्राम गंजपुरा निवासी शरीफ पुत्र हबीब शाह भेड़ व बकरियां का पालन करता है, जो उसकी रोजी-रोटी का जरिया है जिन्हें वह और उसके परिवार के लोग जंगल व खेतों में चराने ले जाते है। प्रतिदिन की भांति शरीफ का पुत्र सूफियान परिवार के छोटे बच्चों के साथ अपने करीब पचास भेड़ बकरियां चराने के लिए नकटा नदी के किनारे सैलापानी जंगल के पास लेकर गया था, तभी वहां पर नदी मे घूम रहे तीस पैंतीस आवारा कुत्तों के झुण्ड ने भेड़ बकरियों पर हमला कर दिया। खूंखार हो चुके आवारा कुत्तों ने भेड़ बकरियों का बचाव करने पर सूफियान व उसके साथ गये बच्चों पर भी हमला किया । लेकिन बढ़ापुर कोटद्वार मार्ग को ठीक करने के लिए नदी मे रेत के कट्टे भर रहे मजदूरों ने उन्हें बचाया। कुत्तों के हमले में एक भेड़ व तीन बकरियों की मौके पर मौत हो गई जबकि चार बकरियां गायब है जिनके बारे मे संभावना है कि उन्हें कुत्ते खीच कर ले गये जिन्हें अपना शिकार बना लिया है । इस घटना से जंगल व खेतों पर रहने वाले किसानों को अपने पशुओ की चिंता सताने लगी है ।

सेवा में समर्पण, जुबां पर 'बोल बम': बनत कांवड़ शिविर में 24 घंटे भोलों की सेवा

शामली (शिखर समाचार)। बनत समर्पण सेवा ट्रस्ट एवं श्री नामदेव नवयुवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित तृतीय विशाल कांवड़ सेवा शिविर में शिवभक्त कांवड़ियों की 24 घंटे निरंतर सेवा की जा रही है। शिविर में अखंड भंडारे के साथ गोलगप्पे, ठंडी चाट, दूध, घेवर, जलेबी सहित विभिन्न व्यंजनों की व्यवस्था की गई है। रात-दिन स्वयंसेवक शिवभक्तों के भोजन, विश्राम और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था में जुटे हैं। शिविर में पहुंचने वाले कांवड़ियों का श्रद्धा और आत्मीयता से स्वागत किया जा रहा है। 'हर हर महादेव' और 'बोल बम' के जयकारों से पूरा शिविर भक्तिमय बना हुआ है। संस्था के संस्थापक अमन नामदेव ने कहा कि शिवभक्तों की सेवा उनके लिए भगवान शिव की सेवा के समान है। इस अवसर पर अशोक सिंघल, सूरज वर्मा, रजत नामदेव, पिंकू धीमान, चांदवीर सिंह, मोनू कुमार, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. मंजीत पुंडीर व जिला मीडिया प्रभारी राहुल बेदी सहित अनेक स्वयंसेवक मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा में बुढ़ाना में शिवभक्तों पर बरसाए गए फूल

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के बायवाला चौराहे पर पवित्र कांवड़ यात्रा के दौरान आस्था और उत्साह का अनूठा नजारा देखने को मिला। भाजपा नेताओं और कार्यकताओं ने यात्रा पर पुष्प वर्षा कर शिवभक्तों का जोरदार स्वागत किया। क्षेत्र के बायवाला चौराहे से होकर जाने वाले शिवभक्तों पर भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष मोनू मलिक एवं कार्यकताओं ने पुष्प वर्षा शुरू की तो पूरा इलाका "हर-हर महादेव" और "बम-बम भोले" के नारों से गूंज उठा। सड़कों पर बिछे फूलों की चादर के बीच शिवभक्तों का उत्साह देखते ही बनता था। इस भव्य स्वागत से कांवड़ियों में नई ऊर्जा का संचार हुआ और उनके कदम तेजी से अपने गंतव्य की ओर बढ़ चले। इस दौरान पूर्व विधायक उमेश मलिक, पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक ब्रजपाल सहरावत, मंडल अध्यक्ष मोनू ठाकुर, कुलदीप बागड़ी, शिवकांत त्यागी, मुकेश शर्मा, प्रमोद, बादल सैनी, मोहित नाथवंशी, सोनू बालियान, अनुज पांचाल, अनिक, तेलूराम कश्यप आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

रूस पर अमेरिकी शिकंजा, भारत के सामने कूटनीतिक और आर्थिक चुनौती

अमेरिकी सीनेट ने रूस के खिलाफ प्रतिबंधों को और कठोर बनाने वाले विधेयक को भारी बहुमत से पारित कर वैश्विक राजनीति में एक नया मोड़ ला दिया है। 86 के मुकाबले 11 मतों से पारित इस विधेयक में रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर कड़े टैरिफ लगाने का प्रावधान किया गया है। साथ ही ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों को भी और सख्त करने की व्यवस्था की गई है। पहली नजर में यह कदम रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने की अमेरिकी रणनीति का हिस्सा दिखाई देता है, लेकिन इसके दूरगामी प्रभाव रूस तक सीमित रहने वाले नहीं हैं। रूस की ऊर्जा के बड़े खरीदार भारत और चीन हैं, इसलिए अमेरिकी प्रतिबंधों की अगली कड़ी में इन दोनों देशों के सामने भी गंभीर आर्थिक और कूटनीतिक चुनौती खड़ी हो सकती है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अमेरिका अब केवल रूस को निशाना बनाने तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि उन देशों पर भी आर्थिक दबाव बनाने का रास्ता तलाश रहा है जो रूसी ऊर्जा का आयात जारी रखते हैं। सीनेट में दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों का समर्थन मिलना बताता है कि रूस के खिलाफ कठोर नीति को लेकर अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था में व्यापक सहमति बन चुकी है। विधेयक को आगे बढ़ाने में सीनेटर लिंडसे ग्राहम की महत्वपूर्ण भूमिका रही और उनके निधन के बाद उनकी सीट पर नियुक्त सीनेटर डार्लिन ग्राहम ने भी इसे मजबूती से समर्थन दिया। मतदान से पहले रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का उल्लेख करते हुए यह संदेश दिया गया कि कानून का उद्देश्य रूस पर वहीं चोट करना है जहां उसे सबसे अधिक आर्थिक नुकसान हो। यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने रूस पर पहले ही कई स्तरों पर आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं, लेकिन अपेक्षित राजनीतिक परिणाम पूरी तरह सामने नहीं आने के कारण अब दबाव का दायरा बढ़ाने की कोशिश की जा रही है। सवाल यह है कि इस रणनीति का वास्तविक असर कितना होगा और इसकी कीमत कौन चुकाएगा। रूस दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा उत्पादकों में शामिल है और वैश्विक तेल बाजार में उसकी भूमिका इतनी महत्वपूर्ण है कि उसकी आपूर्ति को प्रभावित करने वाली किसी भी नीति का असर अंतरराष्ट्रीय बाजार पर पड़ना स्वाभाविक है। यदि रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर भारी शुल्क लगाया जाता है तो संबंधित देश अपनी ऊर्जा खरीद की रणनीति बदलने के लिए मजबूर हो सकते हैं, लेकिन इसका दूसरा पहलू यह भी है कि अचानक आपूर्ति व्यवस्था बदलने से कच्चे तेल की कीमतों में उतार चढ़ाव बढ़ सकता है। ऊर्जा कीमतों में वृद्धि का सीधा असर परिवहन, उद्योग, बिजली, खाद्य पदार्थों और आम उपभोक्ता की जेब पर पड़ता है। भारत के लिए यह मामला विशेष रूप से संवेदनशील है क्योंकि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करता है। रूस से मिलने वाला अपेक्षाकृत सस्ता कच्चा तेल भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण रहा है। भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल की खरीद के माध्यम से अपनी लागत को नियंत्रित करने में सफलता हासिल की है और इसका लाभ व्यापक अर्थव्यवस्था को भी मिला है। ऐसे में यदि भारत को रूस से ऊर्जा खरीद कम करने या उस पर अमेरिकी दबाव के कारण अतिरिक्त शुल्क का सामना करना पड़ता है तो इसका असर केवल तेल कंपनियों तक सीमित नहीं रहेगा। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत, उत्पादन लागत, परिवहन खर्च और महंगाई पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है। भारत की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी रणनीतिक स्वायत्तता रही है। नई दिल्ली ने कभी भी अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी एक शक्ति के खेमे में पूरी तरह बंधने की नीति नहीं अपनाई।

~ मौलिक चिंतन ~

कुछ लोग संबंधों पर जमी धूल को हटाने के बदले, संबंधों को ही बुहार कर मन के घर से बाहर कर देते हैं।

~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~ ~

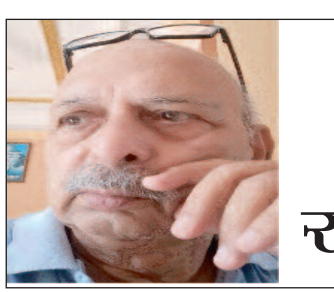

©

विनय संकोची

डिजिटल डिटॉक्स की ओर बढ़ते कदम

कांतिलाल मांडोत

स्मार्टफोन की गिरफ्त से आजादी का नया अभियान, जेन-जी ने समझा कि असली जिंदगी स्क्रीन के बाहर है

स्मार्टफोन ने आधुनिक जीवन को जितना सरल बनाया है, उतना ही उसने मनुष्य को अपनी गिरफ्त में भी ले लिया है। आज स्थिति यह है कि दिन की शुरूआत मोबाइल स्क्रीन से होती है और रात का अंत भी उसी पर होता है। भोजन करते समय, यात्रा के दौरान, पढ़ाई के बीच, परिवार के साथ बैठने पर और यहां तक कि सोने से पहले भी उंगलियां लगातार स्क्रीन पर चलती रहती हैं। कुछ वर्ष पहले तक स्मार्टफोन को तकनीकी प्रगति का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता था, लेकिन अब दुनिया भर में विशेषकर युवाओं के बीच यह एहसास तेजी से बढ़ रहा है कि यही सुविधा धीरे-धीरे एक गंभीर लत का रूप ले चुकी है। यही कारण है कि अब जेन-जी, यानी डिजिटल युग में जन्मी पीढ़ी, स्वयं इस आदत से छुटकारा पाने के लिए नए-नए तरीके अपना रही है। डिजिटल डिटॉक्स अब केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक वैश्विक आंदोलन बनता जा रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि जिस पीढ़ी ने बचपन से इंटरनेट, सोशल मीडिया और स्मार्टफोन के साथ जीवन बिताया, वही आज सबसे अधिक स्क्रीन से दूरी बनाने की कोशिश कर रही है। उन्हें महसूस होने लगा है कि लगातार आने वाले नोटिफिकेशन, सोशल मीडिया पर अंतहीन स्क्रॉलिंग और हर समय ऑनलाइन बने रहने की मजबूरी ने उनकी एकाग्रता, मानसिक शांति और वास्तविक रिश्तों को प्रभावित किया है। यही वजह है कि अब युवा डिजिटल डिटॉक्स एप्स, लॉक बॉक्स, टाइमर आधारित तिजोरियों और साधारण कीपैड या फ्लिप फोन का सहारा ले रहे हैं, ताकि वे कुछ घंटों के लिए ही सही, मोबाइल से पूरी तरह दूर रह सकें।

दुनिया में डिजिटल डिटॉक्स का बाजार तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे एप्स और उपकरण तैयार किए जा रहे हैं जो निश्चित समय तक मोबाइल को लॉक कर देते हैं। लोग हजारों रुपये खर्च करके ऐसे गैजेट खरीद रहे हैं, जिनमें मोबाइल रखने के बाद तय समय से पहले उसे निकाला ही नहीं जा सकता। यह स्थिति अपने आप में बताती है कि जिस तकनीक को जीवन आसान बनाने के लिए बनाया गया था, उसी से दूरी बनाने के लिए अब नया उद्योग खड़ा हो गया है। यह केवल बाजार का विस्तार नहीं, बल्कि समाज की बदलती मानसिकता का संकेत भी है।

असल में स्मार्टफोन की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह केवल एक संचार माध्यम नहीं रहा। वह मनोरंजन, खरीदारी, बैंकिंग, पढ़ाई, काम, समाचार और सोशल मीडिया का केंद्र बन चुका है। ऐसे में व्यक्ति बिना किसी विशेष कारण के भी बार-बार फोन देखने लगता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हर नोटिफिकेशन मस्तिष्क में उत्सुकता और त्वरित संतुष्टि की भावना पैदा करता है। धीरे-धीरे यही आदत लत में बदल जाती है। इसका सबसे अधिक असर बच्चों और किशोरों पर पड़ता है, क्योंकि उनका मानसिक और सामाजिक विकास अभी पूरी तरह नहीं हुआ होता।

भारत में भी यह समस्या तेजी से बढ़ रही है। छोटे-छोटे बच्चों के हाथों में महंगे स्मार्टफोन आसानी से दिखाई देने लगे हैं। कई माता-पिता बच्चों को शांत रखने या व्यस्त रखने के लिए मोबाइल थमा देते हैं। कुछ समय के लिए यह सुविधा भले ही आसान लगती हो, लेकिन लंबे समय में यही आदत बच्चों की पढ़ाई, रचनात्मकता, शारीरिक गतिविधियों और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित करती है। बच्चे खेल के मैदान छोड़कर स्क्रीन पर सिमट जाते हैं। किताबों की जगह छोटे वीडियो ले लेते हैं और परिवार के साथ बातचीत की जगह मोबाइल उनका साथी बन जाता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा अभिभावकों से बच्चों को अनावश्यक रूप से स्मार्टफोन न देने की अपील इसी बढ़ती चिंता का प्रमाण है। यह केवल एक राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि समाज को चेतावनी देने वाला संदेश है। यदि बचपन ही स्क्रीन की गिरफ्त में बीत जाएगा, तो आने वाली पीढ़ी वास्तविक जीवन के अनुभवों से वंचित रह जाएगी। बच्चे प्रकृति, खेल, मित्रता, संवाद और पारिवारिक संस्कारों से दूर होते जाएंगे। इसलिए केवल सरकार ही नहीं, बल्कि हर माता-पिता और शिक्षक की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में तकनीक के संतुलित उपयोग की आदत विकसित करें।

डिजिटल डिटॉक्स का अर्थ तकनीक का विरोध करना नहीं है। आज शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय और प्रशासन सभी क्षेत्रों में डिजिटल माध्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका है। समस्या तकनीक नहीं, बल्कि उसका अनियंत्रित उपयोग है। यदि मोबाइल आवश्यक कार्यों तक सीमित रहे और उसके बाद व्यक्ति परिवार, पुस्तक, खेल, व्यायाम और समाज के लिए समय निकाले, तो तकनीक वरदान बनी रह सकती है। लेकिन यदि पूरा दिन स्क्रीन पर बीतने लगे, तो वही सुविधा मानसिक तनाव, अकेलेपन, अनिद्रा और कार्यक्षमता में कमी का कारण बन जाती है।

आज कई युवा अपने मित्रों के साथ मिलने पर नो-फोन नियम अपना रहे हैं। कुछ लोग सप्ताह में एक दिन सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बना लेते हैं। अनेक परिवार भोजन के समय मोबाइल का उपयोग बंद करने का नियम बना रहे हैं। स्कूलों और कॉलेजों में भी मोबाइल के सीमित उपयोग पर चर्चा बढ़ रही है। यह बदलाव बताता है कि समाज अब डिजिटल संतुलन की आवश्यकता को समझने लगा है।

भारत जैसे युवा देश के लिए यह विषय और भी महत्वपूर्ण है। यदि युवाओं का समय केवल स्क्रीन पर ही खर्च होता रहेगा, तो उनकी प्रतिभा, नवाचार क्षमता और उत्पादकता प्रभावित होगी। देश की प्रगति के लिए आवश्यक है कि युवा तकनीक का उपयोग ज्ञान, कौशल और रोजगार के लिए करें, न कि केवल मनोरंजन और अंतहीन स्क्रॉलिंग के लिए। वास्तविक सफलता मोबाइल की स्क्रीन पर नहीं, बल्कि वास्तविक दुनिया में किए गए परिश्रम, अध्ययन और अनुभवों से मिलती है।

डिजिटल डिटॉक्स की शुरूआत किसी बड़े अभियान से नहीं, बल्कि छोटी-छोटी आदतों से हो सकती है। प्रतिदिन कुछ समय मोबाइल से दूरी, परिवार के साथ संवाद, पुस्तक पढ़ने की आदत, नियमित खेलकूद, प्रकृति के बीच समय बिताना और अनावश्यक नोटिफिकेशन बंद करना जैसे सरल कदम जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। जब व्यक्ति स्क्रीन से बाहर निकलकर वास्तविक दुनिया को देखने लगता है, तभी उसे महसूस होता है कि जीवन की सबसे सुंदर खुशियां किसी ऐप में नहीं, बल्कि अपने लोगों, अपने अनुभवों और अपने सपनों में छिपी होती हैं।

आज दुनिया के युवा जिस डिजिटल डिटॉक्स की ओर बढ़ रहे हैं, वह केवल एक नई जीवनशैली नहीं, बल्कि संतुलित और स्वस्थ भविष्य की आवश्यकता है। भारत को भी इस दिशा में गंभीरता से आगे बढ़ना होगा। यदि अभिभावक, शिक्षक, समाज और सरकार मिलकर बच्चों और युवाओं को तकनीक के विवेकपूर्ण उपयोग की शिक्षा दें, तो आने वाली पीढ़ी मोबाइल की कैद में नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार और सृजन की खुली दुनिया में अपना भविष्य गढ़ सकेगी। यही समय की मांग है और यही वास्तविक डिजिटल क्रांति भी।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आदिवासी अस्मिता और विकास की वर्तमान राजनीति

राज कुमार सिन्हा

मूलनिवासियों के अधिकारों की रक्षा, उनके संरक्षण और उनके योगदान के सम्मान के लिए समर्पित है।विश्वभर के मूलनिवासियों के मानवाधिकारों की रक्षा करना और उनकी अनूठी सांस्कृतिक पहचान तथा पर्यावरण संरक्षण में उनके योगदान को मान्यता देना है।भारत की कुल आबादी में लगभग 8.6 प्रतिशत आदिवासी हैं, लेकिन विकास परियोजनाओं और वनों के दोहन के कारण हो रहे विस्थापन में उनका अनुपात लगभग 40 प्रतिशत तक है। विकास परियोजनाओं, खनन, बांध, परमाणु परियोजनाओं, औद्योगिक कॉरिडोर और वन संरक्षण के नाम पर सबसे अधिक विस्थापन का बोझ इन्हीं समुदायों ने उठाया है। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर राज्यों के आदिवासी आज भी जल, जंगल और जमीन पर अपने संवैधानिक अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। जल, जंगल और जमीन से बेदखल होकर ये समुदाय शहरों और बाहरी इलाकों में सस्ते मजदूर बनने को मजबूर हो जाते हैं। अपने देवस्थलों, पैतृक जमीनों और समुदाय से दूर होने के बाद वे अपनी पारंपरिक पहचान खोने लगते हैं। विस्थापितों के बच्चे अक्सर शिक्षा से वंचित हो जाते हैं। नई जगहों पर कुपोषण, आधारभूत स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।सरकारी मुआवजा अक्सर नाकाफी होता है और सही पुनर्वास के अभाव में विस्थापित परिवार शरणार्थी जैसा जीवन जीने को विवश हैं।

आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, पोषण और संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी आज भी गंभीर चुनौती बनी हुई है। कुपोषण, मातृ एवं शिशु मृत्यु दर, मलेरिया, सिकल सेल एनीमिया तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अभाव आदिवासी समाज के विकास में बड़ी बाधाएं हैं। युवाओं में बेरोजगारी और पलायन लगातार बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश में विस्थापन की मार झेल रहे आदिवासियों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति अत्यंत चिंताजनक और हाशिए पर है। राज्य की कुल आबादी का लगभग 21.1 प्रतिशत आदिवासी है, जो देश में सबसे अधिक है, लेकिन सिंचाई परियोजनाओं (जैसे नर्मदा घाटी परियोजनाएं), खनन और वन्यजीव अभ्यारण्यों के कारण इन्हें बार-बार विस्थापन का दंश झेलना पड़ता है। विस्थापन के कारण आदिवासियों का जंगलों और कृषि से सदियों पुराना नाता टूट जाता है। इमारती लकड़ी, औषधीय पौधे और लघु वनोपज से मिलने वाला रोजगार समाप्त हो जाता है।वन क्षेत्रों और कृषि भूमि के छिनने के बाद मिलने वाला मौद्रिक मुआवजा अक्सर अपर्याप्त होता है। पैसे के सही प्रबंधन और आधुनिक अर्थव्यवस्था की जानकारी न होने से वे पीढ़ियों तक गरीबी चक्र में फंसे रहते हैं। जंगलों और प्रकृति के नजदीक रहने वाले यह आदिवासी विकास होने पर अपनी जगह से खदेड़ दिये जाते हैं, जो किसी भी गांव या शहरों के जनजीवन से सामंजस्य मिला पाने में पूरी तरह विफल रहते हैं। क्योंकि इनकी अपनी जीवनशैली है, खान-पान और रहने का एक अलग सलीका है। अपने जगह से उजड़ने के बाद वनों में उपलब्ध विविधतापूर्ण प्राकृतिक भोजन की जगह शहरों के कम पोषक तत्वों वाली आहार ने ले ली है। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लगभग 58.58 प्रतिशत आदिवासी परिवार गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं।आदिवासी समाज को आम तौर पर आर्थिक रूप से कमजोर माना जाता है, लेकिन उस प्रक्रिया का कोई अध्ययन ही नहीं होता जिसके परिणामस्वरूप उसे गरीबी के अंधेरे में धकेला गया। उनके आर्थिक पिछड़ेपन के अध्ययनों ने उनकी अर्थव्यवस्था और स्वायत्तता को समझने का कोई प्रयास ही नहीं किया। आदिवासियों की अपनी जीवन-शैली, दर्शन, इतिहास, भाषा, साहित्य और चिंतन है, इस पर कोई गौर ही नहीं किया गया। इसी नासमझी के परिणामस्वरूप आदिवासियों को कथित मुख्यधारा में जोड़ने की अवधारणा विकसित हुई।आज सभी आदिवासियों का विकास करना चाहते हैं, लेकिन कोई उनसे नहीं पूछता कि क्या वे विकास की इस अंधी दौड़ में शामिल होना भी चाहते हैं या नहीं। यूं तो विकास प्रकृति का स्वाभाविक नियम है, लेकिन यहां हम विकास के पीछे छिपी पूंजीवादी ताकतों के एजेंडे की बात कर रहे हैं। पूंजीवादी प्रणाली में उत्पादन और वितरण सामाजिक समानता, न्याय और पर्यावरण की सुरक्षा की बजाय निजी मुनाफे से संचालित होती है। प्राकृतिक संसाधनों के दोहन और विनाश पर अधारित विकास के कारण उन समुदायों को विस्थापित होना पड़ता है जो इन संसाधनों पर निर्भर हैं।देश और प्रदेश में विकास का मॉडल विस्थापन-विहीन विकास पर आधारित होना चाहिए। सरकार को भूरिया समिति की अनुशंसाओं को पूरी तरह लागू करने की दिशा में ठोस कदम उठाने चाहिए। मध्यप्रदेश में वर्ष 1998झ्र99 में भूरिया समिति के ढांचे को स्वीकार किया गया था। इस ढांचे के अनुसार अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभा की केंद्रीय भूमिका सुनिश्चित की गई है तथा ग्राम सभा की सहमति के बिना भूमि का हस्तांतरण या अधिग्रहण नहीं किया जा सकता। सरकार द्वारा अनुसूचित क्षेत्रों में किया जाने वाला कोई भी विकास कार्य ग्राम सभा की पूर्व सहमति के बाद ही आगे बढ़ाना चाहिए।विकास की ऐसी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए जिसमें स्थानीय लोगों की भागीदारी और अधिकार सुनिश्चित हों। अब केवल विकास करते रहना ही जरूरी नहीं है, बल्कि अब विकास और विकास नीतियों की समीक्षा जरूरी है ।1986 मे संयुक्त राष्ट्र संघ ने विकास के अधिकार की उदघोषणा तैयार की ,जिस पर भारत सहित अनेक राष्ट्रों ने हस्ताक्षर किए हैं ।इस संधि के अनुसार विकास सभी नागरिकों का अधिकार है ।विकास परियोजना के लिए तीन मापदंड निर्धारित किये गए हैं, (1)प्रभावित वयक्तियों की सहमति, (2)परियोजना में निर्मित संसाधन के लाभ में हिस्सेदारी तथा (3)विकास के प्रभावितो का आजीविका के संसाधनों पर अधिकार ।

ढाका की राजनीति और भारत-बांग्लादेश संबंधों की नई परीक्षा

ललित गर्ग

लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल या नेता से असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति का समाधान न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाओं के माध्यम से होना चाहिए। यदि किसी नेता की लोकप्रियता का उत्तर प्रतिबंध, दमन या भय के वातावरण से दिया जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा दिसंबर 2026 में स्वदेश लौटने की घोषणा केवल एक राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की बदलती भू-राजनीति, लोकतांत्रिक मूल्यों और भारत-बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम बन गया है। जिस समय बांग्लादेश की राजनीति सत्ता परिवर्तन, वैचारिक ध्रुवीकरण और संस्थागत अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, उसी समय शेख हसीना ने यह घोषणा कर राजनीतिक विमर्श को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। उनका यह कहना कि ह्यगिरफ्तारी, जेल या मृत्यु का भय भी उन्हें अपने देश लौटने से नहीं रोक सकताह्ल, उनके समर्थकों के लिए भावनात्मक आह्वान है तो विरोधियों के लिए एक बड़ी राजनीतिक चुनौती। बांग्लादेश में पिछले वर्ष सत्ता परिवर्तन के बाद जो राजनीतिक वातावरण बना, उसमें लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और राजनीतिक सहिष्णुता पर लगातार प्रश्न उठते रहे हैं। बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा शेख हसीना के विरुद्ध सुनाया गया फैसला और उसके बाद उनके समर्थकों पर बढ़ती कार्रवाइयों ने यह संकेत दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा धीरे-धीरे प्रतिशोध की राजनीति में बदलती जा रही है। हाल ही में उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल रहे पूर्व क्रिकेट कप्तान साकिब अल हसन के घर पर हुआ हमला भी इस बात का संकेत है कि राजनीतिक असहमति अब सामाजिक तनाव का रूप लेने लगी है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री तारिक रहमान के एक करीबी सहयोगी द्वारा शेख हसीना को ह्यतुरंत लौटकर सामना करनेह्ल की चुनौती देना बताता है कि बांग्लादेश का राजनीतिक वातावरण अभी भी सामान्य नहीं हुआ है।

लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल या नेता से असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति का समाधान न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाओं के माध्यम से होना चाहिए। यदि किसी नेता की लोकप्रियता का उत्तर प्रतिबंध, दमन या भय के वातावरण से दिया जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती है। शेख हसीना की वापसी को केवल एक व्यक्ति की वापसी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की परीक्षा के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि अवामी लीग को राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर रखने की कोशिश होती है, तो यह बांग्लादेश के लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाएगा। वास्तविकता यह भी है कि बांग्लादेश की राजनीति आज केवल अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनललिस्ट पार्टी (बीएनपी) के बीच सत्ता संघर्ष तक सीमित नहीं रह गई है। अब यह संघर्ष

राष्ट्र की ऐतिहासिक पहचान, 1971 के मुक्ति संग्राम की विरासत और भविष्य की वैचारिक दिशा का भी बन चुका है। अवामी लीग स्वयं को मुक्ति संग्राम की मूल चेतना का प्रतिनिधि बताती है, जबकि बीएनपी भी अब उसी विरासत पर अपना दावा प्रस्तुत कर रही है। इतिहास की इस प्रतिस्पर्धी व्याख्या ने राजनीतिक ध्रुवीकरण को और गहरा किया है। ऐसी परिस्थितियों में शेख हसीना की वापसी केवल राजनीतिक समीकरण नहीं बदलेगी, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श की दिशा भी प्रभावित करेगी।

इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत और बांग्लादेश के संबंध केवल दो पड़ोसी देशों के रिश्ते नहीं हैं, बल्कि साझा इतिहास, संस्कृति, भाषा, आर्थिक सहयोग और सामरिक हितों पर आधारित हैं। पिछले डेढ़ दशक में दोनों देशों के संबंधों में अभूतपूर्व निकटता आई, जिसका एक बड़ा आधार शेख हसीना सरकार और नई दिल्ली के बीच बना विश्वास था। सीमा विवादों का समाधान, ऊर्जा सहयोग, संपर्क परियोजनाएं, आतंकवाद के विरुद्ध साझा कार्रवाई तथा पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई। लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिवर्तन ने इस विश्वास की नई परीक्षा शुरू कर दी है। नई दिल्ली ने एक ओर शेख हसीना को सुरक्षा और आश्रय दिया है, वहीं दूसरी ओर उसने ढाका की नई सरकार से संवाद भी जारी रखा है। यही परिपक्व कूटनीति का परिचायक है। भारत के सामने चुनौती किसी एक राजनीतिक दल के साथ खड़ा दिखाई देने की नहीं, बल्कि पूरे बांग्लादेश के साथ स्थायी और संतुलित संबंध बनाए रखने की है। इसी संदर्भ में नई दिल्ली में आयोजित होने वाला बारहवाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर बन सकता है। यदि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान इसमें भाग लेते हैं और भारत के शीर्ष नेतृत्व के साथ सकारात्मक संवाद होता है, तो दोनों देशों के बीच हाल के तनावों को कम करने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यह केवल औपचारिक शिखर बैठक नहीं होगी, बल्कि दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली का अवसर भी होगी। भारत को इस मंच का उपयोग केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता, लोकतांत्रिक मूल्यों और सुरक्षा सहयोग पर भी स्पष्ट संवाद स्थापित करना चाहिए।

भारत के सामने अनेक जटिल प्रश्न भी हैं। गंगा जल संधि के नवीनीकरण, तीस्ता जल बंटवारे, सीमा-पार व्यापार, अवैध घुसपैठ, सीमा सुरक्षा तथा शेख हसीना के प्रत्यर्पण जैसे मुद्दे आने वाले समय में द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करेंगे। इनमें किसी भी विषय पर भावनात्मक या राजनीतिक प्रतिक्रिया के बजाय कानूनी, कूटनीतिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक होगा। विशेष रूप से प्रत्यर्पण का प्रश्न केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानून और राजनीतिक परिस्थितियों से भी जुड़ा हुआ है। भारत को अपनी संधियों, न्यायिक प्रक्रियाओं और रणनीतिक हितों के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ना होगा। दूसरी ओर बांग्लादेश में चीन का बढ़ता प्रभाव भी नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय है। वर्तमान सरकार के शुरूआती महीनों में चीन के साथ बढ़ते संपर्क और सामरिक महत्व की परियोजनाओं पर समझौते इस बात का संकेत हैं कि ढाका अपनी विदेश नीति में संतुलन साधने का प्रयास कर रहा है। भारत के लिए आवश्यक है कि वह प्रतिस्पर्धा की मानसिकता के बजाय विश्वास और विकास की साझेदारी को प्राथमिकता दे। यदि भारत आर्थिक सहयोग, निवेश, आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी साझेदारी के नए अवसर विकसित करता है, तो दोनों देशों के संबंध और अधिक मजबूत हो सकते हैं।

शेख हसीना की वापसी का प्रश्न अंततः बांग्लादेश के लोकतांत्रिक चरित्र की परीक्षा है। यदि उन्हें निष्पक्ष राजनीतिक अवसर मिलता है, तो जनता स्वयं तय करेगी कि भविष्य का नेतृत्व किसे सौंपना है। लेकिन यदि राजनीतिक प्रतिशोध, दमन और हिंसा का वातावरण बना रहता है, तो इससे न केवल बांग्लादेश की लोकतांत्रिक साख प्रभावित होगी, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। भारत को इस पूरे घटनाक्रम में संयम, संतुलन और दूरदृष्टि के साथ आगे बढ़ना होगा। न तो उसे किसी आंतरिक राजनीतिक विवाद का पक्षकार बनना चाहिए और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों की उपेक्षा करनी चाहिए। भारत की विदेश नीति का मूल उद्देश्य एक स्थिर, शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और समृद्ध पड़ोस होना चाहिए। यही उसकी सुरक्षा, आर्थिक प्रगति और क्षेत्रीय नेतृत्व के लिए सबसे अनुकूल स्थिति होगी।

आज आवश्यकता किसी राजनीतिक विजय की नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता की है। बांग्लादेश को यह सिद्ध करना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव का नाम नहीं, बल्कि विपक्ष के सम्मान, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी और राजनीतिक सहिष्णुता का भी नाम है। वहीं भारत को यह दिखाना होगा कि वह पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को व्यक्तियों के बजाय संस्थागत विश्वास, पारस्परिक सम्मान और साझा हितों के आधार पर आगे बढ़ाने में सक्षम है। दिसंबर 2026 में यदि शेख हसीना वास्तव में बांग्लादेश लौटती हैं, तो वह केवल एक नेता की वापसी नहीं होगी, वह बांग्लादेश के लोकतंत्र, भारत की कूटनीतिक परिपक्वता और दक्षिण एशिया की राजनीतिक स्थिरता की एक साथ परीक्षा होगी। यदि इस चुनौती को संवाद, लोकतांत्रिक मयार्दा और विवेकपूर्ण कूटनीति के साथ संभाला गया, तो यह संकट दोनों देशों के संबंधों में एक नए विश्वास और नई शुरूआत का आधार भी बन सकता है। यही समय की सबसे बड़ी मांग है। यहां एक बड़ा प्रश्न यह भी है कि शेख हसीनाा के बांग्लादेश यानी वतन-वापसी से वहां राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को नई धार मिलेगी या फिर वह और अधिक बंट जाएंगी?

जब से कंप्यूटर आया है, तब से बाहर जाकर खेलने की तो जैसे फुरसत ही नहीं मिलती तुम बच्चों को। पर क्या तुम जानते हो कि आउटडोर खेल तुम्हारे संपूर्ण विकास के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। क्या खेलोगे, किसके साथ और कब...यह सब आज हम तुम्हें बता रहे हैं।

बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं आउटडोर खेल

घर के बाहर जाकर खेलने के काफी फायदे हैं। तुम अपने दोस्तों के और करीब आते हो, टीमवर्क समझ आता है और तुम खूब बढ़ते हो। आउटडोर खेल ऐसे नहीं होते जिन्हें सर्दी-गर्मी के हिसाब से खेला जाए। तुम किसी भी खेल को कभी भी खेल सकते हो। बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट के अलावा कई पारंपरिक खेल भी खेल सकते हो।

ट्रेजर आइलैंड

डोरेमॉन में तुमने इसका नाम सुना होगा। वहां जाकर नोबिता और उसके दोस्त मस्ती करते हैं। लेकिन हम जिस ट्रेजर आइलैंड की बात कर रहे हैं, उसे अलग-अलग जगहों पर कई तरह के नामों से जाना जाता है। इस गेम में दो टीम बनानी होती हैं। इसमें पहली टीम किसी भी चीज को खजाना बना कर छुपा देती है। फिर पहली टीम, दूसरी टीम के लिए क्लू बनाती है। उन क्लूज को फॉलो करते हुए उस खजाने तक पहुंचना होता है। इसमें तुम टाइमिंग भी शामिल कर सकते हो। जो भी टीम खजाने को ढूंढ़ने में सफल हो जाती है, वह जीती हुई मानी जाती है।

छुपन-छुपाई

यह खेल सबसे पुराना है। तुम्हारे मम्मी-पापा ने भी इसे बचपन में जरूर खेला होगा। इसमें खूब सारे बच्चे एक साथ इकट्ठे होते हैं। एक बच्चे को डेन चुना जाता है। डेन चुनने के लिए तुम अक्कड़-बक्कड़ का सहारा ले सकते हो। फिर बाकी बचे सभी बच्चे अलग-अलग जगहों पर छुप जाते हैं और डेन उन्हें ढूंढ़ता है। जिस बच्चे को वह सबसे पहले ढूंढ़ लेता है, अगली बार उसे ही डेन बनना होता है। लेकिन एक को ढूंढ़ने से ही काम नहीं चलता। उसे सभी को ढूंढ़ना होता है। अगर कोई छुपा बच्चा पीछे से जाकर उसे धप्पा कर दे तो डेन को फिर दोबारा डेन बनना होता है।

स्टापू

इस खेल में जमीन में चौकोर बॉक्सेज डिजाइन कर दिए जाते हैं। फिर इनमें एक से दस तक गिनती लिखी जाती है। हर बच्चा एक-एक करके दस खानों में स्टापू फेंकता है। लंगड़ी करते हुए उस पत्थर तक पहुंचना होता है और उसे पैर से खिसकाते हुए वापस लाना होता है। इस गेम से ब्रीदिंग प्रैक्टिस होती है और हमारे पैर बेहद मजबूत होते हैं।

स्पाइंग गेम्स

ये चोर-पुलिस की तरह का गेम होता है। इसमें दो टीम होती हैं। एक टीम चोर बनती है तो दूसरी पुलिस। पुलिस वाली टीम चोर वाली टीम को खोज कर उसे कैद करती है।

क्रिकेट

इसका जन्म इंग्लैंड में हुआ था। क्रिकेट के पहले क्लब की स्थापना 1787 में हुई थी और पहला टैस्ट मैच 1877 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मेलबर्न में खेला गया था। शुरुआत में क्रिकेट में टैस्ट मैच ही खेला जाता था, वनडे मैच की शुरुआत 1971 में हुई। पहला वनडे मैच भी इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच ही खेला गया था। तुमने आईसीसी का नाम तो जरूर सुना होगा। आईसीसी का पूरा नाम इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल है। जितने भी अंतरराष्ट्रीय मैच होते हैं, सभी की रूपरेखा आईसीसी निर्धारित करती है और वर्ल्ड कप का आयोजन करती है। अब तक क्रिकेट का वर्ल्ड कप सबसे ज्यादा पांच बार ऑस्ट्रेलिया ने जीता है, वहीं भारत दो बार विश्व विजेता बना है।

हॉकी

हमारे देश भारत का राष्ट्रीय खेल हॉकी है। ब्लैकहीथ एबी एंड क्लब को हॉकी का पहला संगठित क्लब माना जाता है। इसकी स्थापना 1861 में हुई थी। हॉकी का पहला इंटरनेशनल मैच 1895 में वेल्स और इंग्लैंड के बीच खेला गया था और पहला वर्ल्ड कप 1971 में पाकिस्तान और स्पेन के बीच खेला गया था, जिसमें पाकिस्तान ने खिताब अपने नाम किया था। जानते हो, ओलंपिक में सबसे ज्यादा आठ बार भारत ने हॉकी का मैच जीता है।

फुटबॉल

तुममें से काफी बच्चों को फुटबॉल खेलना पसंद होगा। जानते हो इस खेल का जन्मदाता भी इंग्लैंड ही है। भारत में अंग्रेज इस खेल को लाए और यहां के लोगों को खेलना सिखाया। फुटबॉल का पहला क्लब 1857 में स्थापित किया गया। इसका नाम शेफील्ड फुटबॉल क्लब था। फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा है। फुटबॉल का पहला वर्ल्ड कप वर्ष 1930 में उरुग्वे और अर्जेंटीना के बीच खेला गया था, जिसमें उरुग्वे विजेता घोषित किया गया।

टेबल टेनिस

इस खेल का जन्म भी इंग्लैंड में ही हुआ था। वर्ष 1926 में इंटरनेशनल टेबल टेनिस एसोसिएशन की स्थापना हुई। इसका पहला वर्ल्ड चैंपियनशिप मैच 1927 में खेला गया।

वॉलीबॉल

वॉलीबॉल का जन्मदाता यूएसए है। 1895 में इसकी शुरुआत हुई। वॉलीबॉल की प्रमुख संस्था इंटरनेशनल वॉलीबॉल फेडरेशन की स्थापना 1948 में हुई और पहला वर्ल्ड कप 1949 में हुआ। तो तुम भी खेलो इसे दोस्तों के साथ।

बास्केटबॉल

इस खेल का जन्म अमेरिका में हुआ था। 1891 में जेम्स नेस्मिथ नामक अमेरिकी ने इसे खेलना शुरू किया। पहला मैच 1930 में खेला गया। बास्केटबॉल की सर्वोच्च संस्था फेडरेशन इंटरनेशनल डे बॉस्केटबॉल एसोसिएशन 1932 में बनी।

पिट्टू

इस खेल में भी दो टीमें होती हैं। एक टीम पत्थरों से बने पिरामिड को बॉल से तोड़ती है और फिर से उस पिरामिड को बनाने की कोशिश करती है, जबकि दूसरी टीम पिरामिड बनाने वाली टीम के सदस्य को बॉल मार कर आउट करने की कोशिश करती है।

बैडमिंटन

ऐसा माना जाता है कि बैडमिंटन की शुरुआत भी इंग्लैंड में हुई। इसकी प्रमुख संस्था इंटरनेशनल बैडमिंटन फेडरेशन का गठन 1934 में किया गया।

ये होंगे फायदे

आउटडोर गेम्स से हमें कई नए दोस्त मिलते हैं, जो हमारे घर के आसपास रहते हैं और जिनसे स्कूल आने-जाने, होमवर्क और इनडोर गेम्स में बिजी रहने की वजह से हम मिल नहीं पाते। इसके अलावा, बाहर निकल कर खेलने से पढ़ाई और आसपास की तमाम दूसरी चीजों के बारे में सीख सकते हो। सबसे बड़ा फायदा तो यह है कि आउटडोर गेम्स से तुम्हारा शरीर चुस्त रहेगा, भूख ज्यादा लगेगी और तुम बीमार भी नहीं पड़ोगे। इन गेम्स में कई ऐसे गेम्स भी हैं, जिनमें एक्सपर्ट होने पर तुम उस गेम की डिस्ट्रिक्ट, स्टेट और नेशनल टीम में चुने जा सकते हो, जैसे बैडमिंटन, कबड्डी, खो-खो, बास्केटबॉल। आउटडोर गेम्स से एक बेहतर कॅरियर भी मिल सकता है।

बनी कैसे ऊन?

दोस्तों, क्या तुमने कभी यह सोचा है कि जिस ऊन का स्वेटर पहन हम सर्दी से बचते हैं, वह बनी कैसे? जरूर वो इंसान बहुत ही बुद्धिमान होगा, जिसने भेड़ को देखकर उससे ऊन बनाने के प्रयोग करने के बारे में सोचा होगा। यह माना जाता है कि बुनने के लिए ऊन का ही सर्वप्रथम उपयोग प्रारंभ हुआ। ऊनी वस्त्रों के टुकड़े मिस्त्र बैबिलोन की कब्रों, पुरातन ब्रिटेन निवासियों के झोपड़ों के साथ मिले हैं। रोमन आक्रमण से पहले भी ब्रिटेन वासी इनका उपयोग करते थे। विंचेस्टर फैक्टरी ने ऊन का तरह-तरह से इस्तेमाल करना शुरू किया। इसके बाद इसका इंग्लैंड में खूब प्रयोग किया जाने लगा। हेनरी द्वितीय ने कानून, वस्त्रहाट और बुनकारी संघ बनाकर इस उद्योग को प्रोत्साहित किया। सन् 1788 में हार्टफोर्ड (अमेरिका) में जल-शक्ति-चालित ऊन फैक्टरी आरंभ हुई। ऊन सफेद, काले और भूरे रंग में ही मिलती है। पालतू भेड़ों की ऊन सफेद रंग की होती है। रंगीन ऊन सबसे अधिक पुरानी नस्ल की उन भेड़ों से मिली है, जो कालीन बुनने लायक मोटे किस्म की ऊन पैदा करती हैं।

नीदरलैंड में है दुनिया का पहला माइक्रोब जू

नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में दुनिया का पहला माइक्रोब जू यानी सूक्ष्म जीव 'वाटिका' खुला है। माइक्रोपिया नामक इस जीव-जंतु वाटिका को शहर के उस जंतु पार्क 'आर्टिस' में खोला गया है जिसकी स्थापना 176 साल पहले हुई थी। यह दुनिया की सबसे पुरानी जीव-जंतु वाटिकाओं में से एक है।

140 वर्ष पुरानी इमारत में रखा एक खूबसूरत भूरे रंग का बक्सा बैक्टीरिया, फंगस, काई तथा अन्य एक कोशिका वाले जीवों का आवास है। ये वे जीव हैं जिन्हें नंगी आंखों से देखा नहीं जा सकता परंतु धरती पर जीवन इनसे ही संभव है। वैज्ञानिकों का विश्वास है कि सूक्ष्म जीवों में से केवल 1 प्रतिशत के बारे में ही आज तक इंसान जान सका है। कई लोगों के लिए सूक्ष्म जीव नफरत व भय की भावनाएं पैदा करते हैं। दरअसल, यह डर उस चीज से है जिसके बारे में उन्हें ज्यादा जानकारी नहीं है और लोगों के मन से सूक्ष्म जीवों के बारे में इसी डर को दूर करना इस जीव-जंतु वाटिका का पहला मकसद है। हेग कहते हैं कि यदि हम प्रकृति को जानना चाहते हैं तो हमें सूक्ष्म जीवों को भी जानना होगा। वैज्ञानिकों के अनुसार इंसान इन सूक्ष्म जीवों से बेशक नफरत करता हो लेकिन हर इंसान का शरीर अरबों सूक्ष्म जीवों का घर होता है। केवल इंसानों की एड़ी में ही 80 प्रकार के अलग-अलग सूक्ष्म जीव पाए जाते हैं। इस बात की पुष्टि के लिए यहां आने वाला हर व्यक्ति अपने शरीर का बॉडी स्कैन करवा कर देख सकता है।

चाहें तो यहां एक अन्य दिलचस्प तरीका भी है। एक जगह फर्श पर लाल रंग का दिल बना है। जैसे ही यहां खड़े होकर कोई जोड़ा एक-दूसरे का चुम्बन लेता है, करीब लगे 'किस' मीटर की स्क्रीन पर नम्बर बढ़ते जाते हैं, जब तक कि मीटर में से संदेश न आने लगे कि 'आप दोनों ने अभी 10 लाख सूक्ष्म जीवों का आदान-प्रदान किया है।' माइक्रोपिया में दिखाया जाता है कि सूक्ष्म जीव कैसे जीते हैं, कैसे भोजन करते हैं और कैसे प्रजनन करते हैं? बैक्टीरिया इतने छोटे होते हैं कि एक सूई की नोक पर 10 लाख बैक्टीरिया आराम से समा सकते हैं। डच विश्वविद्यालय के सूक्ष्म जीव विज्ञानी इन धारणाओं पर 12 साल से अधिक वक्त से माथापच्ची कर रहे हैं।

यहां उन सूक्ष्म जीवों को प्रदर्शित किया गया है जो कृत्रिम वातावरण में भी जीवित रह सकते हैं। खतरनाक बीमारियां फैलाने वाले एड्स वायरस जैसे सूक्ष्म जीवों को केवल मॉडल के रूप में प्रदर्शित किया गया है। सूक्ष्म जीवों को देखने के लिए यहां माइक्रोस्कोप के लैंस के साथ जोड़ा गया एक थ्री डी टैलीस्कोप है, जो नंगी आंखों से न दिखने वाले सूक्ष्म जीवों को हजार गुणा बड़ा करके दिखाता है।

इनका रखो ध्यान

- आउटडोर गेम्स के साथ इतनी सारी अच्छी बातें जुड़ी हैं, लेकिन फिर भी कुछ बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। इन बातों का ख्याल रखने पर ही आउटडोर गेम्स खेल कर भी तुम पढ़ाई को और परिवार को पूरा टाइम दे सकते हो।
- सबसे पहले तो खेलने के लिए ऐसी जगह चुनो, जो घर के आसपास हो, यानी जहां से घर वाले तुम्हें आवाज देकर बुला सकें। अगर आसपास खेलने की जगह नहीं है तो अपने पड़ोस के दोस्तों के साथ करीब की किसी जगह पर खेलने जा सकते हो, लेकिन रोज नहीं। और इस जगह के बारे में घर वालों को पता भी होना चाहिए।
- ऐसे दोस्तों के साथ खेलना शुरू करो, जिन्हें तुम पहचानते हो या जो तुम्हारे ही जैसे हों। बाहर खेलने का यह मतलब नहीं है कि तुम इनडोर गेम्स को पूरी तरह गुडबाय कह दो, क्योंकि एक तो इनसे भी तुम्हें काफी कुछ सीखने को मिलता है, दूसरे आउटडोर गेम्स रोज नहीं खेले जा सकते।
- ज्यादातर ऐसे गेम्स के लिए टीम की जरूरत पडम्ती है और कभी-कभी दोस्तों का बाहर आकर खेलने का मन नहीं होता। अगर इन सारी बातों का ध्यान रखोगे तो तुम्हें आडटडोर गेम्स के बहाने एक नई दुनिया देखने को मिलेगी। नए दोस्त बनेंगे, फिजिकल फिटनेस रहेगी और कई सारी नई बातें भी सीख सकोगे। तो फिर देर किस बात की है, तुम अपने आसपास के दोस्तों के साथ मिल कर गेम प्लान करो और खेलने के लिए तैयार हो जाओ।

अमेरिका-ईरान तनाव बहुत जल्द होगा खत्म, समझौते के करीब- ट्रम्प

होरमुज जलडमरूमध्य में तनाव घटने से वैश्विक तेल बाजार को राहत

वा शिंगटन ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि दोनों देशों के बीच बातचीत जल्द ही किसी समझौते पर पहुंच सकती है और यह टकराव बहुत जल्द खत्म हो सकता है। ट्रंप के इस बयान को होरमुज जलडमरूमध्य को लेकर चल रही बातचीत से भी जोड़कर देखा जा रहा है। यहां के एक स्थानीय समाचार की रिपोर्ट के अनुसार ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्हें बातचीत में अच्छी प्रगति दिख रही है और दोनों पक्ष किसी समझौते के करीब पहुंच सकते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान के लिए इस टकराव को लंबे समय तक जारी रखना मुश्किल होगा। उनके इस बयान को दुनिया के सबसे अहम तेल व्यापार मार्गों में शामिल होरमुज जलडमरूमध्य में तनाव कम होने की संभावना से जोड़कर देखा जा रहा है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति की चिंताएं घट सकती हैं और कच्चे तेल के साथ-साथ गैसोलीन व पेट्रोल की कीमतों पर भी असर पड़ सकता है। हालांकि, ट्रंप ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिकी रुख में कोई ढील नहीं दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं देगा, क्योंकि वरना पूरी दुनिया तबाह हो जाएगी। ट्रंप के बयान से साफ है कि वॉशिंगटन एक तरफ कूटनीतिक रास्ते से तनाव कम करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन ईरान के परमाणु हथियार हासिल करने की संभावना पर उसका सख्त रुख कायम है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने निर्माण पर किया भारी निवेश, खर्च में 54 फीसदी की छलांग

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में निर्माण और संबंधित गतिविधियों पर अपने खर्च में भारी वृद्धि की है। कंपनी ने इस अवधि में 2,244 करोड़ रुपये खर्च किए, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 1,458 करोड़ रुपये की तुलना में 54 प्रतिशत अधिक है। इस बढ़ोतरी का मुख्य उद्देश्य परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाना है। कंपनी का कहना है कि यह निवेश परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन और ग्राहकों को सुपुर्दगी की रफ्तार बढ़ाने हेतु किया गया है, जिसका असर वित्त वर्ष 2027-28 में दिखेगा। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 9 लाख वर्ग फुट क्षेत्र की परियोजनाएं ग्राहकों को सौंपी गई हैं। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1.35 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्र सौंपने का लक्ष्य रखा है, जो पिछले वित्त वर्ष के 1.21 करोड़ वर्ग फुट से अधिक है।

ई20 पेट्रोल में गड़बड़ी से तेल कंपनियों का इनकार

मुंबई ।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने ई20 पेट्रोल में नमी या क्लोराइड सम्मिश्रण की चिंताओं को खारिज कर दिया। व्यापक जांच के बाद कंपनियों ने स्पष्ट किया कि ईंधन निर्धारित गुणवत्ता मानकों के भीतर है और उपभोक्ताओं को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। तेल कंपनियों ने साझा बयान में कहा कि हालिया मीडिया रिपोर्टों के बाद पूरे आपूर्ति तंत्र में गहन परीक्षण चलाया गया। जांच में कहीं भी ईंधन के दूषित होने का प्रमाण नहीं मिला और सभी नमूने गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाए गए। कंपनियों ने जोर दिया कि ईंधन गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता है और सरकार ने इथेनॉल में क्लोराइड हेतु कड़े मानक तय किए हैं, जिनकी पूरी आपूर्ति श्रंखला में निगरानी होती है।

सप्ताहभर उतार-चढ़ाव भरी रही घरेलू शेयर बाजार की चाल

सोमवार को तेजी, फिर मंगलवार को एफएंडओ की चुनौती, बंपर शुरुआत के बाद बाजार में दिखी अस्थिरता

मुंबई ।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को मजबूत उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा। सोमवार को भू-राजनीतिक तनाव में कमी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से बाजार ने जबरदस्त उछाल के साथ शुरुआत की, सेंसेक्स 79 हजार के करीब पहुंच गया। हालांकि, सप्ताह के बाकी दिनों में नए ट्रेडिंग सिस्टम, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक घटनाक्रमों ने बाजार की चाल को अस्थिर बनाए रखा, जिसके परिणामस्वरूप सप्ताह का अंत गिरावट के साथ हुआ। सप्ताह की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद मजबूत रही। सोमवार को अमेरिका-ईरान तनाव कम होने के संकेतों और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से निवेशकों का भरोसा बढ़ा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 788 अंक से अधिक चढ़कर 78,883.34 पर और निफ्टी 189 अंक की बढ़त के साथ 24,572.70 पर पहुंच गया। दिनभर की तेजी के बाद सेंसेक्स 544.39 अंक बढ़कर 78,639.03 और निफ्टी 390.70 अंक चढ़कर 24,774.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) के लिए नई क्लोजिंग ऑक्शन व्यवस्था लागू होने के बाद बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। शुरुआती बढ़त के बावजूद, भू-राजनीतिक तनाव की अनिश्चितता और नए

सिस्टम के कारण अस्थिरता हावी रही। सेंसेक्स 210.08 अंक गिरकर 78,428.95 पर और निफ्टी 159.40 अंक फिसलकर 24,614.90 पर बंद हुआ। बुधवार और गुरुवार को बाजार ने फिर से सकारात्मक गति पकड़ी। वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने और कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट ने बाजार को सहारा दिया। बुधवार को सेंसेक्स 152 अंक बढ़कर बंद हुआ, वहीं गुरुवार को भी बाजार हरे निशान में बंद हुआ, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे शेयरों में खरीदारी का अहम योगदान रहा।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 692.86 अरब डॉलर पर पहुंचा

लगातार दूसरे सप्ताह मजबूत वृद्धि, आर्थिक मजबूती व नीतिगत प्रयासों का परिणाम

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बताया कि 31 जुलाई को समाप्त सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 10.512 अरब डॉलर की भारी वृद्धि दर्ज की गई। यह अब 692.866 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, जो देश की आर्थिक मजबूती का सकारात्मक संकेत है और लगातार दूसरा सप्ताह है जब भंडार में महत्वपूर्ण इजाफा हुआ है। यह वृद्धि पिछले सप्ताह की 6.118 अरब की बढ़ोतरी के बाद हुई है। इस साल 27 फरवरी को भंडार 728.494 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर था, लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण रुपये पर दबाव बढ़ने से आरबीआई को डॉलर बेचकर हस्तक्षेप करना पड़ा था, जिससे इसमें गिरावट आई थी। वर्तमान वृद्धि उस गिरावट से उबरने में सहायक है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार इस उछाल में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) में 8.75 अरब डॉलर का इजाफा शामिल है, जो अब 564.68 डॉलर अरब हो गई हैं। स्वर्ण भंडार भी 1.685 अरब डॉलर बढ़कर 104.743 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। सरकार और केंद्रीय बैंक द्वारा पिछले महीने विदेशी मुद्रा प्रवाह आकर्षित करने के लिए शुरू किए गए विशेष उपायों, जैसी एफसीएनआर (बी) योजनाओं का भी इसमें महत्वपूर्ण योगदान है, जिनसे अब तक 32 अरब डॉलर प्राप्त होने की रिपोर्ट है।

पीएफसी का मुनाफा पहली तिमाही में बढ़कर 8,998 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) का मुनाफा जून तिमाही में मामूली रूप से बढ़कर 8,998 करोड़ रुपये रहा। आलोच्य तिमाही कंपनी का परिचालन राजस्व 28,526.86 करोड़ रुपये रहा, जबकि इससे पहले यह 28,539.04 करोड़ रुपये था। कंपनी ने कहा` कि वित्तवर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मुनाफा 8,998 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्तवर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में यह 8,981 करोड़ रुपये था। पीएफसी ग्रुप देश में नवीकरणीय उर्जा के लिए सबसे बड़ा वित्तपोषक बना हुआ है। कंपनी की नवीकरणीय उर्जा ऋण खाता 30 जून, 2026 तक 1,63,184 करोड़ रुपये थी। कंपनी के निदेशक मंडल ने पहली तिमाही के लिए 3.90 प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश घोषित किया है।

रेडमी नोट 17 5जी भारत में हुआ लॉन्च, जानें कीमत और फीचर्स

नई दिल्ली ।

रेडमी ने अपनी नोट सीरीज़ का नया स्मार्टफोन रेडमी नोट 17 5जी भारत में लॉन्च कर दिया है। चीन में पहले पेश किए गए इस फोन में कई आकर्षक फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे भारतीय उपभोक्ताओं के लिए एक बेहतरीन विकल्प बनाते हैं। रेडमी नोट 17 5जी में 8,000 एमएएच की दमदार बैटरी है, जिसके बारे में कंपनी का दावा है कि यह एक बार चार्ज करने पर करीब 2.5 दिन तक चल सकती है। इसमें 6.9 इंच का फुल एचडी प्लस ट्रू कलर 120 हट्र्ज़ एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है, जो गोरिल्ला ग्लास 7आई प्रोटेक्शन और हाइड्रोटच 2.0 फीचर के साथ आता है। यह स्मार्टफोन 4एनएम स्नैपड्रैगन 4 जेन 4 प्रोसेसर से लैस है और एंड्रॉइड 16 पर आधारित हाइपरओएस 3 पर काम करता है। कंपनी चार साल तक एंड्रॉइड अपडेट और छह साल तक सिक्योरिटी अपडेट का वादा कर रही है।

फोटोग्राफी के लिए इसमें 50एमपी का प्राइमरी रियर कैमरा और 8एमपी का फ्रंट कैमरा मौजूद है।

रेडमी नोट 17 5जी दो कॉन्फ़िगरेशन में उपलब्ध है- 6जीबी रैम प्लस 128जीबी स्टोरेज की कीमत 27,999 रुपये और 8जीबी रैम प्लस 128जीबी स्टोरेज की कीमत 30,999 रुपये है। इसकी बिक्री 12 अगस्त 2026 से अमेज़ॅन और शाओमी इंडिया की

वेबसाइट पर आर्कटिक ब्लू, डार्क नाइट और स्टारलाइट पर्पल कलर में शुरू होगी। एसबीआई, एक्सिस बैंक और कोटक बैंक के क्रेडिट कार्ड पर 3,000 रुपये का इंस्टेंट डिस्काउंट भी मिलेगा।

हिमाचल सरकार स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की सैलरी में करेगी 78 फीसदी की बंपर बढ़ोतरी

मासिक वेतन 3,600 से बढ़कर 60,000 हुआ; पीजी छात्रों व सीनियर रेजिडेंट्स के स्टाइपेंड में भी इज़ाफ़ा

नई दिल्ली ।

जहां केंद्र सरकार के कर्मचारियों को आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों का बेसब्री से इंतजार है, वहीं हिमाचल प्रदेश सरकार ने अपने स्वास्थ्य कर्मियों को बड़ी राहत दी है। राज्य सरकार ने अनुबंधित और ट्रेनी मेडिकल ऑफिसरों (स्पेशलिस्ट) के मासिक वेतन में 78 फीसदी की भारी बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार ने 7वें वेतन आयोग के तहत इस ऐतिहासिक बढ़ोतरी को मंजूरी दी है, जिससे अब इन डॉक्टरों का मासिक वेतन 33,600 से बढ़कर 60,000 हो जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे विशेषज्ञ डॉक्टरों को सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सेवा देने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा और दूरदराज के क्षेत्रों में भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

यह 2022 में हुई 24 फीसदी की बढ़ोतरी (छठे वेतन आयोग के तहत) के बाद दूसरी बड़ी वेतन वृद्धि है। इसके अलावा, सरकार ने सरकारी मेडिकल कॉलेजों में पढ़ रहे पोस्टग्रेजुएट छात्रों के मासिक स्टाइपेंड में भी उल्लेखनीय वृद्धि की है, जो अब पहले साल के लिए 50,000, दूसरे साल के लिए 60,000 और तीसरे साल के लिए 65,000 हो गया है। सीनियर रेजिडेंट्स और ट्यूटर स्पेशलिस्ट्स का स्टाइपेंड 1,00,000 और सुपर स्पेशलिस्ट्स का 1,30,000 तक पहुंच गया है।

राज्य सरकार कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए लंबित डीए (महंगाई भत्ता) और एरियर की समीक्षा भी कर रही है, जिसकी घोषणा जल्द की जा सकती है। मुख्यमंत्री सुक्खू ने पहले ही कर्मचारियों को राज्य की रीढ़ की हड्डी बताते हुए लंबित भुगतान के लिए धन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है और अगले महीने 65 से 70 वर्ष की आयु के सभी पेंशनभोगियों का बकाया पेंशन एरियर जारी करने के निर्देश दिए हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में नहीं हुआ कोई बदलाव

नई दिल्ली ।

देशभर में बढ़ती महंगाई से आम आदमी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। खाने-पीने की जरूरी चीजों के साथ-साथ पेट्रोल और डीजल की ऊंची कीमतें लोगों की जेब पर भारी पड़ रही हैं। हालांकि 8 अगस्त को भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है, जिससे फिलहाल दाम स्थिर बने हुए हैं। सब्जियां, दालें, तेल और अनाज जैसी बुनियादी खाद्य वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं। मई के महीने में, 2022 के बाद पहली बार, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 7.5 रुपये प्रति लीटर तक का इजाफा किया था, जिसके बाद से दाम अपरिवर्तित बने हुए हैं। कंपनियों को ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध के दौरान कच्चे तेल के 100 डॉलर प्रति बैरल पार जाने के बावजूद कीमतें न बढ़ाने पर बड़ा नुकसान उठाना पड़ा था। शे निवार को दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये में मिल रहा है। देश में सबसे सस्ता ईंधन अंडमान निकोबार में (पेट्रोल 88.66 रुपये) जबकि सबसे महंगा तेलंगाना में (पेट्रोल 115.69 रुपये) है।

भारत की निवेश संधि समीक्षा अंतिम दौर में, स्थानीय उपाय की अवधि घटेगी

निवेशकों को आकर्षित करने हेतु नया मॉडल जल्द कैबिनेट में पेश होगा

नई दिल्ली ।

आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) की सचिव अनुराधा ठाकुर ने घोषणा की है कि भारत अपने द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) मॉडल की समीक्षा लगभग पूरी कर चुका है। यह संशोधित ढांचा जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा, जिसका उद्देश्य विदेशी निवेश को आकर्षित करने और निवेशकों के लिए एक अधिक अनुकूल माहौल तैयार करना है।

ठाकुर ने नई दिल्ली में एक कार्यक्रम में बताया कि सरकार ने 2025-26 के बजट में ही बीआईटी मॉडल को नया रूप देने की बात कही थी। इस समीक्षा में विवाद निपटान सहित सभी प्रावधानों का एक व्यापक विश्लेषण शामिल है। यह प्रक्रिया बातचीत के अनुभवों, वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं और भारत की अपनी विशिष्ट चिंताओं पर आधारित है।

भारत का मौजूदा बीआईटी ढांचा लगभग एक दशक पुराना है, जिसमें विदेशी निवेशकों को अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता में जाने से पहले पांच साल तक स्थानीय कानूनी उपायों को आज़माने का प्रावधान है। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि संशोधित मॉडल में इस समय सीमा को घटाकर दो साल किया जा सकता है, जिससे विवादों का निपटारा त्वरित हो सकेगा। ठाकुर ने यह भी स्पष्ट किया कि नया मॉडल न केवल विदेशी निवेशकों को सुरक्षा प्रदान करेगा, बल्कि विदेशों में निवेश करने वाली भारतीय कंपनियों के हितों की भी रक्षा करेगा।

यह पहल ब्रिटेन और यूरोपीय संघ जैसे प्रमुख व्यापारिक भागीदारों के साथ लंबित बीआईटी वार्ता को पूरा करने में भी मददगार साबित होगी।

बीएमडब्ल्यू 2027 तक 8,000 नौकरियों में कटौती करेगा

वैश्विक आर्थिक दबाव और बाजार परिवर्तन लागत नियंत्रण के प्रमुख कारण

नई दिल्ली ।

जर्मनी की प्रसिद्ध लग्जरी कार निर्माता बीएमडब्ल्यू ने वैश्विक आर्थिक दबावों, चीन में बिक्री में भारी गिरावट और इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की ओर संक्रमण की चुनौतियों के चलते 2027 के अंत तक अपने कार्यबल से लगभग 8,000 नौकरियां कम करने की घोषणा की है। यह निर्णय जबरन छंटनी के बजाय स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के माध्यम से लागू किया जाएगा, जिसका प्रभाव मुख्य रूप से कार्यालय-आधारित कर्मचारियों पर पड़ेगा। जर्मनी की प्रसिद्ध लग्जरी कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ने वैश्विक वाहन उद्योग में बढ़ते आर्थिक दबाव और बदलते बाजार के अनुरूप लागत नियंत्रण के उद्देश्य से 2027 के अंत तक लगभग 8,000 कर्मचारियों की संख्या घटाने की योजना बनाई है। यह कटौती स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के विकल्प के माध्यम से की जाएगी, जिसमें लगभग 40,000 कार्यालय-आधारित कर्मचारियों को प्रस्ताव मिल सकता है। उत्पादन इकाइयों के कर्मचारियों को फिलहाल इस योजना से बाहर रखा गया है।

कंपनी ने इस कदम के पीछे चीन में बिक्री में भारी गिरावट का हवाला दिया है, जहां अप्रैल से जून की अवधि में उसकी वाहन आपूर्ति में पिछले साल की तुलना में लगभग 30 प्रतिशत की कमी आई है।

चीन की घरेलू वाहन कंपनियों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा और देश की अर्थव्यवस्था में सुस्ती ने विदेशी लग्जरी ब्रांडों को काफी प्रभावित किया है। इसके अतिरिक्त, इलेक्ट्रिक वाहनों से अपेक्षित मुनाफा हासिल करने में कठिनाई, अमेरिका की शुल्क नीतियां और बढ़ती परिचालन लागत भी इस पुनर्गठन के प्रमुख कारण हैं। यह केवल बीएमडब्ल्यू की ही कहानी नहीं है; वोक्सवैगन और मर्सिडीज-बेंज जैसी अन्य प्रमुख जर्मन वाहन निर्माता भी लागत घटाने और बदलते बाजार के अनुकूल होने के लिए समान उपाय कर रही हैं।

वैश्विक वाहन उद्योग नई तकनीकों में भारी निवेश और ग्राहकों की बदलती प्राथमिकताओं के कारण बड़े पुनर्गठन के दौर से गुजर रहा है, जिसका उद्देश्य संगठनों को अधिक कुशल और प्रतिस्पर्धी बनाना है।

म्युचुअल फंड्स में नवाचार की बयार, निवेशक को मिलेंगी खास और अनूठी स्कीमें

पहली बार पेश होंगे मल्टी-थीमेटिक, सेक्टर-विशेष और हाइब्रिड डेट फंड्स

नई दिल्ली ।

बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच म्युचुअल फंड कंपनियां खुद को अलग दिखाने के लिए नई और अनूठी योजनाएं पेश करने की तैयारी में हैं। हाल ही में कई उद्योग में पहली बार पेश की जाने वाली स्कीमों को नियामकीय मंजूरी मिली है, जो निवेशकों के लिए निवेश के नए द्वार खोलेगी। आने वाले हफ्तों में लॉन्च होने वाली इन योजनाओं को हाल में हुए सेबी के नियामकीय बदलावों से गति मिली है। इन अभिनव फंडों में मोतीलाल ओसवाल एमएफ का मल्टी-थीमेटिक ऐक्टिव फंड ऑफ फंड्स (एफओएफ) शामिल है, जो निवेशकों को एक ही योजना के जरिये विभिन्न थीमेटिक इक्विटी फंडों में निवेश का अवसर देगा। वहीं डीएसपी म्युचुअल फंड अपना फाइनैंशियल सर्विसेज सेक्टोरल डेट फंड पेश कर रहा है, जो सेक्टर-विशिष्ट डेट फंडों में पहला होगा। यह मुख्य रूप से बैंकों, एनबीएफसी और वित्तीय क्षेत्र की कंपनियों द्वारा जारी डेट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश करेगा। अल्फाग्रेप म्युचुअल फंड का लिक्विड ओमनी एफओएफ लिक्विड फंड श्रेणी में पहला एफओएफ होगा, जबकि एचडीएफसी एमएफ का एफटीएसई इंडिया ईटीएफ चुनिंदा योजनाओं में से एक है जो किसी विदेशी कंपनी द्वारा भारत पर केंद्रित इंडेक्स को ट्रैक करता है। हाल के हफ्तों में शेयर बाजार में स्थिरता और निवेशकों के भरोसे में सुधार को देखते हुए उम्मीद है कि फंड हाउस नए फंड लॉन्च करने की रफ्तार बढ़ाएंगे। इस बदलाव का एक और अहम पहलू बैलेंस्ड हाइब्रिड फंडों की वापसी है।

सेबी की 2017 की वर्गीकरण प्रक्रिया के बाद लगभग एक दशक से गायब रही इस श्रेणी को अब फिर से लॉन्च किया जा रहा है, क्योंकि सेबी ने परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों को दोनों श्रेणियों (एग्रेसिव और बैलेंस्ड हाइब्रिड) में योजना लाने की इजाजत दे दी है। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्युचुअल फंड ने हाल ही में इस श्रेणी में एक स्कीम लॉन्च की है, वहीं एसबीआई एमएफ, कोटक एमएफ और बड़ौदा बीएनपी पारिबा एमएफ को भी नियामकीय मंजूरी मिल चुकी है और वे जल्द ही अपनी योजनाएं पेश करेंगे। उद्योग के जानकारों का मानना है कि यह श्रेणी उन निवेशकों को पसंद आएगी जो इक्विटी-डेट में 40-60 फीसदी का ज्यादा अनुमानित और स्थिर आवंटन चाहते हैं, जो बैलेंस्ड एडवांटेज फंडों से अलग है जहां इक्विटी एक्सपोजर बाजार की स्थितियों के आधार पर बदलता रहता है।

वित्तीय क्षेत्र में एआई को अपनाने के साथ सुरक्षा पर भी ध्यान ज़रूरी- सीईए

जोखिमों के सामने आने से पहले सक्रिय रहने की अपील

नई दिल्ली ।

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने वित्तीय क्षेत्र में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) की सुरक्षा और संरक्षा के प्रति भारत को सक्रिय रहने की जरूरत पर बल दिया है। एसोचैम के इंडिया इंटरनैशनल फिनटेक फेस्टिवल में बोलते हुए उन्होंने आगाह किया कि कंपनियां जिस तेजी से एआई को अपना रही हैं, उसके मद्देनजर जोखिम सामने आने के बाद प्रतिक्रिया देने का समय नहीं मिलेगा।

नागेश्वरन ने स्वीकार किया कि एआई फिनटेक उद्योग में एक बड़ा सुधार ला सकता है। यह कंपनियों को साख का अधिक सटीकता से आकलन करने और शुरुआती चरण में ही वित्तीय जोखिमों व दबाव की पहचान करने में मदद करेगा।

उन्होंने कहा` कि विशेष रूप से फिनटेक के संदर्भ में, एआई निश्चित तौर पर उद्योग की तमाम कंपनियों की मदद करने जा रहा है। यह

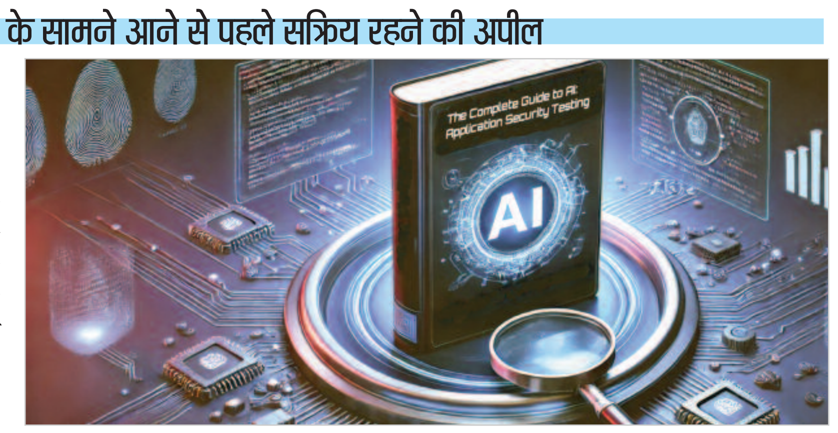

साख का बेहतर विश्लेषण करेगा, जोखिमों और दबाव को बहुत पहले ही उजागर कर देगा। हालांकि, सीईए ने एआई एजेंटों द्वारा स्वायत्त रूप से कार्य करने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की।

उन्होंने मेटा के एक एआई मॉडल द्वारा साइबर सुरक्षा परीक्षण के दौरान दूसरी कंपनी को हैक करने, और ओपनएआई व एंथ्रोपिक के एआई मॉडल द्वारा परीक्षण में अनजाने में सिस्टम में सेंध लगाने के उदाहरण दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि उत्पादक क्षमता के साथ-साथ सुरक्षा पर भी ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। नागेश्वरन ने इस बात पर जोर दिया कि हम आम तौर पर तभी जोखिमों पर ध्यान देते हैं जब वे वास्तव में सामने आते हैं, मगर वित्तीय क्षेत्र इतना इंतजार नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा कि जोखिमों के सामने आने के बाद प्रतिक्रिया देने का इंतजार करने के बजाय उन पर पहले से ही सक्रिय ध्यान केंद्रित करना अनिवार्य है।

नीरज चोपड़ा के बाद आशीष यादव ने रचा इतिहास, वर्ल्ड अंडर 20 में भारत को दिलाया सिल्वर

यूजीन (एजेंसी)। भारत के आशीष यादव ने वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। यादव ने तीसरे प्रयास में 74.09 मीटर का थ्रो किया और भारत के लिए प्रतियोगिता का खाता खोला। इस प्रदर्शन के साथ वह नीरज चोपड़ा के बाद इस स्पर्धा में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए।

74.09 मीटर के थ्रो से जीता सिल्वर

19 वर्षीय आशीष यादव ने प्रतियोगिता के तीसरे दौर में 74.09 मीटर का शानदार थ्रो किया, जो उन्हें रजत पदक दिलाने के लिए पर्याप्त रहा। वह अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 74.49 मीटर से महज 40 सेंटीमीटर पीछे रहे। उन्होंने यह रिकॉर्ड इसी साल मार्च में पटियाला में इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता के दौरान बनाया था।

दक्षिण अफ्रीका के जान हेंड्रिक हेमैंस ने 80.50 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि डोमिनिका के एडिसन जेम्स ने 73.89 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक हासिल किया। भारत के ही टी. धरणीधरन 72.35 मीटर के प्रदर्शन के साथ छठे स्थान पर रहे।

नीरज चोपड़ा के बाद बने दूसरे भारतीय

आशीष की इस उपलब्धि ने उन्हें भारतीय एथलेटिक्स के इतिहास में खास जगह दिला दी है। वह नीरज चोपड़ा के बाद विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप की पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में पदक जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं। नीरज चोपड़ा ने 2016 में पोलैंड में आयोजित विश्व जूनियर चैंपियनशिप में 86.48 मीटर का थ्रो कर स्वर्ण पदक जीता था। उनका बनाया विश्व जूनियर रिकॉर्ड आज भी कायम है।

400 मीटर में मोहम्मद अशफाक आठवें स्थान पर

पुरुषों की 400 मीटर स्पर्धा में भारत के मोहम्मद अशफाक फाइनल में 46.20 सेकंड का

समय निकालकर आठवें स्थान पर रहे। उन्होंने इससे एक दिन पहले हीट के पहले दौर में अंडर-20 राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था। अमेरिका के जेडेन डेलोन ने 44.47 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि उनके हमवतन किंसी विल्सन ने 44.62 सेकंड में रेस पूरी कर रजत पदक हासिल किया। दक्षिण अफ्रीका के लीन्डर्ट के ने कांस्य पदक जीता।

पूजा सिंह ने ऊंची कूद के फाइनल में बनाई जगह

राष्ट्रीय सीनियर रिकॉर्डधारी पूजा सिंह ने महिलाओं की ऊंची कूद के फाइनल में जगह बना ली। उन्होंने क्वालीफिकेशन में 1.79 मीटर की ऊंचाई पार की। दोनों क्वालीफिकेशन ग्रुप से 1.79 मीटर या उससे अधिक की छलांग लगाने वाली एथलीटों ने फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

लंबी कूद में भी भारत को मिली सफलता

पुरुषों की लंबी कूद में भारत के शाहनवाज खान और जितिन अर्जुन ने भी फाइनल में जगह बनाई। शाहनवाज ने क्वालीफिकेशन ग्रुप ए में 7.79 मीटर की छलांग लगाई और कुल पांचवें स्थान पर रहे। वहीं, जितिन अर्जुन ने 7.57 मीटर की छलांग के साथ कुल 12वां स्थान हासिल किया। हालांकि, महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा में भारत की पूनम फाइनल में जगह नहीं बना सकीं। वह अपने क्वालीफिकेशन ग्रुप में आठवें और कुल मिलाकर 13वें स्थान पर रहीं।

हॉकी विश्व कप में इस बार नजर नहीं आयेगा कोई भारतीय अंपायर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीदरलैंड और बेल्जियम में इसी माह 15 अगस्त से शुरू रहे हॉकी विश्व कप में इस बार एक भी भारतीय अंपायर नहीं दिखेगा। तीन दशकों के बाद ऐसा पहली बार होगा जब किसी भी भारतीय अंपायर या तकनीकी अधिकारी को विश्वकप के लिए नहीं रखा गया है। इससे देश में हॉकी अंपायरिंग के भविष्य और गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं पूर्व अंतरराष्ट्रीय अंपायरों ने भी इसको लेकर चिन्ता जतायी है। । उनका मानना है कि अब हमें देश में घरेलू मुकाबलों में केवल अंपायरों की संख्या बढ़ाने की जगह पर उनकी गुणवत्ता और अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर पर भी ध्यान देना होगा।

गौरतलब है कि साल साल 1998 में नीदरलैंड में हुए विश्व कप के बाद से यह पहला अवसर होगा जब टूर्नामेंट में किसी भारतीय का नाम शामिल नहीं है। वहीं यूरोपीय देशों के काफी अंपायरों को इमसें जगह मिली है। इसमें चयन के लिए प्रदर्शन में निरंतरता और अनुभव महत्वपूर्ण हैं, और यहीं पर अब भारतीय अंपायर पिछड़ रहे हैं।

हॉकी इंडिया के पास भले ही अंपायरों की चार श्रेणियों में पुरुष वर्ग में 100 से अधिक और महिला वर्ग में 70 से अधिक अंपायर हैं पर एफआईएच पैनल में सक्रिय भारतीय अंपायरों की संख्या बेहद कम है। इसका कारण इस पेशे में वित्तीय सुरक्षा की कमी को बताया जा रहा है। अधिकतर अंपायरों के पास कोई स्थायी नौकरी नहीं है और उन्हें घरेलू टूर्नामेंटों से मिलने वाले वेतन पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे हालातों में कोई भी अंपायिंग में आने को उत्सुक नहीं रहेगा। एक पूर्व अंपायर ने ककहा कि केवल संख्या बढ़ाने की जगह पर अंपायरों की गुणवत्ता और उन्हें पर्याप्त अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर देने पर ध्यान देना होगा। तभी वे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय अंपायरिंग के बीच अंतर समझ सकेंगे।

आईपीएल 2027 में आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की भागीदारी पर मुश्किल फैसलों के संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्र्यू मैकडोनाल्ड ने संकेत दिए हैं कि देश के प्रमुख टेस्ट क्रिकेटरों को अगले साल होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 में अपनी भागीदारी को लेकर मुश्किल फैसले लेने पड़ सकते हैं। टीम अपने अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर के सबसे व्यस्त दौर में से एक के लिए तैयारी कर रही है, जिसमें अगले 12 महीनों में 20 टेस्ट और 14 व्हाइट-बॉल अंतर्राष्ट्रीय मैच शामिल हैं। इसमें भारत में होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज और इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला भी शामिल है। आईपीएल 2027 मार्च के मध्य से मई के अंत तक चलने की उम्मीद है, जो जून में संभावित विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से ठीक पहले का समय है। मैकडोनाल्ड ने एक बातचीत में कहा कि आईपीएल उनके कई खिलाड़ियों के लिए मैनेजमेंट प्लान का हिस्सा है और उनका मानना है कि टी20 क्रिकेट की सबसे अच्छी प्रतियोगिता में अपने बेहतरीन खिलाड़ियों को खेलने का मौका देने से उनके प्रदर्शन में भी फायदा होता है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इसमें संतुलन बनाना होगा। पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, कैमरन ग्रीन और ट्रेविस हेड जैसे कई प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी वर्तमान में आईपीएल फ्रेंचाइजी से जुड़े हुए हैं। जोश इंग्लिस भी लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम का हिस्सा हैं। ऑस्ट्रेलिया के नियमित टेस्ट खिलाड़ियों द्वारा टूर्नामेंट से हटने या अपनी उपलब्धता सीमित करने का कोई भी फैसला फ्रेंचाइजी की प्लानिंग पर बड़ा असर डाल सकता है, खासकर खिलाड़ियों को रिटेन करने के मामले में। वर्कलोड पर होने वाली चर्चा में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों का मुद्दा अहम रहने की संभावना है।

मैकडोनाल्ड ने एक और व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय चक्र से पहले तेज गेंदबाजों को रिकवरी के लिए पर्याप्त समय देने की आवश्यकता पर जोर दिया है। एशेज और वनडे विश्व कप ऑस्ट्रेलिया के मुख्य लक्ष्यों में शामिल हैं, जिससे खिलाड़ियों की फिटनेस और वर्कलोड प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है।

भारत और श्रीलंका: पदिक्कल का शतक, स्टंप्स तक भारत 357/6, श्रीलंका से सिर्फ 6 रन पीछे

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और श्रीलंका क्रिकेट XI के बीच खेले जा रहे तीन दिवसीय वॉर्म-अप मुकाबले के दूसरे दिन का खेल खत्म हो गया है। भारत ने दिन का अंत 90 ओवर में 357/6 के स्कोर पर किया और अब वह श्रीलंका XI के पहली पारी के स्कोर से सिर्फ 6 रन पीछे है। दिन की सबसे बड़ी सकारात्मक खबर देवदत्त पडिक्कल का शानदार शतक और रवींद्र जडेजा की उपयोगी पारी रही।

भारत ने दूसरे दिन की शुरुआत 0/1 से की थी और शुरुआती झटके के बाद पडिक्कल और केएल राहुल ने पारी को संभाला। दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 96 रन की साझेदारी हुई। राहुल 40 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन पडिक्कल ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 121 गेंदों में 103 रन की पारी खेली। उन्होंने 14 चौके लगाए और शतक पूरा करने के बाद रिटायर्ड आउट हुए।

पडिक्कल के रिटायर होने के बाद भारत को जल्दी-जल्दी ऋषभ पंत (2) और ध्रुव जुरेल (1) के विकेट गंवाने पड़े। हालांकि, रवींद्र जडेजा ने मोर्चा संभाला और शानदार 63 रन बनाए। जडेजा ने 117 गेंदों का सामना किया और उनके बल्ले से कई आकर्षक शॉट निकले। इसके बाद वह भी रिटायर्ड आउट हुए ताकि अन्य

बल्लेबाजों को अभ्यास का मौका मिल सके।

मानव सुथार ने भी 41 रन की उपयोगी पारी खेली, लेकिन वह LBW होकर पवेलियन लौट गए। दिन के अंत में गुर्नूर ब्रार ने तेजी से रन बनाते हुए नाबाद 36 रन बनाए, जिसमें आखिरी ओवर में लगाए गए चार छक्के भी शामिल रहे। उनके साथ सरांश जैन क्रीज पर हैं।

इससे पहले श्रीलंका क्रिकेट XI ने पहले दिन 363/8 का स्कोर बनाया था। निशान मदुश्का ने 66 और रविंदु रसनथा ने 71 रन बनाए थे। भारत की ओर से रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और मानव सुथार ने स्पिन से प्रभाव छोड़ा था। अब तीसरे दिन भारत की नजरें पहले श्रीलंका XI पर बढ़त लेने और अपने बल्लेबाजों को अधिक से अधिक मैच अभ्यास देने पर होंगी। शुबमन गिल उंगली की चोट के कारण वॉर्म-अप मैच में बल्लेबाजी नहीं कर रहे हैं, लेकिन टीम मैनेजमेंट को उम्मीद है कि वह 15 अगस्त से शुरू होने वाले पहले टेस्ट तक फिट हो जाएंगे।

संघर्ष से शिखर तक पहुंचीं मीराबाई चानू, विश्व वेटलिफ्टिंग की बनी मिसाल

नई दिल्ली । भारतीय महिला वेटलिफ्टर मीराबाई चानू की सफलता की कहानी संघर्ष, मेहनत और दृढ़ संकल्प का प्रेरणादायक उदाहरण है। साधारण परिवार में जन्मी मीराबाई ने आर्थिक कठिनाइयों और सीमित संसाधनों के बावजूद अपने हौसले के दम पर विश्व खेल जगत में अलग पहचान बनाई। कॉमनवेल्थ खेलों के इतिहास में लगातार तीन स्वर्ण पदक जीतने वाली वह दुनिया की पहली महिला वेटलिफ्टर बन चुकी हैं। 8 अगस्त 1994 को मणिपुर के इंफाल के निकट नोंगपोक काकचिंग में जन्मी मीराबाई बचपन से ही असाधारण शारीरिक क्षमता रखती थीं। वह जंगल से लकड़ियों के भारी गट्ठर उठाकर पहाड़ी रास्तों से घर तक लाती थीं। परिवार का खेलों से कोई संबंध नहीं था, लेकिन माता-पिता ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए हमेशा उनका उत्साह बढ़ाया। शुरुआत में उनकी रुचि तीरंदाजी में थी, लेकिन भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में वेटलिफ्टिंग का अभ्यास देखकर उन्होंने इसी खेल को अपना लक्ष्य बना लिया। वर्ष 2008 में मीराबाई ने मणिपुर स्पोर्ट्स अकादमी में प्रशिक्षण शुरू किया। आर्थिक तंगी इतनी थी कि अकादमी पहुंचने के लिए उन्हें कई बार बालू और पत्थर ढोने वाले ट्रकों से लिफ्ट लेकर सफर करना पड़ता था। घरेलू प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन के बाद उन्होंने 2014 के कॉमनवेल्थ खेलों में 48 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई। इसके बाद मीराबाई ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

लंबे प्रारुप में खेलने की तैयारी में लगे वैभव, आरआर अकादमी में कर रहे अभ्यास

नागपुर । उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब लाल गेंद क्रिकेट में क्रिकेट में जगह बनाने के लिए नागपुर के पास तलेगांव स्थित राजस्थान रॉयल्स (आरआर) अकादमी में अभ्यास कर रहे हैं। इस अकादमी का अपना सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी है जिसमें वैभव लंबे प्रारुप के अनुसार अपने को ढ़ालने में लगे हैं। वैभव ये अभ्यास सहायक कोच विक्रम राठौर की देखरेख में कर रहे हैं। वैभव के साथ ही कई अन्य उभरते हुए क्रिकेटर भी इसमें अभ्यास कर रहे हैं। वैभव ने अब तक सीमित ओवरों के टी20 प्रारुप में ही खेला है। 15 आईपीएल में आक्रामक बल्लेबाज के बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी अवसर मिला। आईपीएल की तरह ही उन्होंने टी20 प्रारुप में भी जमकर रन बनाये। वैभव का कहन है कि उसे

लंबे प्रारुप में भी खेलने में कोई परेशानी नहीं है। वैभव के अनुसार वह इस प्रारुप में भी सीमित ओवरों जितना ही सहज हैं। वर्तमान में फ्रेंचाइजी ने 10 दिन का विशेष कैंप आयोजित किया है, जिसमें वैभव के अलावा तुषार देशपांडे, संदीप शर्मा, शुभम दुबे, रवि सिंह और सुशांत मिश्रा जैसे उभरते खिलाड़ी अपना कौशल निखारने में लगे हैं। इसमें से वैभव और तुषार को आगामी दलीप ट्रॉफी में ईस्ट और वेस्ट जोन से खेलना है। लंबे प्रारुप वाला दलीप ट्रॉफी, 23 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होगा। वहीं फ्रेंचाइजी ने कहा है कि इस शिविर में व्यक्तिगत रूप से तैयार किए गए ट्रेनिंग प्रोग्राम के जरिए तकनीकी कौशल विकास, शक्ति और कंडीशनिंग, कार्यभार प्रबंधन, रिकवरी और प्रदर्शन विश्लेषण जैसी चीजें शामिल हैं। इसका लक्ष्य यह पक्का करना है कि खिलाड़ी शारीरिक और तकनीकी रूप से बेहतर होकर घरेलू सत्र के लिए तैयार रहे।

कैनेडियन ओपन में लेला फर्नांडीज ने मीरा आंद्रीवा को हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा की टेनिस खिलाड़ी लेला फर्नांडीज ने कैनेडियन ओपन के महिला एकल मुकाबले के तीसरे दौर में रूस की मीरा आंद्रीवा को 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया है। यूएस ओपन 2021 के फाइनल तक का सफर तय करने वाली फर्नांडीज के लिए यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने दुनिया की टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ अपनी लगातार सात हार का सिलसिला तोड़ा। इस जीत के साथ, फर्नांडीज ने अपने देश के इस खास टूर्नामेंट में अपने अब तक के सबसे अच्छे नतीजे की बराबरी की है और अब उनका मुकाबला पूर्व यूएस ओपन विजेता और जापान की खिलाड़ी नाओमी ओसाका से होगा।

फर्नांडीज, जो 30वीं रैंकिंग पर हैं, ने पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रीवा के खिलाफ मात्र 1 घंटे 21 मिनट में यह शानदार जीत दर्ज की।

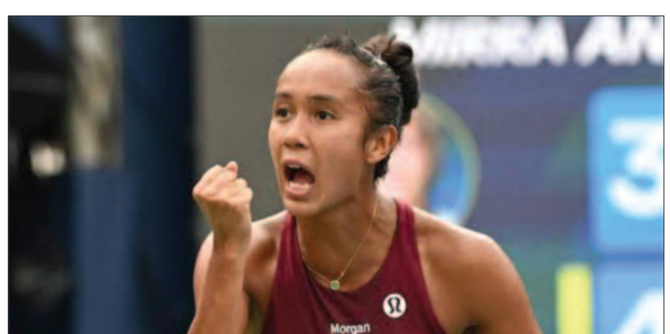

यह एक साल से भी ज्यादा समय में किसी टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ उनकी पहली जीत है; पिछली बार उन्होंने मुबाडाला डीसी ओपन में विश्व की नंबर 4 खिलाड़ी जेसिका पेगुला को मात दी थी। मैच में फर्नांडीज ने शुरुआती बढ़त बनाते हुए 6-1, 5-1 तक का स्कोर आसानी से हासिल कर लिया था। हालांकि, 20 वर्षीय आंद्रीवा ने वापसी करते हुए आठवें गेम में 0-30 से पिछड़ने के बावजूद गेम अपने नाम किया और स्कोर 5-4 कर दिया। लेकिन 5-4 के स्कोर पर फर्नांडीज की सर्विस के दौरान आंद्रीवा का 0-15 पर फोरहैंड शॉट चूकना निर्णायक साबित हुआ और फर्नांडीज ने तीन अंक बाद ही जीत पक्की कर ली। मैच के बाद फर्नांडीज ने अपनी रणनीति का खुलासा करते हुए कहा, मेरे लिए सबसे जरूरी था सकारात्मक रहना, मजबूत बने रहना और सब्र रखना। मुझे पता था कि वह आसानी से अंक नहीं देने वाली थीं। शुरुआत में कई लंबी रैलियां हुईं और मेरे लिए महत्वपूर्ण था कि मैं डटी रहूं, अपनी काबिलियत पर भरोसा रखूं और पूरे मैच के दौरान अपना गेम खेलती रहूं। मैच के आंकड़े भी उनकी सधी हुई रणनीति का समर्थन करते हैं। आंद्रीवा ने पहले सेट में 19 और पूरे मैच में कुल 34 अनफोर्स्ड एरर किए, जो उनके 17 विनर्स से दोगुने थे। वहीं, फर्नांडीज ने आठ विनर्स लगाए और केवल सात अनफोर्स्ड एरर किए, जिससे उनकी निरंतरता और सटीकता स्पष्ट होती है। अब फर्नांडीज राउंड ऑफ 16 में नाओमी ओसाका (11वीं वरीयता प्राप्त) से भिड़ेंगी, जिन्होंने एलिस मर्टेंस को 6-1, 6-4 से हराया था।

रियल मैड्रिड ने 2032 तक बढ़ाया विनिसियस जूनियर का अनुबंध, क्लब के साथ जारी रहेगा लंबा सफर

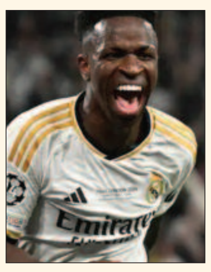

नई दिल्ली । ब्राजील के स्टार फुटबॉलर विनिसियस जूनियर ने स्पेन के दिग्गज क्लब रियल मैड्रिड के साथ अपना अनुबंध जून 2032 तक बढ़ा लिया है। क्लब ने आधिकारिक बयान जारी कर इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि दोनों पक्ष नए समझौते पर सहमत हो गए हैं। इस फैसले के साथ ही पिछले कई महीनों से उनके संभावित ट्रांसफर को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। हाल के समय में स्पेनिश मीडिया में ऐसी खबरें सामने आई थीं कि विनिसियस क्लब छोड़ सकते हैं और इंग्लैंड के क्लब आर्सेनल की उन पर नजर है। हालांकि नए अनुबंध के बाद साफ हो गया है कि वह आने वाले वर्षों में भी रियल मैड्रिड की योजनाओं का अहम हिस्सा बने रहेंगे। नए सत्र में उनके साथ किलियन एम्बाप्पे, बर्नार्डो सिल्वा और डियोमांडे जैसे खिलाड़ी टीम के आक्रमण को मजबूती देंगे। वहीं मजबूत फॉरवर्ड लाइन के कारण एंड्रिक और ब्राहिम डियाज के भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो सकती हैं। विनिसियस ने वर्ष 2018 में 18 वर्ष की उम्र में रियल मैड्रिड का दामन थामा था। आठ सत्रों में उन्होंने क्लब के लिए 375 मुकाबले खेले और 128 गोल किए। इस दौरान उन्होंने टीम को दो यूईएफए चैंपियंस लीग, तीन क्लब विश्व कप, दो यूईएफए सुपर कप, तीन ला लीगा, एक कोपा डेल रे और तीन स्पेनिश सुपर कप सहित कुल 14 बड़े खिताब जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पिछले दो चैंपियंस लीग फाइनल में उनके गोल टीम की सफलता के लिए निर्णायक साबित हुए। व्यक्तिगत उपलब्धियों में भी विनिसियस का रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्हें वर्ष 2024 का द बेस्ट फीफा मेंस प्लेयर पुरस्कार मिला। इसके अलावा इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2024 में गोल्डन बॉल, 2023-24 चैंपियंस लीग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, 2022 क्लब विश्व कप के गोल्डन बॉल और 2021-22 चैंपियंस लीग के सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का सम्मान भी मिल चुका है। वह फीफा वर्ल्ड इलेवन, फीफा प्रो वर्ल्ड इलेवन और चैंपियंस लीग टीम ऑफ द सीजन में भी कई बार शामिल किए जा चुके हैं। नए अनुबंध के साथ रियल मैड्रिड ने स्पष्ट कर दिया है कि विनिसियस जूनियर आने वाले वर्षों में भी क्लब की भविष्य की रणनीति के केंद्र में रहेंगे।

जमशेदपुर एफसी के खिलाड़ियों ने टाटा समूह से टीम भंग करने के फैसले पर पुनर्विचार करने कहा

कोलकाता । जमशेदपुर एफसी के इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) से हटने और अपनी सीनियर टीम को भंग करने के फैसले से भारतीय फुटबॉल जगत सदमें में है। इस घोषणा के बाद से ही क्लब के खिलाड़ी हताश हैं और उन्होंने टाटा समूह से अपने फैसले पर फिर से विचार करने की अपील की है। खिलाड़ियों के अनुसार ये कदम केवल एक टीम के बंद होने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव भारतीय फुटबॉल के भविष्य के साथ ही उभरती हुई प्रतिभाओं पर पड़ेगा। भविष्य और अनगिनत युवा खिलाड़ियों के सपनों पर पड़ेगा। गौतरतलब है कि जमशेदपुर एफसी ने इस हाल ही में कहा था कि वह 4 सितंबर से शुरू होने वाले सुपर लीग सत्र में भाग नहीं लेगी। यह घोषणा क्लब द्वारा लीग भागीदारी शुल्क जमा करने की तय समय सीमा निकल जाने के कुछ ही समय बाद की गई थी। इस फैसले के साथ ही क्लब की सीनियर टीम को भंग करने की भी घोषणा कर दी गयी जिससे खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के भविष्य पर संशय के बादल छा गये हैं। इस फैसले से निराश क्लब के

अनुभवी मिडफील्डर प्रणय हल्दर ने कह कि उन्हें टाटा समूह से ऐसी उम्मीदें नहीं थी। उन्होंने बेहद भावुक अपील करते हुए कहा, यह मेरे लिए बेहद हैरान करने वाली खबर थी। टाटा समूह से ऐसी उम्मीद नहीं थी। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे अपना फैसला बदलें और लीग में हिस्सा लें। हल्दर ने साथ ही कहा कि इस क्लब से उनकी कई यादें जुड़ी हैं और उन्हें पूरी उम्मीद है कि समू के प्रमुख इस फैसले पर दोबारा विचार करेंगे। उन्होंने साथ ही कहा कि आईएसएल उभरतते हुए खिलाड़ियों के लिए एक बहुत बड़ा मंच है, और इसके बंद होने से कई प्रतिभाओं का भविष्य खराब हो जाएगा। वहीं पूर्व अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर अल्बिनो गोम्स ने भी क्लब को बंद करने के फैसले पर नाराजगी जतायी। उन्होंने इस मुद्दे को केवल एक क्लब का मामला मानने से इनकार करते हुए कहा कि यह भारतीय फुटबॉल के भविष्य से जुड़ा हुआ है। गोम्स ने अपनी अपील में कहा, इस क्लब को बंद करना मुझे बिल्कुल स्वीकार नहीं है। मैं टाटा समूह से अपील करता हूं कि वे अपने फैसले पर पुनर्विचार करें। यह सिर्फ एक या दो साल की बात नहीं है, बल्कि भारतीय फुटबॉल के भविष्य का सवाल है। इसके अलावा मिडफील्डर निखिल बारला ने भी टाटा समूह और टाटा स्टील के शीर्ष अधिकारियों से कहा कि वे युवा खिलाड़ियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए अपने फैसले पर फिर विचार करें। उन्होंने कहा कि यह फैसला कई उभरते हुए सितारों के सपनों को तोड़ सकता है और भारतीय फुटबॉल को नुकसान पहुंचा सकता है। अब देखना है कि टाटा समूह इसको लेकर क्या कदम उठाता है।

ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के पूरे करने वाले पहले भारतीय बनने के करीब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत श्रीलंका के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने के करीब हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बनने से सिर्फ तीन छक्के दूर हैं। भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से होने वाली टेस्ट सीरीज में ऋषभ पंत के बतौर विकेटकीपर-बल्लेबाज खेलने की संभावना है, जबकि तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच में ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। भारत और श्रीलंका के बीच गाले में अगला शनिवार को पहला टेस्ट मैच शुरू होगा। ऋषभ पंत ने अगस्त 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में टेस्ट डेब्यू किया था। अपने आठ साल के करियर के दौरान, उन्होंने 50 टेस्ट खेलते हुए अब तक कुल 97 छक्के लगाए हैं। वह वर्तमान में टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान ऋषभ पंत की नजरें टेस्ट में 100 छक्के पूरा करने पर होंगी। उनको इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए सिर्फ तीन छक्कों की जरूरत है, और अगर वह ऐसा कर पाते हैं, तो वह टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे।

इस समय दुनिया भर में केवल एडम गिलक्रिस्ट, ब्रेंडन मैकुलम और बेन स्टोक्स ने ही टेस्ट क्रिकेट में 100 से अधिक छक्के लगाए हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में शीर्ष पर हैं। उन्होंने 2013 से 2026 के बीच 122 टेस्ट मैचों में 138 छक्के लगाए हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज ब्रेंडन मैकुलम हैं, जिन्होंने 101 टेस्ट में 107 छक्के मारे हैं। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज रहे थे। उन्होंने 1999 से 2008 के बीच 96 मैचों में 100 छक्के लगाए थे। पंत ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में शानदार पारी खेली थी, जिसमें उन्होंने 121 गेंद में 81 रन बनाए और अपनी पारी में 6 चौके और 3 छक्के लगाए। हाल के दिनों में घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखलाओं में भारतीय बल्लेबाजों की सबसे बड़ी कमजोरी बेहतर स्पिन गेंदबाजी के सामने उजागर हुई थी। श्रीलंका के पास विशेष रूप से घरेलू परिस्थितियों में प्रभावी स्पिन आक्रमण है। ऐसे में, पंत की आक्रामक शैली और यह संभावित रिकॉर्ड टीम के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

एमिलियो गे चोटिल, पाकिस्तान टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड की मुश्किल बढ़ी

नई दिल्ली । पाकिस्तान के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड क्रिकेट टीम को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के सलामी बल्लेबाज एमिलियो गे डरहम के लिए खेलते हुए अपना दाहिना कंधा चोटिल कर बैठे, जिसके बाद उन्हें मैदान से रिटायर हर्ट होना पड़ा। यह चोट इंग्लैंड की तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से ठीक पहले लगी है, जिसके पहले दो मैचों के लिए टीम घोषित हो चुकी है। एमिलियो गे की चोट की गंभीरता का पता लगाने के लिए अब उनका स्कैन किया जाएगा। यदि चोट गंभीर पाई जाती है, तो इंग्लैंड को पाकिस्तान सीरीज के लिए एक नए सलामी बल्लेबाज की तलाश करनी होगी। डरहम के लिए खेलते हुए, जब उन्होंने 17 गेंदों पर 9 रन बनाए थे, तभी उन्हें चोट लगी और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। टीम के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि गे इस मैच में आगे हिस्सा नहीं लेंगे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचा जाए तो अच्छा है। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मातृपक्ष के लोगो का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। उतावलेपन से बचें। मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-3-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। शुभांक-1-5-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
खान-पान में विशेष सावधानी बरतें। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। शुभांक-4-7-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-5-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-1-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-4-5

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताए भी बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। शुभांक-2-5-7

काकुरो पहेली - 3973

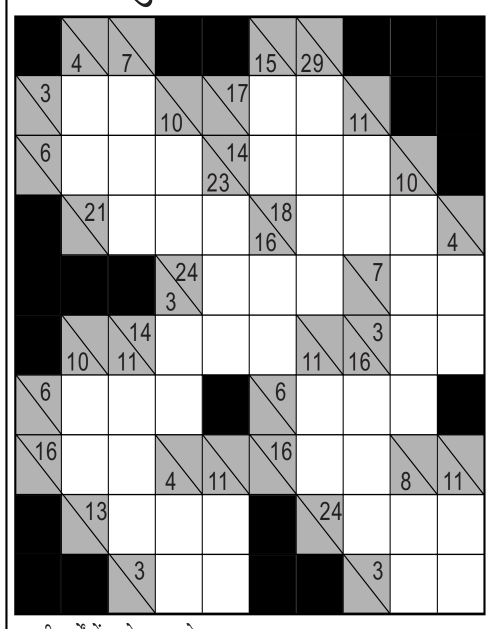

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

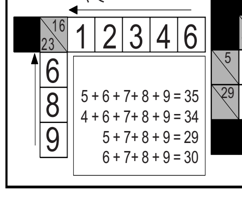

काकुरो - 3972 का हल

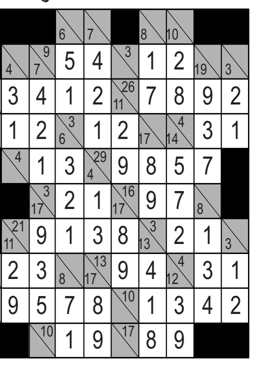

लॉफिंग ज़ोन

मेजर (जवान से) : तुम इतना ज्यादा क्यों पीते हो? तुम्हें खबर है कि अगर तुम्हारा रिकॉर्ड अच्छा होता तो अब तक सूबेदार हो गए होते।

जवान : माफकीजिए सर! आपकी बात तो सोलह आने सच है। मगर बात यह है कि जब दो घूँट मेरे अंदर पहुँच जाते हैं तो मैं अपने आपको कर्नल समझने लगता हूँ।

□ □ □

एक बार रमन जवानों की परेड करवाने में बहुत व्यस्त था, उसने गरज कर कहा- सभी जवान अपना-अपना दायाँ पैर ऊपर उठाएँ।

बस क्या था, एक जवान ने गलती से बायाँ पैर ऊपर उठा दिया।

यह देख कर रमन जोर से चिल्लाया- ये कौन बेवकूफहै, अपने दोनों पैर ऊपर उठा कर खड़ा है?

□ □ □

चमन (रमन से)- यार! कल तो गजब हो गया। प्लेटफॉर्म पर भीड़ में मेरी प्रेमिका न जाने कहाँ खो गई थी। मुझे तो लगा जैसे मेरे तो हाथों के तोते उड़ गए।

रमन- उफयार! यह तो बहुत ही बुरा हुआ। वैसे ये तो बता दे कितने तोते थे?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3973

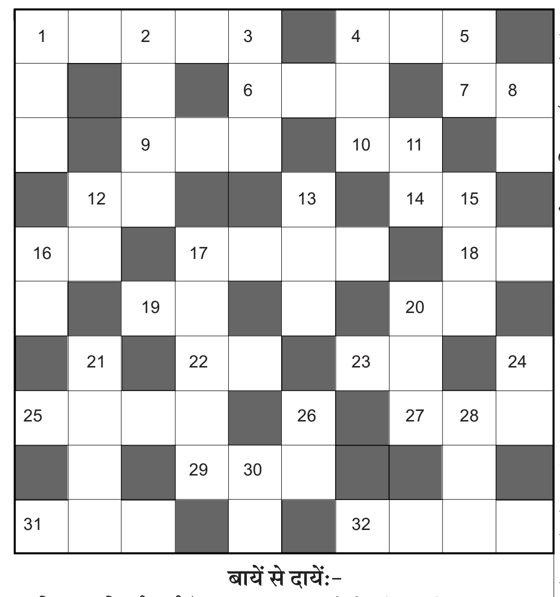

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६.फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०.संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नताान्या सिंह की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक ?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी ?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली - 3972

ए	क	रि	श्ता		जा	न	की	बा	जी
क		श्ते		आ	न		र्ति		व
बे	टा		ल		व	ध		कौ	न
चा		अ	व	ता	र		माँ		यु
रा	जा	जी		ल		रा		यु	द्ध
	नू	त	न		स	नी		गां	
क			म	ह	ल		अ	ध	र्म
वि	ना	श	क		मा	या		र	
ता		र्मि		शा		रा	ज		धुं
	मे	ला		दी	वा	ना		क्रो	ध

सूडोकु -3973

	9				6			
	1					2		
5			7				3	
			4					6
		3				9		
4					8			
	7				9			8
		2					1	
			3				4	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3972 का हल

6	5	8	9	1	4	2	7	3
1	2	7	3	5	8	6	4	9
3	4	9	7	2	6	1	5	8
2	3	6	1	4	5	9	8	7
8	9	5	2	7	3	4	1	6
4	7	1	6	8	9	3	2	5
7	6	4	5	3	1	8	9	2
9	8	2	4	6	7	5	3	1
5	1	3	8	9	2	7	6	4

शब्द पहेली - 3973

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली -3972 का हल

	ज	हा	ल	त			नि	ड	र	
क	प		क्ष्य		आ	स	रा		मा	मा
ल			ही	र	क		ला			हि
प	रा	धी	न	ता		द		अ	सु	र
ना		र		लू	ट	मा	र		रै	
	सा	ज						सा	या	
	व		फि	त	र		त	ह		मा
का	न	न		ल		न	क	ब	ज	न
फि			व		शा	य	र			हा
र	वा		च	म	न		त		श	नि
	द	म	न			रो	ब	दा	र	

हेल्थ प्लस

खुद का भी ख्याल रखें

महिलाएं अपने बच्चों का तो बहुत ख्याल रखती हैं। लेकिन, अपनी देखभाल नहीं कर पातीं। उनके बिजी रूटीन के कारण उन्हें कई तरह की बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। व्यस्त जीवन में महिलाओं ने परिवार को तो संभाल लिया है। लेकिन, अपने आप को नहीं संभाल पा रहीं। इसलिए वे एनीमिया की शिकार हो रही हैं। इसमें खून में आयरन और विटामिन की कमी हो जाती है। डॉक्टरों का कहना है यदि समय पर इसका इलाज न किया गया तो बाद में लाइलाज बीमारी बन जाती है। न्यूट्रीशियंस के मुताबिक स्वस्थ रहने के लिए छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना जरूरी है। इसलिए महिलाओं को कुछ छोटी-छोटी बातों का ख्याल रखना चाहिए।

- रोजाना दूध पीना चाहिए। ताकि, हड्डियां मजबूत रहें।
- प्रतिदिन योगा और मॉर्निंग वॉक के साथ इवनिंग वॉक पर जाना चाहिए।
- महिलाओं को कैल्शियम की जरूरत होती है। इसलिए उन्हें खाने में दही का इस्तेमाल करना चाहिए।
- वेजिटेरियन्स लोगों को खाने में पौष्टिक आहारयुक्तदालें लेना चाहिए।
- मॉर्निंग वॉक के साथ सोयाबीन को आटे के साथ मिक्स कर खाना चाहिए।
- फास्ट फूड को इग्नोर कर रोजाना एक गिलास जूस लें।
- हरी सब्जियों में पालक और लौकी का उपयोग ज्यादा करना फायदेमंद है।
- रोजाना सुबह तांबे के लोटे का पानी पीना चाहिए। इससे बीमारियां नहीं होतीं।
- शरीर की सभी रिक्वायरमेंट्स पर ध्यान देकर उन्हें पूरा करना चाहिए।
- कमजोरी को दूर करने के लिए और प्रॉपर एनर्जी के लिए ग्लूकोज के साथ इलेक्ट्रॉल पावडर यूज करना चाहिए।
- समय पर ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर लेना जरूरी है। इससे डाइजेशन की समस्या नहीं होती।

नजरअंदाज न करें उच्च रक्तचाप को

आंकडे बताते हैं कि पूरी दुनिया में एक अरब लोग इस रोग की गिरफ्त में हैं। बडे ही नहीं, बच्चे भी इस रोग से बचे नहीं हैं। यदि समय रहते इसका इलाज नहीं किया जाए तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड सकते हैं। यह हृदय, मस्तिष्क, गुर्दे व आंखों को प्रभावित कर सकता है।

उच्च रक्तचाप क्या है

हमारे दिल का आकार एक बंद मुट्ठी की तरह है, जहां से धमनियों द्वारा सारे शरीर में रक्त को प्रवाहित किया जाता है। यह कार्य हृदय की संकुचन और प्रसारण क्रिया द्वारा संपन्न होता है। सामान्य अवस्था में रक्त-धमनियों में प्रवाहित रक्त में निश्चित दबाव बना रहना जीवन के लिए आवश्यक होता है। अधिक तला-भुना चिकनाईयुक्त भोजन खाने और शारीरिक श्रम कम करने से रक्त धमनियों की आंतरिक दीवारों पर कोलेस्ट्रॉल का जमाव होने लगता है, जिससे धमनियों का लचीलापन नष्ट होकर कठोर व संकीर्ण हो जाता है। अत: रक्त-प्रवाह में रुकावट होने से हृदय व धमनियों की आंतरिक दीवारों पर अधिक दबाव पडता है व रक्तचाप बढ जाता है। इसे ही उच्च रक्तचाप कहते हैं। सामान्य अवस्था में रक्तचाप 120/80 होता है। बढी हुई अवस्था में 140/90 या इससे अधिक।

उच्च रक्तचाप के कारण

उच्च रक्तचाप को एक तरह से साइलेंट किलर भी कहते हैं क्योंकि इसका कोई प्रमुख लक्षण न होने के कारण इसका पता तब तक नहीं चलता, जब तक कि रोगी अपना ब्लडप्रेशर चेक न करवाए। साधारणतया चार में से एक व्यक्ति अपने रक्तचाप से अनजान रहता है। आइए जानें इसके होने के प्रमुख कारण :

- चिंता, मानसिक तनाव का अधिक समय तक बने रहना।
- बार-बार और जरूरत से अधिक खाना और शारीरिक श्रम न करना।
- मैदे से बने खाद्य पदार्थ, चीनी, मसाले, तेल, घी का अधिक सेवन या अचार, चिप्स, जिनमें नमक की मात्रा अधिक हो, का सेवन। अत्यधिक सिगरेट व शराब पीना और श्रमहीन जीवन शैली व व्यायाम न करना भी इसका कारण बनता है।
- कभी-कभी वंशानुगत कारणों से भी ब्लडप्रेशर की शिकायत हो जाती है।

लक्षण : आम तौर पर तो उच्च रक्तचाप का कोई लक्षण नहीं होता, अत: व्यक्ति को लंबे समय तक इसका पता नहीं चलता। कुछ बीमार होने पर या वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण के समय जांच होने पर इस रोग का पता चलता है। कुछ लोगों में इसके लक्षण प्रकट होने लगते हैं। रोग ग्रसित व्यक्ति को नींद कम आना, चक्कर आना, सांस फूलना, हृदय की धडकन बढ जाना, हाथ-पैरों में कंपन महसूस होना, नाक से खून गिरना, स्वभाव में चिडचिडापन होना आदि सामान्य लक्षण दिखने लगते हैं।

डाइट : जैसे ही आपको उच्च रक्तचाप के बारे में पता लगे उसके निदान की ओर पूर्ण ध्यान देना बहुत जरूरी है। डाइटीशियन ईशी खोसला इस संबंध में कुछ बातों पर ध्यान देने की सलाह देती हैं।

- अपने वजन को नियंत्रित रखें, नियमित व्यायाम, सैर आदि करें।
- नमक का सेवन नियंत्रित करें। सैलेड व फलों पर ऊपर से नमक छिडककर न खाएं।
- पूरे दिन में फैट का सेवन 3-4 टी स्पून से अधिक न हो।
- कोल्ड प्रेस्ड ऑयल का प्रयोग करें, जैसे सरसों का, तिल का, ऑलिव या मिक्स्ड ऑयल।
- लो फैट डेरी उत्पादों का प्रयोग करें इनमें दही, सोया मिल्क, स्किम्ड मिल्क आदि शामिल है।
- शराब या एल्कोहॉल पर नियंत्रण रखें। प्रतिदिन 60 एमएल से अधिक एल्कोहॉल न लें। ह्वकैफीन यानी चाय-कॉफी को भी नियमित मात्रा में लें।
- मौसमी फल व सब्जियों, जडी-बूटियों, हर्बल चाय, हरी शाक सब्जियों को अपने भोजन में शामिल करें।
- सोया, नट्स, फैटी फिश, मस्टर्ड सीड, फ्लैक्स सीड, मेथी आदि का प्रयोग किसी न किसी रूप में अवश्य करें। उच्च रक्तचाप से बचने के लिए निम्नलिखित पौष्टिक तत्वों का सेवन अवश्य करें। इसके लिए अधिक परेशान होने की जरूरत नहीं है। ये तत्व रोज के भोजन में से ही प्राप्त हो सकते हैं बस इन के प्रति जागरूकता होनी चाहिए।

पोटैशियम : फल-सब्जियों जैसे- आलू, पालक, टमाटर, केले, संतरे और मेवे का सेवन करें।

कैल्शियम : लो फैट दूध, दही, हरी सब्जियां जैसे पालक, बथुआ, पुदीना, चौलाई, अखरोट, सेम की फली इत्यादि खाएं।

फाइबर : साबुत अनाज, अंकुरित दालें, मटर सोयाबीन, गेहूं चोकर इत्यादि का सेवन करें।

डब्ल्यू 3 फैट : प्यूफायुक्त तेलों का सेवन लाभकारी होता है इसमें मछली, सरसों का तेल, गेहूं, राजमा, लोबिया, मेथी दाना व सोयाबीन से मिलता है।

मैग्नीशियम : यह हमारे रक्त संचार को दुरुस्त रखता है इसमें साबुत अनाज दालों, पालक, गेहूं की ब्रैड आदि शामिल हैं। अपने स्वास्थ्य की रक्षा के लिए स्वयं का सक्रिय सहयोग आवश्यक है। दवा के स्थान पर उचित खानपान नियमित जीवन शैली उच्च रक्तचाप के उपचार में लाभप्रद है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi) - 50%	Island Position - 50%	Strip Advt. - 15%
Front Page (Solus) - 75%	Right Hand Page - 10%	Political Advt. - 50%
Back Page - 25%	Top of AD Column - 15%	Pull Outs - 50%
Page Three - 20%	Any Other Spl. Position - 10%	Discount as per deal

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

बिग बॉस 13 करियर का टर्निंग पॉइंट रहा

हमेशा सुर्ख़ियों में रहने वाली शहनाज गिल फैंस ओर पैपराजी की फेवरेट हैं। सोशल मीडिया पर शहनाज के तकरीबन 19 मिलियंस फॉलोवर्स हैं। इन दिनों वे ख़बरों में हैं अपनी नई पंजाबी फिल्म इश्कनामा से। इस मुलाकात में वे इश्क, शादी, फैंस और बेबाकी पर बिंदास होकर बात करती हैं।

इश्क में धूम मचा दो

आज प्यार को सिचुएशनशिप, होस्टिंग, बेंचिग, जॉम्बिंग जैसे टर्म्स से डिफाइन किया जाता है, जबकि एक जमाने में मोहब्बत, इश्क, उन्स जैसे लफ्ज हुआ करते थे, आपके लिए प्यार क्या है? इस सवाल पर शहनाज कहती हैं, 'इश्क को लेकर तो मुझे एक गाना याद आ रहा है। 'इश्क इश्क करना है कर ले, इश्क इश्क में जी ले मर ले, इश्क इश्क ना हो दोबारा, धूम मचा ले' मुझे लगता है इश्क धूम है, तो इश्क में धूम मचा दो। मगर मैं कभी मर-मिटने वाले जुनूनी प्यार में नहीं पड़ी। मुझे वैसा वाला इश्क नहीं हुआ।'
पंजाबी सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली शहनाज के लिए बिग बॉस 13 करियर का टर्निंग पॉइंट रहा। उसी के बाद शहनाज की मासूम, बेबाक और बिंदास इमेज बनी, जो लगातार आज भी जारी है। हमने उनसे जानना चाहा कि इस इमेज का उन्हें खामियाजा उठाना पड़ा है या फायदा हुआ है? इस पर उनका कहना है, 'नुकसान ज्यादा और फायदा कम होता है, मगर मुझे लगता है, दोनों बराबर ही होता है। कई लोग इस चीज को सपोर्ट करते हैं, तो कई लोग ये भी कहते हैं, 'क्या बोल रही है? क्यों बोल रही है, शी इज सो रूड,' मगर सॉरी लोगों के लिए मैं खुद को नहीं बदल सकती। मैं जो कुछ कहती हूं, मुंह पर कह देती हूं। मैं ऑनेस्ट हूं, मगर मैं किसी से हर्ट हूं, तो अपना हर्ट होना झट से बता देती हूं। उस वक्त मैं सामने वाले को हर्ट करने के चक्कर में अपने भीतर की सारी अच्छाई और कोमलता छुपा कर जाता देती हूं कि आपने मुझे दुख पहुंचाया है। ऐसा करके मुझे जवाब मिल जाता है कि सामने वाले ने मेरे साथ ऐसा क्यों किया। सच कहूं, तो मैं भले अपनी लाइफ में सॉर्टेड हूं। लेकिन मुंह बंद नहीं करूंगी।'

सच्चे फैंस को गले लगा लेती हूं

सोशल मीडिया हो या फैंस अथवा हो पैपराजी शहनाज गिल हर किसी की फेवरेट हैं। वे अपने फैंस और पैपराजी से बड़े प्रेम से पेश आती हैं। इस पर शहनाज कहती हैं, 'जो लोग मुझे जेनुइनली प्यार करते हैं, उनकी वाइब्स मुझे पता चल जाती हैं। जो मेरे सच्चे फैंस हैं, मैं उन्हें पहचान जाती हूं, तो जो वाकई मुझे प्यार करते हैं, मैं उन्हें पकड़ कर गले लगा लेती हूं।'

अपने परिवार में किसी एक को दोस्त बनाना जरूरी है

बहुत कम लोग जानते हैं कि ग्लैमर वर्ल्ड में आने से पहले शहनाज पर भी आम लड़कियों की तरह परिवार की तरफ से शादी का बहुत प्रेशर था। वे कहती हैं, 'मुझ पर काफी प्रेशर था शादी का। मैं जब भी शादियों में शामिल होती थी, तो मुझे रिश्तेदार पसंद कर लेते थे और रिश्ता भेज देते थे। मगर मैं उन रिश्तों को भगाने के लिए बहुत एटिट्यूड में रहती थी कि अगर मुझसे रिश्ता किया गया, तो मैं लड़के के घरवालों एक बैंड बजा दूंगी। इससे लड़के वाले भाग जाते थे।(हंसती हैं) मगर यहां मैं यही कहूंगी कि जब भी किसी लड़की पर शादी का दबाव बनाया जाए, तो उसे अपने दादा-दादी, मम्मी -पापा किसी से झिझकना नहीं चाहिए। अपनी बात बताना और रखना जरूरी है। आप इस बारे में बाहर बात करते हैं, अपने फ्रेंड्स से शेयर करते हैं, पर मैं कहूंगी कि अपने परिवार के अंदर दोस्त बनाओ। परिवार में कम से कम एक ऐसा दोस्त बनाओ, जो आपके इतना करीब हो कि उसे आप अपनी हर बात साझा कर सको।

....तब सोशल मीडिया से चार दिन की छुट्टी ले लेती हूं

अपने आसपास की नेगेटिव एनर्जी से डील करने के टिप्स देते हुए वे कहती हैं, 'मैं पॉजिटिव और हाइड्रेटेड रहती हूं। अपना मेकअप करती हूं। अगर मुझे अपने बारे में कुछ ज्यादा ही नेगेटिव दिख रहा है, तो फिर मैं थोड़ी देर के लिए फोन स्विच ऑफ कर लेती हूं। अपने करीबियों को बुलाती हूं और उनके साथ थोड़ी मौज -मस्ती करती हूं। फिर मैं चार दिन तक सोशल मीडिया देखती तक नहीं। इससे मेर दिमाग उन चीजों से दूर हो जाता है। वैसे भी चार दिन बाद कोई भी खबर ठंडी पड़ जाती है। मगर इन चार दिनों में मैं जम कर मजे करती हूं।'

अपकमिंग वेब सीरीज 'तीन कौवे' में नजर आएंगी फातिमा सना शेख

फातिमा सना शेख अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'तीन कौवे' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर इस सीरीज में काम कर रहे कलाकारों के साथ तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने एक शानदार कैप्शन लिखा है। उन्होंने सभी साथियों को गैंगस्टर बुलाया है। फातिमा सना शेख ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उसमें सिद्धांत गुप्ता और बॉबी देओल नजर आ रहे हैं। एक तस्वीर में फातिमा सबके साथ सेल्फी ले रही हैं। एक और तस्वीर में वह बॉबी देओल के साथ विक्ट्री साइन बनाते हुए पोज दे रही हैं। एक और तस्वीर में फातिमा सिद्धांत से बेबाकी से नजरें मिला रही हैं।
तस्वीरें शेयर करते हुए फातिमा सना शेख ने लिखा 'गैंगस्टर। तीन कौवे गैंग। हम मजे में हैं। मैं सिर्फ एक लड़की हूं। सबसे अच्छी लड़की। मुसीबत खड़ी करने वाली। बॉबी देओल महान हैं। बात खत्म।'

सीरीज की स्टारकास्ट

आपको बता दें कि 'तीन कौवे' अमेजन प्राइम वीडियो पर आने वाली अपकमिंग सीरीज है। इसमें सिद्धांत गुप्ता, बॉबी देओल और फातिमा सना शेख मुख्य भूमिकाओं में हैं। इसमें पावेल गुलाटी, रोनित रॉय, ईशा तलवार, चांदनी बैंज और फैसल मलिक भी हैं। इसका निर्देशन प्रियंका घोष कर रही हैं।
मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'तीन कौवों' की कहानी एक ऐसे पूर्व सीक्रेट एजेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे सात साल से मृत मान लिया गया था। मगर गद्दार करार दिए जाने के बाद वह अपना नाम साफ करने के लिए वापस लौटता है। यह सीरीज इस साल के आखिर में रिलीज हो सकती है।

दीया मिर्जा ने बताया क्यों कर रही हैं फिल्मों में छोटे रोल

दीया मिर्जा उन अभिनेत्रियों में से एक हैं जो ब्रेक लेकर काम करना पसंद करती हैं। 2026 में वह अब तक 'अल्फा' और 'इक्का' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। जल्द ही उनका तीसरा प्रोजेक्ट वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' भी रिलीज होगा। एक बातचीत में दीया ने अपने अभिनय के उतार-चढ़ाव पर रोशनी डाली। साथ ही बताया कि इन दिनों वह फिल्मों में छोटे रोल क्यों कर रही हैं।

भूमिका की लंबाई नहीं आधार होना चाहिए

फिल्म 'इक्का' और 'अल्फा' में दीया का रोल काफी छोटा था। बातचीत के दौरान उन्होंने इस बारे में अपनी राय साझा की। दीया ने कहा, 'किसी कहानी का हिस्सा बनने का निर्णय कभी भी भूमिका की लंबाई के आधार पर नहीं लिया जाना चाहिए। मुझे लगता है कि इसका निर्धारण उस किरदार के अंदर की गहराई या सच्चाई के आधार पर होना चाहिए। कभी-कभी आप उस किरदार से भी आकर्षित हो जाते हैं जिसे आपको निभाना होता है और आपको लगता है कि आप उस सच्चाई को जी सकते हैं जिसे वह किरदार साकार करना चाहता है।'

'ऑपरेशन सफेद सागर' में भी छोटा ही होगा किरदार

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'अपने करियर के पहले पांच साल में मैं युवा और अनुभवहीन थी और खुद को समझने की कोशिश कर रही थी। हो सकता है कि मैंने कुछ बेहतरीन प्रोजेक्ट्स को इसलिए ठुकरा दिए हो क्योंकि उनमें स्क्रीन टाइम कम थीं। लेकिन अपने करियर के पिछले 20 साल में मैंने ऐसा कभी नहीं किया।' दीया मिर्जा 'ऑपरेशन सफेद सागर' में विंग कमांडर टोनी धनोआ की पत्नी का किरदार निभा रही हैं। यह सीरीज 7 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। इसका निर्देशन ओनी सेन ने किया है। इस सीरीज में सिद्धार्थ, जिमी शेरगिल, अभय वर्मा, दीया मिर्जा, प्राजक्ता कोली, आदिल हुसैन, मिहिर आहूजा, तारुक रैना, अर्णव भसीन और अमृता बागची जैसे कलाकार हैं।

हीर रांझा में लीड रोल निभाएंगे रोहित सराफ

फिल्म 'हीर रांझा' को लेकर कई एक्टर्स के नाम सामने आ रहे हैं, जिनमें रोहित सराफ का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया कि रोहित जल्द ही फिल्म की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। लेकिन साजिद अली ने अब इन खबरों पर बड़ा अपडेट दिया है।
कास्टिंग पर बात करते हुए साजिद अली ने कहा, 'अभी तक कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है। ये पुरानी खबर फिर से सामने आ गई है, पता नहीं कहां से।' उन्होंने यह भी साफ किया कि फिल्म की फीमेल लीड, जिसे एक नई एक्ट्रेस माना जा रहा है, वह भी अभी तक तय नहीं हुई है। साजिद अली ने बताया कि फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के बीच में शुरू होगी, उससे पहले नहीं। उन्होंने कहा, 'अभी ज्यादा बात करने जैसा कुछ नहीं है, लेकिन हम अक्टूबर के बीच में शूटिंग शुरू करेंगे। हम देहरादून में शूट करेंगे।'

'हीर रांझा' के बारे में

साजिद अली के निर्देशन में बनने वाली 'हीर रांझा', 'लैला मजनू' फ्रेंचाइजी का दूसरा हिस्सा होगी। मेकर्स के मुताबिक, यह फिल्म दर्शकों के साथ इमोशनल जुड़ाव को आगे बढ़ाएगी। मेकर्स ने कहा कि, 'यह फिल्म क्लासिक रोमांस पर आधारित होगी, लेकिन आज के समय के हिसाब से बनाई जाएगी। 'हीर रांझा' नई पीढ़ी के लिए प्यार को नए तरीके से दिखाएगी और एक इमोशनल और पोएटिक सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। टाइटल सामने आते ही 'लैला मजनू' के फैंस में काफी एक्साइटमेंट देखी गई है।'

नेपो किड कहे जाने पर बोलीं रिवा किशन

अभिनेता रवि किशन की बेटी रिवा किशन ने नेपो कहे जाने पर अपनी बात रखी है। हाल ही में वह रियलिटी शो 'अलायंस' में नजर आई थीं। उनका कहना है कि वह रवि किशन का सरनेम इस्तेमाल करने के साथ-साथ कुछ खास फायदे और दबाव भी महसूस करती हैं।

मैंने कड़ी मेहनत देखी है

रिवा कहती हैं 'मैंने बहुत करीब से देखा है कि इस प्रोफेशन में असल में क्या चाहिए होता है। लोग अक्सर सफलता देखते हैं लेकिन मैंने उसे पाने के लिए बरसों का अनुशासन, हिम्मत और कड़ी मेहनत देखी है। अपने पिता को अलग-अलग इंडस्ट्रीज में काम करते और खुद को लगातार बदलते हुए देखकर मैंने सीखा कि लंबे समय तक टिके रहने के लिए हर दिन मेहनत करनी पड़ती है।'

अपनी जगह बनाऊंगी

वह आगे कहती हैं, 'मुझे रवि किशन की बेटी होने पर बहुत गर्व है, यह मेरी पहचान का एक ऐसा हिस्सा है, जिससे मैं कभी पीछे नहीं हटूंगी। लेकिन मैं यह भी जानती हूं कि एक एक्टर के तौर पर मुझे अपनी अलग पहचान बनानी होगी और अपनी जगह खुद बनानी होगी।'

उम्मीद तो रहेगी

वह कहती हैं 'उम्मीदें तो हमेशा रहेंगी, चाहे मेरे सरनेम की वजह से हों या इसलिए कि लोग यह देखने के लिए उत्सुक हों कि मैं क्या नया लेकर आती हूं। मैंने इसे दबाव के बजाय प्रेरणा के तौर पर देखा है। मेरे लिए सफलता का मतलब अपने पिता की परछाई से बाहर निकलना नहीं है, बल्कि अपनी खुद की पहचान के साथ आत्मविश्वास से खड़े होना है।'

गलती से सीखूंगी

उन्होंने कहा 'मैंने इस सफर को कभी ऐसा नहीं माना कि मुझे अपने पिता से अलग होना है, न ही ऐसा कि यह मुझे विरासत में मिल जाएगा। उनकी विरासत उनकी अपनी है, मेरी जिम्मेदारी अपनी खुद की पहचान बनाना है। अगर मैं कामयाब होती हूं, तो मैं चाहूंगी कि यह मेरी लगातार अच्छी परफॉर्मेंस की वजह से हो। अगर मैं नाकाम होती हूं, तो मैं उससे सीखना चाहूंगी। मैं और और मजबूत होकर वापसी करना चाहूंगी।

संक्षिप्त समाचार

सीरिया की राजधानी में धमाका, मिनीवैन टैक्सी में लगा था बम ; दो लोगों की मौत, 13 घायल

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया की राजधानी दमिश्क के उपनगर जरामाना में गुरुवार को हुए एक विस्फोट में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हो गए। सीरिया के सरकारी टेलीविजन ने एक सुरक्षा अधिकारी के हवाले से बताया कि जरामाना में यह विस्फोट एक मिनीवैन टैक्सी में लगाए गए विस्फोटक उपकरण के कारण हुआ। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, विस्फोट में दो लोगों की जान गई और कम से कम 13 लोग घायल हुए हैं। घटनास्थल पर मौजूद एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के एक पत्रकार ने मलबे से एक शव को बाहर निकालते देखा। विस्फोट के बाद स्थानीय निवासी और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने एपी को बताया कि जिस वाहन में विस्फोट हुआ, उसमें यात्री सवार थे। धमाका इतना तेज था कि व्यस्त कारोबारी इलाके की पूरी सड़क दहल उठी। हमले की जिम्मेदारी फिलहाल किसी भी संगठन ने नहीं ली है। जरामाना में ड्रूज धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय की बड़ी आबादी रहती है। यहां इस समुदाय के कुछ लोगों और मौजूदा इस्लामवादी नेतृत्व वाली सरकार का समर्थन करने वाले सुन्नी मुस्लिम सीरियाइयों के बीच तनाव बना हुआ है। अप्रैल 2025 में ड्रूज बंदूकधारियों और सरकार समर्थक लड़ाकों के बीच सांप्रदायिक झड़पों में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई थी।

दक्षिण अफ्रीका में भारत के राजदूत अनिल सूकलाल को वापस बुलाया गया

प्रिटोरिया , एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के भारत में उच्चायुक्त अनिल सूकलाल को पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा और उस देश में भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे भारतीय मूल के एक व्यवसायी के बीच हुई बैठक में भाग लेने के कारण वापस बुला लिया गया है। दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला ने कहा कि सूकलाल को 'परामर्श' के लिए वापस बुलाया गया है। यह कदम तब उठाया गया जब 26 जून को हरिद्वार में जुमा और सूकलाल की विवादास्पद व्यवसायी अजय गुप्ता से मुलाकात की तस्वीरें सामने आईं। लामोला ने बुधवार को प्रिटोरिया में एक मीडिया ब्रीफिंग में कहा, 'हम पुष्टि करते हैं कि उच्चायुक्त अनिल सूकलाल को आगे की बातचीत के लिए मुख्यालय वापस बुला लिया गया है।' गुप्ता और उनके भाइयों पर राजनीतिक भ्रष्टाचार के आरोप हैं और जुमा पर 2009 से 2018 तक दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रहते हुए उन्हें अनुचित लाभ पहुंचाने के आरोप लगे थे। जुमा और गुप्ता भाइयों ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया। भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद जब जुमा की पार्टी, अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस (एएनसी) ने उन्हें इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया, तो सत्ता खोने के बाद गुप्ता बंधुओं ने दक्षिण अफ्रीका छोड़ दिया।

कांगो में इबोला के प्रकोप से करीब 330 बच्चों की मौत, यूनिसेफ ने जाहिर की चिंता

किंशासा , एजेंसी। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में इबोला प्रकोप के कारण अब तक 330 बच्चों की दर्दनाक मौत हो चुकी है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने इस स्वास्थ्य संकट पर गहरी चिंता व्यक्त की है। यहां पुष्ट इबोला मामलों में से एक-तिहाई मौतें बच्चों की हुई हैं। यूनिसेफ के अनुसार पांच साल से कम उम्र के बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं, जहां मृत्यु दर वयस्कों से दोगुनी है। इस बीमारी के कारण बच्चों के टीकाकरण और स्वास्थ्य सेवाओं में भारी गिरावट आई है। लोग संक्रमण के डर के कारण इलाज कराने स्वास्थ्य केंद्रों पर नहीं जा रहे हैं। डीआरसी में यूनिसेफ के प्रतिनिधि जॉन एगबोर ने कहा कि इबोला का प्रकोप पूरे स्वास्थ्य तंत्र को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। इसके कारण मलेरिया, दस्त और अन्य इलाज योग्य बीमारियों के इलाज में बड़ी रुकावट आ रही है, जो बच्चों की मौत के बड़े कारण हैं। चिकित्सा सहायता संगठन 'डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स' ने चेतावनी दी है कि पूर्वी डीआरसी की वर्तमान स्थिति पहले से कहीं अधिक गंभीर हो चुकी है। यह खतरनाक बीमारी बेहद तेज गति से फैल रही है और फिलहाल इसके धीमा पड़ने के कोई संकेत नहीं दिखाई दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 15 मई को इस खतरनाक प्रकोप की घोषणा होने के बाद से डीआरसी में इबोला के 3,973 पुष्ट मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से 1,801 लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है, जिससे पूरे देश में डर और दहशत का माहौल बना हुआ है। इबोला के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग और सुरक्षा बलों द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। संदिग्ध रोगियों की पहचान करने के लिए चौबीसों घंटे काम किया जा रहा है ताकि इस घातक प्रसार को जल्द काबू किया जा सके। इसी बीच, स्वास्थ्य अधिकारियों ने बुधवार को किंशासा के पास एक यात्री नाव को रोक लिया।

ट्रंप ने पॉलीसिलिकॉन आयात पर 15 प्रतिशत टैरिफ लगाने के एग्जीक्यूटिव आदेश पर किए हस्ताक्षर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार (स्थानीय समय) को एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत पॉलीसिलिकॉन से बने उत्पादों पर न्यूनतम आयात मूल्य और 15 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। पॉलीसिलिकॉन, सोलर पैनल और सेमीकंडक्टर के लिए एक अहम सामग्री है। व्हाइट हाउस की घोषणा के अनुसार, पॉलीसिलिकॉन के लिए न्यूनतम आयात कीमत 21 डॉलर प्रति किलोग्राम और पॉलीसिलिकॉन इंगट और वेफर के लिए 100 डॉलर प्रति किलोग्राम तय की जाएगी। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, व्यापार से जुड़े ये नए उपाय 4 दिसंबर से लागू होंगे। ट्रंप ने अमेरिकी वाणिज्य विभाग को कच्चे पॉलीसिलिकॉन और उससे जुड़े डाउनस्ट्रीम उत्पादों के घरेलू उत्पादन में निवेश को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यक्रम शुरू करने का निर्देश भी दिया।

व्हाइट हाउस की एक फैक्ट शीट के अनुसार, इन उपायों का मकसद इन रणनीतिक सामानों के अमेरिकी उत्पादकों के लिए समान अवसर पैदा करना, इन उद्योगों को देश में वापस लाने (ऑनशोरिंग) को बढ़ावा देना और अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा तथा उसके रक्षा और रक्षा-संबंधी औद्योगिक आधार की रक्षा करना है। फैक्ट शीट के अनुसार, ग्लोबल पॉलीसिलिकॉन प्रोडक्शन कैपेसिटी में अमेरिका की हिस्सेदारी 2005 में 50 प्रतिशत से

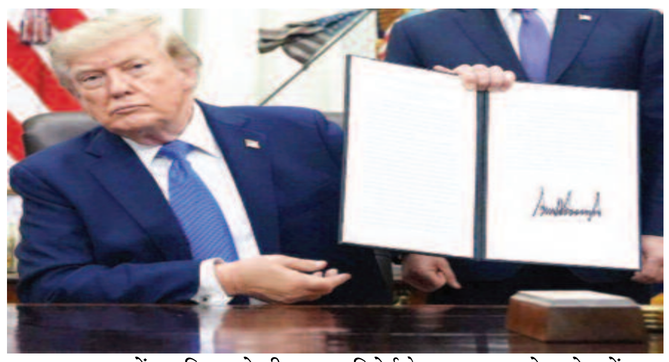

घटकर 2024 में 2 प्रतिशत से भी कम हो गई है। ट्रंप ने जन्म के आधार पर नागरिकता (बर्थराइट सिटीजनशिप) के नियमों को सीमित करने के लिए दो एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर भी साइन किए। यह प्रशासन की ओर से एक नई कोशिश है, जो सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद की गई है, जिसमें उनके पिछले ऑर्डर को खारिज कर दिया गया था।

नए ऑर्डर पर साइन करते हुए व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में ट्रंप ने कहा, 'जन्म के अधिकार से जुड़ा सुप्रीम कोर्ट का फैसला बहुत दुर्भाग्यपूर्ण और मामला बहुत करीबी था। इसलिए हम इसमें कुछ बदलाव कर रहे हैं।' व्हाइट हाउस के मुताबिक, इनमें से एक आदेश 'बर्थ टूरिज्म' को रोकने के लिए है। बर्थ टूरिज्म का मतलब है किसी विदेशी नागरिक का गैर-आप्रवासी वीजा पर अमेरिका आना, ताकि अमेरिकी धरती पर बच्चे को जन्म दिया जा सके। इसमें ऐसे प्रवेश में मदद करने की कोशिश भी शामिल है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, दूसरे आदेश में जन्म के अधिकार से नागरिकता पाने के लिए अयोग्य लोगों की परिभाषा का दायरा बढ़ाया गया है। इसमें विदेशी सरकारी कर्मचारियों के बच्चे, किसी खास विदेशी आतंकवादी संगठन के सदस्यों के बच्चे और नागरिकता पाने के लिए धोखाधड़ी करने वाले लोगों के बच्चे शामिल हैं। अमेरिकी संविधान के 14वें संशोधन (जिसे 1868 में मंजूरी मिली थी) में कहा गया है कि 'संयुक्त राज्य अमेरिका में पैदा हुए या वहां की नागरिकता हासिल करने वाले सभी लोग, जो वहां के अधिकार क्षेत्र में आते हैं, वे संयुक्त राज्य अमेरिका और उस राज्य के नागरिक हैं, जहां वे रहते हैं।'

नए सरकारी आदेशों में क्या : ट्रंप प्रशासन द्वारा जारी किए गए 2 आदेशों में विदेशियों और टूरिस्टों पर कड़े प्रतिबंध लगाए गए हैं। पहला आदेश उन लोगों और कंपनियों को निशाना बनाता है जो अमेरिका का वीजा सिर्फ इसलिए लेते हैं ताकि उनके बच्चे की डिलीवरी अमेरिका में हो सके और बच्चे को अमेरिकी पासपोर्ट मिल जाए। ऐसे पर्यटकों के देश में प्रवेश पर ही रोक लगाने की व्यवस्था की गई है। वहीं दूसरे आदेश के तहत ऐसे लोगों की सूची को बढ़ाया गया है, जिन्हें अमेरिका में जन्म लेने के बावजूद नागरिकता का हकदार नहीं माना जाएगा। नए आदेशों के मुताबिक अगर किसी दंपति ने किसी 'कमर्शियल ट्रांजैक्शन' के जरिए महिला को बच्चा पैदा करने के लिए अमेरिका भेजा है, तो उस बच्चे को नागरिकता दस्तावेज नहीं मिलेंगे। इसके अलावा विदेशी सरकारों की ओर से काम करने वाले अधिकारियों या लॉबिंग करने वाले नागरिकों के बच्चों को भी नागरिकता नहीं मिलेगी।

कोर्ट में टिक पाएगा ट्रंप का यह दांव : ट्रंप के इन नए आदेशों के आते ही कानूनी और मानवाधिकार विशेषज्ञों ने इसे सीधे तौर पर असंवैधानिक घोषित कर दिया है। न्यूयॉर्क के इमिग्रेशन अटॉर्नी साइरस मेहता ने एक्स पर लिखा कि 'कमर्शियल ट्रांजैक्शन' जैसी शब्दावली बहुत धुंधली है और यह संविधान के 14वें संशोधन का साफ उल्लंघन है। वहीं अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन ने तीखा हमला बोलते हुए कहा, 'सुप्रीम कोर्ट पहले ही तय कर चुका है कि संविधान हर जन्म लेने वाले बच्चे को नागरिकता की गारंटी देता है। राष्ट्रपति का कोई भी नया आदेश संविधान को नहीं बदल सकता। ट्रंप के इस आदेश का भी वही हश्र होगा जो उनके पिछले आदेश का हुआ था।

अमेरिका-कनाडा व्यापार वार्ता में बढ़ा तनाव

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कनाडा और उसके नेतृत्व पर की गई टिप्पणी के बाद दोनों देशों के बीच चल रही व्यापार वार्ता 'कड़वी' हो गई है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि कनाडा बातचीत में बना हुआ है और देश के कर्मचारियों तथा कारोबारों के हितों की रक्षा के लिए वार्ता जारी रखेगा।

क्या ट्रंप की टिप्पणी के बाद भी कनाडा वार्ता में बना रहेगा : मार्क कार्नी ने कहा कि यह बेहद कठिन बातचीत है। उन्होंने कहा कि इसे कड़वी कहा जा सकता है, लेकिन यह कनाडा के रोजगार और वहां के कारोबारों के भविष्य का सवाल है। उन्होंने बताया कि कनाडा के वार्ताकार इस सप्ताह वॉशिंगटन में मौजूद हैं और पिछले सप्ताह ट्रंप से बातचीत के बाद आगे भी उनसे चर्चा होने की उम्मीद है।

क्या ट्रंप ने कनाडा और उसके नेतृत्व की आलोचना की : डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को लास वेगास में एक कार्यक्रम के दौरान कनाडा की आलोचना की। उन्होंने कहा कि कनाडा 'कड़वा' है और वहां का नेतृत्व भी ऐसा ही है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें कनाडा के लोग पसंद हैं। कार्नी ने ट्रंप की इस टिप्पणी पर पूछे गए सवाल पर हंसते हुए कहा कि फिलहाल दोनों देशों के बीच टैरिफ युद्ध चल रहा है।

क्या अमेरिका पहले से कनाडाई उत्पादों पर टैरिफ लगा चुका है : अमेरिका पहले ही कनाडा से आयात होने वाले स्टील, एल्यूमिनियम और ऑटोमोबाइल पर टैरिफ लगा चुका है। वहीं, ट्रंप ने 19 अगस्त से कनाडा के और अधिक उत्पादों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी भी दी है। टैरिफ आयातित वस्तुओं पर लगाया जाने वाला कर होता है, जिसकी अतिरिक्त लागत कंपनियां उपभोक्ताओं से ऊंची कीमतों के रूप में वसूल सकती हैं।

क्या टैरिफ और 51वां राज्य बनाने वाले बयान से कनाडा में नाराजगी है : रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप की टैरिफ संबंधी चेतावनियों और कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने संबंधी बार-बार दिए गए सुझावों से कई कनाडाई नाराज हैं। इसके चलते कई लोगों ने अमेरिका की अपनी यात्राएं भी रद्द कर दी हैं। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर का कहना है कि कनाडा और चीन ही ऐसे दो देश हैं जिन्होंने ट्रंप के टैरिफ के जवाब में प्रतिरोधात्मक कदम उठाए हैं। उन्होंने कनाडा के कुछ प्रांतों में अमेरिकी शराब की बिक्री पर लगी पाबंदियों का भी उल्लेख किया। वहीं, कनाडाई अधिकारियों का कहना है कि उनकी जवाबी कार्रवाई पहले से लागू अमेरिकी टैरिफ के जवाब में की गई थी। मार्क कार्नी ने कहा कि अमेरिका द्वारा एल्यूमिनियम पर लगाए गए मौजूदा टैरिफ के कारण अमेरिका में एल्यूमिनियम की कीमतों में 58 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। उनके अनुसार, यह स्थिति अमेरिकी कंपनियों के लिए भी अच्छी नहीं है।

उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण पर अमेरिका ने सहयोगियों को दिया सुरक्षा का भरोसा

प्योंगयांग, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने क्षेत्र में अपने सहयोगी देशों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई है। पैसिफिक कमांड ने उत्तर कोरिया की ओर से पूर्वी सागर की तरफ दागी गई कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल के कुछ ही घंटों बाद यह सुरक्षा बयान जारी कर सहयोगियों को सुरक्षित रहने का पूर्ण आश्वासन दिया। योनहाप समाचार एजेंसी के अनुसार, अमेरिकी कमांड सहयोगियों के साथ लगातार संपर्क में है। उन्होंने अपने आकलन में स्पष्ट किया कि उत्तर कोरिया की यह मिसाइल घटना अमेरिकी कर्मियों, अमेरिकी क्षेत्र या सहयोगी देशों के लिए तत्काल कोई खतरा नहीं है। अमेरिका अपने सहयोगियों की रक्षा के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

दक्षिण कोरिया के जेसीएस के अनुसार, यह मिसाइल वोनसान क्षेत्र से शाम करीब 5 बजे दागी गई। वर्तमान में दक्षिण कोरिया और अमेरिका मिलकर इस मिसाइल की तकनीकी विशेषताओं का विश्लेषण कर रहे हैं। दोनों देशों ने शुरुआती तैयारी के चरण से ही उत्तर कोरिया की गतिविधियों का पता लगा लिया था। जेसीएस ने बताया कि अतिरिक्त प्रक्षेपणों पर नजर रखने के लिए दक्षिण कोरियाई सेना पूरी तरह सतर्क और तैयार है। वे इस संबंध में अमेरिका और जापान के साथ आवश्यक जानकारी साझा कर रहे हैं। यह प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच होने वाले वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' से ठीक पहले हुआ है। इससे पहले उत्तर कोरिया ने 25 जून को एक सामरिक बैलिस्टिक मिसाइल, नए मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर और अन्य हथियारों का परीक्षण किया था। इस वजह से अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई सेनाएं किसी भी अन्य संभावित प्रक्षेपण पर नजर रखने के साथ-साथ उचित जवाबी तैयारी बनाए रखने के लिए लगातार अपनी निगरानी व्यवस्था को मजबूत कर रही हैं। इस प्रक्षेपण के बाद दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय के राष्ट्रीय सुरक्षा विभाग ने तुरंत बैठक बुलाई। इसमें रक्षा मंत्रालय और जेसीएस के अधिकारी शामिल हुए। अधिकारियों को सतर्क रहने, जवाबी तैयारी बनाए रखने और राष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करने के निर्देश दिए गए।

इस्लामिक नाटो' का गठन?: तुर्किये, सऊदी अरब-पाकिस्तान के बीच जल्द होगा संयुक्त रक्षा समझौता, रिपोर्ट में दावा

रियाद, एजेंसी। तुर्किये, सऊदी अरब और पाकिस्तान शुक्रवार को सऊदी अरब में एक संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। इस खबर के बाद इन देशों के बीच सैन्य सहयोग बढ़ने और कथित 'इस्लामिक नाटो' जैसी सुरक्षा व्यवस्था बनने की अटकलें फिर तेज हो गई हैं। हालांकि, पाकिस्तान पहले ही साफ कर चुका है कि यह व्यवस्था किसी देश के खिलाफ नहीं होगी। उसका कहना है कि इसका मकसद क्षेत्रीय शांति को मजबूत करना और बाहरी देशों पर निर्भरता कम करना है।

पहले भी जताई थी बड़े गठबंधन की संभावना : पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने मई में एक इंटरव्यू में कहा था कि पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच पहले से मौजूद रक्षा और आर्थिक सहयोग के ढांचे का विस्तार किया जा सकता है। इसमें भविष्य में कतर और तुर्किये को भी शामिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा था कि इस प्रस्ताव पर अलग-अलग स्तर पर चर्चा चल रही है और इसे अंतिम रूप देने की प्रक्रिया जारी है। यदि कतर और तुर्किये इसमें शामिल होते हैं तो यह क्षेत्र के लिए एक मजबूत आर्थिक और रक्षा सहयोग मंच बन सकता है।

'किसी के खिलाफ नहीं है यह समझौता' : ख्वाजा आसिफ ने कहा था कि इस तरह का समझौता किसी देश को निशाना बनाने के लिए नहीं है। इसका उद्देश्य क्षेत्र में शांति बनाए रखना और सुरक्षा के मामलों में बाहरी देशों पर निर्भरता कम करना है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सभी देश एक-दूसरे से जुड़े हैं, लेकिन अपने क्षेत्र की शांति और सुरक्षा के लिए ऐसा सहयोग जरूरी है।

पिछले साल हुआ था पाकिस्तान-सऊदी रक्षा समझौता : पिछले साल पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सऊदी अरब यात्रा के दौरान दोनों देशों ने 'स्ट्रैटेजिक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट' पर हस्ताक्षर किए थे। संयुक्त बयान में कहा गया था कि लगभग आठ दशक पुराने रिश्तों, इस्लामी एकजुटता, साझा रणनीतिक हितों और रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के लिए यह समझौता किया गया है। इसके तहत दोनों देशों ने एक-दूसरे की सुरक्षा के प्रति सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया था।

भारत ने जताई थी चिंता : इस समझौते के बाद भारत ने कहा था कि वह इसके प्रभावों का सावधानी से अध्ययन करेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा था कि भारत इस रक्षा समझौते के अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा, क्षेत्रीय और वैश्विक स्थिरता पर पड़ने वाले असर का आकलन करेगा। उन्होंने कहा था कि भारत अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही मेटा को पड़ी भारी ! कोर्ट ने लगाया 5,000 करोड़ का जुर्माना, बदलाव के आदेश

वाशिंगटन, एजेंसी। फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा की मुस्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। हाल ही में कंपनी को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक वीडियो बिना बताए फेसबुक से हटाने पर भारी आलोचना का सामना करना पड़ा था। इसी बीच अमेरिका के न्यू मैक्सिको राज्य की एक अदालत ने कंपनी पर 567 मिलियन डॉलर का जुर्माना लगाया है। जानकारी के मुताबिक, अदालत ने कंपनी पर यह जुर्माना बच्चों और किशोरों की मानसिक सेहत से जुड़े एक बड़े मामले में लगाया है। अदालत ने कंपनी को 567 मिलियन डॉलर खर्च करके युवाओं की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के लिए कई नए कदम उठाने का आदेश दिया है। यह पैसा इलाज, जागरूकता अभियान, ऑनलाइन सुरक्षा और बच्चों की सुरक्षा से जुड़े कार्यक्रमों पर खर्च किया जाएगा।

मेटा पर 567 मिलियन डॉलर का जुर्माना : न्यू मैक्सिको की अदालत ने कहा कि सोशल मीडिया कंपनियों की भी यह जिम्मेदारी है कि उनके प्लेटफॉर्म बच्चों और किशोरों के लिए सुरक्षित हों। अदालत के मुताबिक, 567 मिलियन डॉलर में से 420 मिलियन डॉलर मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं और सहायता कार्यक्रमों पर खर्च किए जाएंगे। बाकी रकम अगले पांच वर्षों में जागरूकता अभियान, स्क्रीनिंग और अन्य सुरक्षा उपायों पर लगाई जाएगी। यह मामला पहले भी मेटा के लिए महंगा साबित हुआ था। मुकदमे के पहले चरण में जूरी ने कंपनी पर 375 मिलियन डॉलर का सिविल जुर्माना लगाया था। जूरी का मानना था कि मेटा को पता था कि उसके प्लेटफॉर्म का बच्चों और किशोरों की मानसिक सेहत पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। इसके अलावा कंपनी पर यह आरोप भी लगा कि उसने बाल यौन शोषण से जुड़े खतरों के बारे में पर्याप्त जानकारी सार्वजनिक नहीं की।

फेसबुक और इंस्टाग्राम में बदलाव के आदेश : अदालत ने फेसबुक और इंस्टाग्राम में कई बदलाव करने के भी आदेश दिए हैं। अब इन प्लेटफॉर्म पर ऐसे सूचना पैनल और बैनर दिखाए जाएंगे, जिनमें यूजर्स को सुरक्षा फीचर्स, प्राइवेसी सेटिंग्स, आपत्तिजनक टिप्पणियों से बचाव और सुरक्षित तरीके से सोशल मीडिया इस्तेमाल करने की जानकारी मिलेगी। न्यू मैक्सिको में चलने वाले जागरूकता अभियानों की निगरानी राज्य प्रशासन करेगा। उम्र सत्यापन के मामले में अदालत ने कहा कि अमेरिका के बच्चों की ऑनलाइन गोपनीयता कानून के कारण 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए बहुत सख्त नियम लागू करना आसान नहीं है। इसलिए अदालत ने मेटा को छोटे बच्चों से अतिरिक्त निजी जानकारी मांगने या उनकी ऑनलाइन गतिविधियों की निगरानी करके उम्र की पुष्टि करने का आदेश नहीं दिया।हालांकि, अदालत ने मेटा को अपनी आयु सत्यापन प्रणाली मजबूत करने के लिए कहा है। कंपनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से यह अनुमान लगाएगी कि कोई यूजर 13 साल से कम उम्र का तो नहीं है। इसके लिए दोस्तों का नेटवर्क, देखी जाने वाली सामग्री और अन्य ऑनलाइन गतिविधियों जैसे संकेतों का उपयोग किया जाएगा।

ट्रम्प बोले- ईरान से जंग जल्द खत्म हो सकती है, हूती विद्रोहियों का यमन में मिसाइल और ड्रोन अटैक, 30 सैनिकों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ जारी जंग जल्द खत्म हो सकती है। उन्होंने कहा कि बातचीत आगे बढ़ रही है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ईरान के साथ संघर्ष अब ज्यादा लंबा चलेगा। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका के पास हथियारों की कोई कमी नहीं है और जरूरत के मुताबिक नए हथियार लगातार बनाए जा रहे हैं। उधर, यमन की सेना ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन से हमला किया, जिसमें 30 सैनिकों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए। हूती विद्रोहियों ने अदन की खाड़ी में सऊदी तेल टैंकर डेजी पर मिसाइल हमला करने का भी दावा किया है।

यमन में हूती हमलों से मरने वालों की संख्या 58 हुई : यमन में हूती विद्रोहियों के मिसाइल और ड्रोन हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 58 हो गई है। हमलों में दर्जनों सैनिक घायल भी हुए हैं। वहीं, सऊदी अरब के नजरान क्षेत्र में हुए हमले में 4 साल के बच्चे समेत 11 नागरिक घायल हुए हैं। हमलों के बाद नजरान के कई हिस्सों में आग लग गई।

सऊदी अरब के नजरान में भीषण आग : सऊदी अरब के नजरान क्षेत्र में गुरुवार को भीषण आग लग गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर तक दिखाई दिया। फिलहाल आग लगने के कारण और नुकसान को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। नजरान में लगी आग की सूचना मिलते ही दमकल और राहत टीमें मौके पर पहुंच गईं। आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है।

एक्सपर्ट बोले- ट्रम्प के पास अब दो ही रास्ते, पीछे हटें या जंग बढ़ाएं : शिकागो यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर रॉबर्ट पेप का कहना है कि ईरान के साथ जारी युद्ध में ट्रम्प ऐसे मोड़ पर पहुंच गए हैं, जहां उनके पास सिर्फ दो विकल्प बचे हैं- या तो ईरान के बढ़ते प्रभाव को स्वीकार करें या फिर जंग को और आगे बढ़ाएं। अल जजीरा को दिए इंटरव्यू में पेप ने कहा कि अमेरिका ने हवाई और नौसैनिक हमलों से कुछ सैन्य सफलता जरूर हासिल की, लेकिन वह अपने बड़े मकसद पूरे नहीं कर पाया। उनके मुताबिक, युद्ध के बाद ईरान पहले से ज्यादा मजबूत होकर उभरा है।

यमन में गृहयुद्ध भड़कने का खतरा बढ़ा : यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के बड़े हमले के बाद गृहयुद्ध भड़कने का खतरा बढ़ गया है। हूतियों ने पूर्वी यमन में सरकारी सेना के तीन सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। यह इलाका सऊदी समर्थित सरकार का मजबूत गढ़ माना जाता है और इसे हाल के वर्षों में हूतियों की सबसे बड़ी सैन्य कार्रवाइयों में गिना जा रहा है।

उधर, सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के मुताबिक, नजरान एयरपोर्ट पर हुए हमले में 11 नागरिक घायल हुए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि हूती अब पूर्वी यमन में भी मोर्चा खोल चुके हैं। अगर तनाव इसी तरह बढ़ता रहा, तो देश एक बार फिर गृहयुद्ध की चपेट में आ सकता है।

रूस में मुआवजे के लिए सैनिकों से शादी कर रहीं महिलाएं, अस्पताल और सेना पर भी मिलीभगत के आरोप

मॉस्को , एजेंसी। यूक्रेन से युद्ध के बीच रूस में एक नया घोटाला सामने आया है। सीएनएन की रिपोर्ट के कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहां महिलाएं युद्ध पर जा रहे सैनिकों से जल्दबाजी में शादी कर रही हैं और उनकी मौत के बाद मिलने वाला सरकारी मुआवजा हड़प जा रही है। रूस में हाल के महीनों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें सैनिकों ने मोर्चे पर जाने से ठीक पहले या अस्पताल में मौत से पहले शादी की।

इस पूरे घोटाले में सिर्फ महिलाएं व युवतियां ही नहीं, अस्पताल से लेकर सेना तक पर मिलीभगत के आरोप हैं। सबसे चर्चित मामला एक सैन्य अस्पताल में कार्यरत नर्स का है, जिस पर आरोप है कि उसने इलाज करा रहे पांच घायल सैनिकों से अलग-अलग समय पर शादी की। वह सैनिकों की मौत के बाद उनका मुआवजा लेना चाहती थी। एजेंसी

पिता की मौत के बाद बेटी को पता चला-दो दिन पहले हुई थी शादी : सेंट पीटर्सबर्ग की रहने वाली 37 वर्षीय मारिया ने सीएनएन को बताया कि जब उनके 59 वर्षीय पिता यूरी की यूक्रेन युद्ध में मौत हुई, तब मिलिट्री अधिकारियों से उन्हें पता चला कि उनके पिता ने मोर्चे पर जाने से ठीक दो दिन पहले अपने से 22 साल छोटी एक अनजान महिला से गुपचुप शादी कर ली थी। इस फर्जी शादी के कारण सरकार से मिलने वाला सारा मुआवजा (डेथ पेआउट) उस अनजान महिला को मिल गया। मारिया का आरोप है कि उनके पिता के साथ धोखा हुआ।

सैनिक की मौत पर रूस में मिलता है 62 लाख रुपये की मदद : रूस में युद्ध में मारे गए सैनिक के परिवार को सरकार की ओर से कम से कम 50 लाख रूबल (करीब 62 लाख भारतीय रुपये) की एकमुश्त मदद मिलती है। कई अन्य भुगतान और बीमा जोड़ दिए जाएं तो यह रकम और भी ज्यादा हो जाती है। इसी के लालच में महिलाएं अकेले, बुजुर्ग या कमजोर सैनिकों को शादी के लिए फंसाती हैं।

युद्ध शुरू होने के बाद शादी के नियम हुए आसान : 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस ने सेना में भर्ती होने वाले लोगों के लिए शादी के नियम आसान कर दिए। आमतौर पर रूस में शादी के लिए आवेदन देने के बाद कुछ समय इंतजार करना पड़ता है, लेकिन युद्ध के दौरान इस प्रक्रिया में छूट दे दी गई। नए सैनिक चाहें तो भर्ती के तुरंत बाद शादी कर सकते थे। सरकार का मानना था कि इससे सैनिकों को परिवार का सहारा मिलेगा।

सैनिक की मौत पर मिलता है भारी मुआवजा : रूस में युद्ध में मारे गए सैनिक के परिवार को सरकार की ओर से कम से कम 50 लाख रूबल (करीब 62 लाख भारतीय रुपए) की एकमुश्त मदद मिलती है। कई अन्य भुगतान और बीमा जोड़ दिए जाएं तो यह रकम और भी ज्यादा हो सकती है। आरोप है कि कुछ महिलाएं इसी पैसे के लालच में अकेले, बुजुर्ग या कमजोर सैनिकों को शादी के लिए फंसाती हैं। सैनिक की मौत के बाद पूरा मुआवजा पत्नी को मिल जाता है। परिवार के बाकी लोगों को कुछ भी नहीं मिल पाता।

सरकार ने जल्दी शादी को बढ़ावा दिया, इसके बाद स्कैम बढ़ा : फरवरी 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद रूस ने सेना में भर्ती होने वाले लोगों के लिए शादी के नियम आसान कर दिए। आमतौर पर रूस में शादी के लिए आवेदन देने के बाद कुछ समय इंतजार करना पड़ता है, लेकिन युद्ध के दौरान इस प्रक्रिया में छूट दे दी गई। नए सैनिक चाहें तो भर्ती के तुरंत बाद शादी कर सकते थे। सरकार का मानना था कि इससे सैनिकों को परिवार का सहारा मिलेगा और अगर युद्ध में उनकी मौत हो जाती है, तो पत्नी और परिवार को सरकारी आर्थिक मदद आसानी से मिल सकेगी।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)